हिन्दी दैनिक

तीसरा विकल्प न्यूज़

(लखनऊ से प्रकाशित)

वर्षः- 02, अंकः-47, पृष्ठः-08, मूल्यः- 2 रु.
लखनऊ, शनिवार 27 जुलाई 2024

वैक्सीन द्वारा सर्वाइकल कैंसर से रोकथाम संभवः डा. ...02

जिलाधिकारी से शिकायत के बाद जुड़ा सड़क पर पड़ा नंगा तार...06

25वां कारगिल विजय दिवस

दुनिया के अंदर भारत की पहचान जबरन एकाधिकार करने वाले देश की नहीं : योगी

अमर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की

इससे पहले सीएम योगी सेंट्रल कमांड, कैंट में कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ पर आयोजित रजत जयंती समारोह में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने अमर जवानों को पुष्पचक्र चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें नमन किया। साथ ही सीएम योगी ने कारगिल युद्ध के दौरान भारत के वीर जवानों के शौर्य को प्रदर्शित करती हुई प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर सीएम योगी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए प्रदेशवासियों को बधाई दी और भारतीय सेना के पराक्रमी योद्धाओं को नमन किया। उन्होंने लिखा भारतीय सशस्त्र बलों के अदम्य शौर्य, अद्वितीय पराक्रम एवं अप्रतिम साहस के प्रतीक कारगिल विजय दिवस की प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई!

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कारगिल युद्ध भारत पर थोपा गया था। छद्म रुप से पाकिस्तान ने कश्मीर में घुसपैठ करके भारत पर युद्ध थोपने का कार्य किया था। किन्तु युद्ध का परिणाम क्या होगा यह हमारे बहादुर जवानों ने तय किया। उस समय हमारी सेना के वीर जवानों के सामने विपरीत परिस्थितियां थीं, लेकिन हमारे बहादुर जवानों के सामने कोई दुश्मन टिक नहीं पाया। उन्होंने कहा कि कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय जवानों के अदम्य शौर्य और साहस का लोहा दुनिया ने माना। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को सेंट्रल कमांड, कैंट के सूर्या सभागार में कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ पर आयोजित रजत जयंती समारोह को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कारगिल विजय दिवस की बधाई देते हुए कहा कि जिन वीर नारियों और परिवारों ने कारगिल युद्ध में अपने परिवार के सदस्यों को खोया है, आज उन्हें सम्मानित कर गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। सीएम योगी ने कहा कि दुनिया के अंदर भारत की पहचान जबरन एकाधिकार करने वाले देश की नहीं है। सीएम योगी ने कहा कि शस्त्रेण रक्षिते राष्ट्रे शास्त्रचिंता प्रवृत्तते यह भारत की परंपरा है। उन्होंने कहा कि बल, बुद्धि और विद्या में भारत जब दुनिया के अंदर जब सिरमौर था, तब भी हमने किसी पर आक्रमण नहीं किया। परंतु किसी आक्रांता ने यहां आकर हमारी शांति और हमारी सद्भावना के हनन का दुस्साहस किया तो भारत माता के बहादुर जवानों ने मातृभूमि के रक्षा करने के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। सीएम योगी ने कहा कि देश की सीमा की रक्षा करने वाले बहादुर जवानों के साथ राय सरकार हमेशा खड़ी है। सीएम योगी ने कहा कि हमारा जवान किसी भी युद्ध या सीमा की सुरक्षा करते हुए शहीद होता है, तो राय सरकार की ओर उसके परिवार को आज 50 लाख रुपए की सहायता दी जा रही है। साथ ही उस परिवार के एक सदस्य की नौकरी भी व्यवस्था सुनिश्चित की है। इसके अलावा 2017 से हमारी सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया कि शहीद होने वाले जवान की स्मृति को आगे बढ़ाने के लिए जिस गांव, नगर, कस्बे का वह जवान होगा, वहां पर एक भव्य स्मारक, इंस्टिट्यूट या किसी मार्ग का नामकरण उस जवान के नाम पर करेंगे। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विकसित भारत के संकल्प को इसलिए ही आगे बढ़ा पा रहे हैं क्योंकि आज देश की सीमाएं सुरक्षित हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अगले तीन वर्ष में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। तीसरी अर्थव्यवस्था बनने का मतलब है कि भारत समृद्धि के नए सोपान को स्थापित करते हुए आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ जाएगा।

शहीदों की प्रतिमाओं पर पुष्पचक्र अर्पित किया

कार्यक्रम से पहले सीएम योगी ने कारगिल स्मृति वाटिका में लगाई गई शाहिद मेजर रितेश शर्मा, कैप्टन मनोज पांडेय, कैप्टन मनोज मिश्र, लांस नायक केवड़ा नंद द्विवेदी और राइफलमैन सुनील जंग की प्रतिमाओं पर पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनकी स्मृतियों को नमन किया।

इन्हें किया सम्मानित

इस मौके पर सीएम योगी ने परमवीर चक्र विजेता कैप्टन मनोज पांडेय के पिता, राइफलमैन सुनील जंग की माता, नायक आबिद खान की माता, नायक रामकेश चंद्र यादव की पत्नी, नायक राजेंद्र यादव की पत्नी, लांस नायक अशोक कुमार यादव के बेटे, ब्रिगेडियर अखिल कुमार सिन्हा, कर्नल प्रभात रंजन, कर्नल ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह कौशिक, कर्नल क्षितिज श्रीवास्तव, नायक जितेंद्र सिंह और सिपाही विनोद कुमार दुबे को सम्मानित किया।

अग्निवीरों को प्रदेश पुलिस और पीएसी में देंगे आरक्षणः मुख्यमंत्री योगी

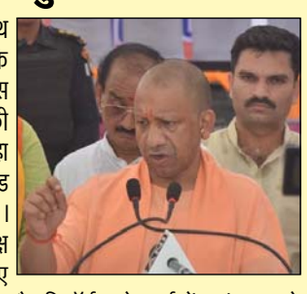

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि देश की सेवा करके लौटने वाले अग्निवीरों को यूपी पुलिस और पीएसी बल में आरक्षण देने की सुविधा उपलब्ध कराएंगे। उन्होंने कहा कि अग्निवीरों के रूप में देश को ट्रेंड और अनुशासित युवा सैनिक मिलेंगे। सीएम योगी ने अग्निवीर मुद्दे पर विपक्ष की राजनीति को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि विरोधियों का काम हर प्रगति और रिफॉर्म वाले कार्य में अड़ंगा लगाने, टांग अड़ाने और अफवाह फैलाने का है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। बीते 10 साल में भारत में बेहतरीन रिफॉर्म हुए हैं। सीएम योगी ने कहा कि भारतीय सेना के आधुनिकीकरण और इसके साजो-सामान के मामले में हम आत्मनिर्भरता की ओर से बढ़ रहे हैं। नई दिल्ली में आयोजित नीति आयोग की बैठक में शामिल होने से पहले शुक्रवार शाम यहां अपने सरकारी आवास पर सीएम योगी मीडिया से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी देश और समाज के लिए प्रगति और समृद्धि के नित नये प्रतिमान स्थापित करने के लिए समय-समय पर होने वाला रिफॉर्म अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की अथर्व्यवस्था को एक सम्मानजनक स्थिति में पहुंचाने और दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में लाने के लिए कार्य किये गये हैं।

कांवड़ रूट में नाम लिखने पर रोक जारी रहेगी

योगी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा था- खाने में लहसुन-प्याज से झगड़े हो रहे थे

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने कांवड़ यात्रा मार्गों पर खाद्य पदार्थों के विक्रेता, होटल मालिकों को अपने और अपने यहां काम करने वाले अन्य कर्मचारियों के नाम सार्वजनिक तौर पर प्रदर्शित करने के उत्तर प्रदेश पुलिस समेत अन्य के आदेश पर रोक शुक्रवार को पांच अगस्त तक बढ़ा दी। न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति एस वी एन भट्टी की पीठ ने नाम प्रदर्शित करने के आदेशों की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद रोक बढ़ाने संबंधी आदेश पारित करते हुए कहा कि यदि कोई स्वैच्छिक रूप नाम प्रदर्शित करना चाहे, तो ऐसा कर सकता है। पीठ ने स्पष्ट किया कि पिछला आदेश (22 जुलाई) किसी को भी मालिकों और कर्मचारियों के नाम स्वेच्छा से प्रदर्शित करने से नहीं रोकता है। पीठ ने कहा, अगर कोई स्वेच्छा से ऐसा करना चाहता है तो वह ऐसा कर सकता है, लेकिन कोई जोर नहीं देना चाहिए, शीर्ष अदालत के समक्ष सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता ए एम सिंघवी ने उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर के एसएसपी द्वारा 17 जुलाई को जारी निर्देश का बचाव करने वाले उत्तर प्रदेश सरकार के जवाबी हलफनामे पर अपना (याचिकाकर्ता का) जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा। श्री सिंघवी ने दलील देते हुए दावा किया कि उत्तर प्रदेश सरकार ने स्वीकार किया है कि भेदभाव हुआ है, लेकिन यह स्थायी प्रकृति का नहीं है। उन्होंने कहा कि पिछले 60 वर्षों में ऐसा कोई आदेश नहीं दिया गया था। शीर्ष अदालत के समक्ष उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि केंद्रीय कानून खाद्य एवं सुरक्षा मानक अधिनियम 2006 के तहत नियमों के अनुसार ढाबों सहित प्रत्येक खाद्य विक्रेता को मालिकों के नाम प्रदर्शित करना आवश्यक है।

भारत ने अंतर्राष्ट्रीय संगठन एशियाई आपदा तैयारी केन्द्र की अध्यक्षता संभाली

नयी दिल्ली, एजेंसी। आपदा राहत और बचाव के क्षेत्र में लगातार प्रगति कर रहे भारत ने अंतर्राष्ट्रीय संगठन एशियाई आपदा तैयारी केन्द्र की अध्यक्षता का कार्यभार संभाल लिया है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्य और विभागाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह ने भारत के प्रतिनिधि के रूप में थाइलैंड के बैंकॉक में बृहस्पतिवार को वर्ष 2024-25 के लिए चीन से इस केन्द्र की अध्यक्षता का कार्यभार संभाला। यह केन्द्र एशिया और प्रशांत क्षेत्र में आपदा जोखिम न्यूनीकरण तथा जलवायु परिवर्तन से निपटने में सहयोग और कार्यान्वयन के लिए एक स्वायत्त अंतर्राष्ट्रीय संगठन है। भारत और आठ पड़ोसी देश बांग्लादेश, कंबोडिया, चीन, नेपाल, पाकिस्तान, फिलीपींस, श्रीलंका और थाईलैंड इसके संस्थापक सदस्य हैं। भारत ने बृहस्पतिवार को ही बैंकॉक में आयोजित केन्द्र न्यासी बोर्ड की 5 वीं बैठक की भी अध्यक्षता की।

पाकिस्तान ने पिछली हार से नहीं लिया सबकः प्रधानमंत्री मोदी

श्रीनगर, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पाकिस्तान को 'आतंकवाद का आका' करार देते हुए शुक्रवार को कहा कि पड़ोसी देश ने पिछली हार और गलतियों से कोई सबक नहीं सीखा है और वह 'आतंकवाद और छद्म युद्ध' की मदद से खुद को प्रासंगिक बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। श्री मोदी, द्रास में 25वें कारगिल विजय दिवस पर 1999 में पाकिस्तान के साथ युद्ध के दौरान शहीद हुए सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के बाद जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को अतीत में अपने सभी अनैतिक और शर्मनाक प्रयासों के लिए हार का सामना करना पड़ा है। श्री मोदी ने जम्मू-कश्मीर में बढ़ते आतंकवादी हमलों का परोक्ष रूप से जिक्र करते हुए कहा, वह (पाकिस्तान) अतीत में हमेशा विफल रहा है लेकिन उसने अपने इतिहास से कुछ नहीं सीखा है। वह आतंकवाद और छद्म युद्ध की मदद से खुद को प्रासंगिक बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। आज जब मैं ऐसी जगह से बोल रहा हूं, जहां आतंक के आका मेरी आवाज सीधे सुन सकते हैं, तो मैं आतंकवाद के इन संरक्षकों को बताना चाहता हूं कि उनके नापाक इरादे कभी सफल नहीं होंगे। हमारे बहादुर जवान पूरी ताकत से आतंकवाद को कुचल देंगे और दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। प्रधानमंत्री ने 1999 के कारगिल युद्ध के बारे में कहा कि भारत ने न केवल युद्ध जीता, बल्कि 'सत्य, संयम और शक्ति' का अद्भुत उदाहरण भी दिया। उन्होंने कहा, आप जानते हैं, भारत उस समय शांति की कोशिश कर रहा था और बदले में पाकिस्तान ने एक बार फिर अपना कुटिल चेहरा दिखाया लेकिन सत्य के सामने झूठ और आतंक की हार हुई। प्रधानमंत्री ने अग्निपथ योजना को लेकर कांग्रेस और उसके सहयोगी विपक्षी दलों पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सेना में अग्निपथ का लक्ष्य सेना को युवा और युद्ध के लिए फिट रखना है। कांग्रेस पर परोक्ष हमला करते हुए उन्होंने कहा कि कुछ लोग सोचते थे कि सेना का मतलब नेताओं को सलामी देना और परेड करना है, लेकिन हमारे लिए सेना का मतलब 140 करोड़ देशवासियों की आस्था है। श्री मोदी ने कहा, अग्निपथ का लक्ष्य सेना को युवा बनाये रखना है, सेना को लगातार युद्ध के लिए फिट रखना है। दुर्भाग्य से कुछ लोगों ने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े ऐसे संवेदनशील मुद्दे को राजनीति का विषय बना दिया है। ये वही लोग हैं जिन्होंने हजारों करोड़ के घोटाले करके हमारी सेना को कमजोर किया। उन्होंने विपक्ष पर हमला करते हुए कहा कि ये वही लोग हैं, जो चाहते थे कि भारतीय वायुसेना को कभी आधुनिक लड़ाकू विमान न मिले। ये वही लोग हैं, जिन्होंने तेजस लड़ाकू विमान को खत्म करने की तैयारी कर ली थी। सच्चाई यह है कि अग्निपथ योजना देश को मजबूत करेगी।

अखिलेश ने फिर केशव पर कसा तंज,लगता है डबल इंजन वालों के बीच में एक और इंजन आ गया है

लखनऊ, संवाददाता। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य दिल्ली की वाई-फाई के पासवर्ड हैं। उन्होंने केशव को मोहरा बताते हुए कहा कि आप (मीडिया) बस दिल्ली के वाईफाई पासवर्ड का खेल देखिए। प्रदेश सपा मुख्यालय पर शुक्रवार को आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने भाजपा के अंदरूनी मतभेदों को लेकर चल रहीं चर्चाओं पर निशाना साधा। इसके अलावा अखिलेश यादव ने एक्स पर कहा कि लगता है डबल इंजन वालों के बीच में एक और इंजन आ गया है, जो दिल्ली लखनऊ के बीच शंटिंग करता है। ऐसा लग रहा है कि दो राजधानियों के बीच कोई इंटर सिटी आवागमन सेवा चल रही है। अखिलेश से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की समीक्षा बैठक में केशव के न आने के संबंधित सवाल पूछा गया था। अखिलेश ने जवाब में कहा कि ऐसा इसलिए है कि कुछ लोग मोहरा बन गए है। उन्होंने कहा कि केशव आरक्षण को लेकर उत्तर प्रदेश शासन को इसलिए पत्र लिख रहे हैं क्योंकि वे दोनों पालों में रहने का प्रयास कर रहे हैं। ताकि, इधर भी बदनाम न हों और उधर भी काम चलता रहे। उन्होंने कहा कि अपने मानसून ऑफर 100 लाओ-सरकार बनाओ को विंटर सीजन (शीतकाल) तक विस्तारित करेंगे।

एमएसपी कानून बनाने से सरकार का इनकार किसानों के साथ विश्वासघातः कांग्रेस

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने कहा है कि कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने संसद में किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) कानून नहीं बनाने का ऐलान कर दिया है और यह मोदी सरकार का किसानों के साथ बहुत बड़ा धोखा है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने शुक्रवार को यहां संसद भवन परिसर में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मोदी सरकार किसानों के लिए एमएसपी कानून नहीं बना रही है और इसकी घोषणा श्री चौहान ने संसद में स्पष्ट रूप से कर दी है। उन्होंने इसे भाजपा की किसान विरोधी मानसिकता का परिणाम बताया और कहा कि उसकी यह मानसिकता आज उस समय सदन में देखने का मिली जब कृषि मंत्री ने किसानों के लिए एमएसपी कानून बनाने से साफ इंकार कर दिया। यह वही कृषि मंत्री हैं, जिन्होंने मंदरसौर में किसानों के खून से होली खेली थी। कांग्रेस नेता ने आज के दिन को किसानों के लिए काला दिन करार दिया और कहा कि सरकार ने किसानों के लिए एमएसपी कानून बनाने से साफ इनकार कर देश के अन्नदाता के साथ धोखा किया है। उन्होंने कहा कि सरकार अपने वादे से पीछे हटी है और जिसने भी किसानों के साथ अन्याय किया है, वह आगे नहीं बढ़ सकता है।

ममता ने बंगाल, बिहार, झारखंड और असम को बांटने की कोशिश का आरोप लगाया

कोलकाता, एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो एवं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल, असम, बिहार और झारखंड को बांटने की कोशिश की जा रही है तथा वह शनिवार को नयी दिल्ली में आयोजित नीति आयोग की बैठक में इस विभाजनकारी रवैये का विरोध करेंगी। राष्ट्रीय राजधानी रवाना होने से पूर्व सुश्री बनर्जी ने अपने भतीजे एवं पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी के साथ यहां संवाददाताओं से कहा , फ़हालिया केंद्रीय बजट भेदभावपूर्ण और पूरी तरह से राजनीतिक रूप से पक्षपाती है, जिसमें विपक्षी दलशासित राज्यों को वंचित किया गया है। मैं नीति आयोग की बैठक में पश्चिम बंगाल के साथ किये जा रहे।

अग्निपथ योजना के लिए सेना से नहीं ली गई सलाहः मल्लिकार्जुन खड़गे

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अग्निपथ योजना को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर देश को गुमराह करने का शुक्रवार को आरोप लगाया और कहा कि उन्होंने योजना को लागू करने से पहले सेना से सलाह नहीं ली है। श्री खड़गे ने आज यहां कहा कि योजना को मनमाने तरीके से लागू किया गया है और इसको लेकर पहले किसी से मशविरा नहीं किया गया है। उन्होंने योजना को युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ बताया और कहा कि इससे उनका भविष्य चौपट हो रहा है इसलिए इसको लेकर देश के युवाओं में गुस्सा है। योजना का चारों तरफ इसका विरोध हो रहा है इसलिए सरकार को इसे तुरंत वापस लेना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखा मोदी जी कह रहे हैं कि सेना के कहने पर उनकी सरकार ने अग्निपथ योजना लागू की थी, ये सरासर झूठ है और पराक्रमी सेना का अक्षम्य अपमान है। मोदी जी, साफ़-साफ़ झूठ और भ्रम फ़ैला रहें हैं। श्री खड़गे ने पूर्व सेना अध्यक्ष का जिक्र करते हुए कहा पूर्व सेनाध्यक्ष (सेवानिवृत्त) जनरल एमएम नरवणे जी ने रेकॉर्ड पर कहा है कि 'अग्निपथ' योजना में चार वर्षों की सेवा के बाद 75 प्रतिशत लोगों को रखना था और 25 प्रतिशत लोगों को सेवानिवृत्त करना था। पर मोदी सरकार ने इससे उल्टा किया और ये योजना तीनों सैन्य बलों में जबरदस्ती लागू कर दी।

नहीं थम रहा ट्रेनों के पटरी से उतरने का मामला

नयी दिल्ली, एजेंसी। ओडिशा के भुवनेश्वर रेलवे स्टेशन के पास शुक्रवार सुबह अंगुल जा रही एक मालगाड़ी के दो डिब्बे पटरी से उतर गए। इस मामले में ईस्ट कोस्ट रेलवे के डिविजनल रेलवे मैनेजर (डीआरएम) एचएस बाजवा ने कहा कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। फिलहाल एक डिब्बे को पहले ही पटरी पर लाया जा चुका है और दूसरे डिब्बे को भी जल्द ही पटरी पर लाया जाएगा। डिविजनल रेलवे मैनेजर एचएस बाजवा ने बताया कि चूंकि ट्रेन बहुत धीमी गति से चल रही थी, इस वजह से इसमें किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है।

विधेयक मंजूरी में कथित देरी पर सुप्रीम कोर्ट करेगा विचार, नोटिस जारी किया

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने केरल और पश्चिम बंगाल के राज्यपालों पर विधेयकों को मंजूरी देने में कथित देरी का आरोप लगाने वाली दोनों राज्य सरकारों की याचिकाओं पर संबंधित राज्यपालों के अतिरिक्त मुख्य सचिवों को शुक्रवार को नोटिस जारी कर उन्हें तीन सप्ताह के भीतर विस्तृत जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने आज दोनों राज्य सरकारों की संक्षिप्त दलीलें सुनने के बाद याचिकाओं पर विचार करने का फैसला करते हुए यह आदेश पारित किया। केरल और पश्चिम बंगाल सरकारों ने कई विधेयकों को महीनों तक लंबित रखने, या तो उन्हें मंजूरी देने से इनकार करने या राष्ट्रपति के विचार के लिए आरक्षित रखने के दोनों राज्यपालों के फैसले को चुनौती देते हुए अलग-अलग याचिकाएं दायर की हैं।

एमपी-यूपी और छत्तीसगढ़ में भी अग्निवीरों को आरक्षण

पुलिस, पीएसी-फॉरेस्ट गार्ड भर्ती में छूट मिलेगी, हरियाणा-उत्तराखंड पहले ही 10 प्रतिशत रिजर्वेशन का ऐलान कर चुके

भोपाल/लखनऊ, एजेंसी। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ सरकार ने सेना के अग्निवीरों को राज्य पुलिस की भर्ती में आरक्षण देने की घोषणा की है। कारगिल विजय के 25 साल पूरे होने पर तीनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने इसकी घोषणा की है। हालांकि आरक्षण कितना मिलेगा, इसकी जानकारी नहीं दी गई। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शुक्रवार को कहा कि अग्निवीर जब सेना में सेवा के बाद वापस आएंगे तो उन्हें राज्य पुलिस और फॉरेस्ट गार्ड की भर्ती में आरक्षण के साथ छूट दी जाएगी। दो साल पहले केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भी बीएसएफ, सीआरपीएफ, आईटीबीपी, एसएसबी, और सीआईएसएफ में अग्निवीरों को 10 प्रतिशत आरक्षण देने की घोषणा की थी। वहीं हरियाणा और उत्तराखंड सरकार भी अग्निवीरों को 10 प्रतिशत आरक्षण देने का फैसला कर चुकी हैं। सेना में अग्निपथ योजना के जरिए अग्निवीरों की भर्ती को लेकर केंद्र सरकार और विपक्ष के बीच टकराव चल रहा है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इसे बंद करने की मांग की है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी कहा कि इंडिया गठबंधन की सरकार में इस योजना को बंद कर दिया जाएगा। सरकार ने 2022 में अग्निपथ स्कीम लॉन्च की थी। इसके तहत आर्मी, नेवी और एयर फोर्स में चार साल के लिए नौजवानों को कॉन्ट्रैक्ट पर भर्ती किया जाता है। 4 साल में छह महीने की ट्रेनिंग भी शामिल है। चार साल बाद अग्निवीरों को उनकी कार्यक्षमता के आधार पर रेटिंग दी जाएगी। इसी मेरिट के आधार पर 25 प्रतिशत अग्निवीरों को परमानेंट सर्विस में लिया जाएगा। बाकी लोग वापस सिविल दुनिया में आ जाएंगे। इस स्कीम में ऑफिसर रैंक के नीचे के सैनिकों की भर्ती होगी।

आज 18 राज्यों में अलर्ट | **सूरत में 1 लाख लोग प्रभावित**

पुणे में 57 साल बाद 114 एमएम बारिश, गुजरात के 10 जिलों में बाढ़

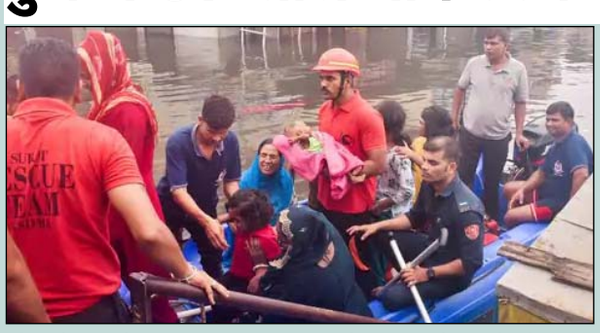

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र के कई जिलों में तेज बारिश के कारण बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। राज्य के 18 जगहों पर एनडीआरएफ और मुंबई, ठाणे, रायगढ़, पालघर, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग, सातारा और सांगली में एसडीआरएफ की तैनाती की गई है। पुणे में 24 घंटे में 114 मिमी बारिश हुई। यह 66 साल में तीसरा हाईएस्ट रहा। इससे पहले 19 जुलाई 1958 को 24 घंटे में 130.4 मिमी और 27 जुलाई 1967 को 117.9 मिमी बारिश दर्ज की गई थी। यहां आज भी रेड अलर्ट जारी किया गया है। स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है। इसके अलावा रायगढ़ और रत्नागिरी में मुंबई यूनिवर्सिटी के कॉलेजों में परीक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं। उधर, गुजरात में तेज बारिश के कारण नदियां उफान पर हैं। यहां 10 से ज्यादा जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। सूरत में 24 घंटे में 5 इंच बारिश से मीठी और काकरा खाड़ी नदियां ओवरफ्लो हो रही हैं। यहां बाढ़ से करीब 1 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। वहीं, 955 लोगों को सुरक्षित जगहों पर शिफ्ट किया गया है। इसके अलावा, दिल्ली में देर रात और सुबह तेज बारिश हुई। इससे सड़कों पर पानी भर गया। मुख्य मार्गों में जाम की स्थिति भी देखने को मिली। मौसम विभाग ने आज 18 राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। उत्तराखंड के मदमहेश्वर मंदिर के निकट भारी बारिश और भूस्खलन के कारण 50 श्रद्धालु और स्थानीय लोग फंस गए।

एमपी-यूपी में भी बाढ़ जैसे हालात

मध्य प्रदेश- मौसम विभाग ने आज बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। सतना में 9 घंटे में 88 मिमी, तो रतलाम में 80 मिमी बारिश हो गई। टीकमगढ़ में धसान नदी का जलस्तर बढ़ने से 24 जुलाई की रात बान सुजारा बांध के सभी 12 गेट खोलकर 480 क्यूसेक पानी छोड़ा गया।
उत्तर प्रदेश- ललितपुर में बारिश से बाढ़ जैसे हालात हैं। गोविंद सागर बांध के 16 गेट खोल दिए गए। सड़कें तालाब बन गई हैं। बिजराव का पुल टूटने से 12 गांवों का संपर्क कट गया है। बिजनौर में पीली नदी पार करते समय 3 सगे भाई बह गए। प्रयागराज के निरंजन डॉट पुल के नीचे कमर तक पानी भर गया है। मुरादाबाद में बारिश के चलते कई इलाकों में 4 फीट पानी भर गया। सड़कों पर नाव चल रही है।

वैक्सीन द्वारा सर्वाइकल कैंसर से रोकथाम संभव : डा. सौम्या गुप्ता

तीसरा विकल्प न्यूज़ – संवाददाता
लखनऊ

लखनऊ – शुक्रवार को गुरु नानक विद्यालय गर्ल्स इंटर कॉलेज आलमबाग के सभागार में अजंता हॉस्पिटल के विशेषज्ञों द्वारा महिलाओं में होने वाले सर्वाइकल कैंसर के रोकथाम और उसके लिए लगाई जाने वाली वैक्सीन के बारे में समस्त छात्राओं से जानकारी साझा कर उन्हे जागरूक किया गया। इस कार्यक्रम में अजंता हॉस्पिटल की स्त्री रोग कैंसर विशेषज्ञ डा. सौम्या गुप्ता ने उपस्थित छात्राओं और शिक्षकों को सर्वाइकल कैंसर के रोकथाम के मूलमंत्र बताए।उन्होंने बताया कि इस कैंसर से बचाव संभव है, अगर समय पर वैक्सीन लगवाई जाए।इस बारे में जितनी भी जागरूकता संभव हो की जाए ताकि हर बच्ची को इस कैंसर से मुक्ति मिल जाए। कार्यक्रम में विशेषज्ञ डाक्टर ने छात्राओं के प्रश्नों के उत्तर दिए। कार्यक्रम का संचालन चीफ जनरल मैनेजर के. एस. एबॉट ने किया। एक्सपर्ट का अभिनंदन और धन्यवाद ज्ञापन कॉलेज की प्रधानाचार्य श्रीमती मंजीत कौर ने प्रस्तुत किया। एचपीवी संक्रमण से होता है गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर मानव पेपिलोमावायरस (एचपीवी) के उच्च जोखिम वाले प्रकारों के साथ लंबे समय तक चलने वाला (लगातार) संक्रमण लगभग सभी गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर का कारण बनता है। दो उच्च जोखिम वाले प्रकार, एचपीवी 16 और एचपीवी 18, दुनिया भर में 70त्न गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर का कारण बनते हैं। लगभग सभी लोग जो यौन रूप से सक्रिय हैं, वे अपने जीवन में किसी न किसी समय एचपीवी से संक्रमित हो ही जाते हैं। अधिकांश एचपीवी संक्रमण एक या दो साल के भीतर अपने आप ठीक हो जाते हैं क्योंकि प्रतिरक्षा प्रणाली संक्रमण को नियंत्रित करती है। ये अल्पकालिक संक्रमण कैंसर का कारण नहीं बनते हैं। जब उच्च जोखिम वाला एचपीवी संक्रमण वर्षों तक रहता है, तो यह गर्भाशय ग्रीवा की कोशिकाओं में परिवर्तन ला सकता है, जिसके परिणामस्वरूप कैंसर से पहले का घाव हो सकता है। यदि कैंसर से पहले का घाव नहीं पाया जाता है और उसे हटाया नहीं जाता है, तो यह अंततः गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर में विकसित हो सकता है। जो लोग कम उम्र में, विशेष रूप से 18 वर्ष की आयु से पहले यौन रूप से सक्रिय हो जाते हैं, या जिनके कई यौन साथी होते हैं, उनमें एचपीवी के उच्च जोखिम वाले प्रकार से संक्रमित होने की संभावना अधिक होती है।

हरिहरगंज न्यू बस स्टैंड स्थित अरविंद स्वीट्स एण्ड स्नैक्स का हुआ उद्घाटन

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो झारखंड

हरिहरगंज झारखंड - न्यू बस स्टैंड समीप मेन रोड एनएच - 139 किनारे अरविंद स्वीट्स एण्ड स्नैक्स का उद्घाटन स्वीट्स के प्रो के माता मंजू कंवर ने शुक्रवार को विद्युत पूजा अर्चना के बाद फीता काटकर किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने कहा कि हरिहरगंज बाजार क्षेत्र में ऐसे स्वीट्स (होटल) की जरूरत थी। जो लोगों की अपेक्षाओं को पूरा कर सके। प्रोपराइटर अरविंद प्रसाद ने कहा कि शादी समारोह, बर्थडे पार्टी के लिए लोग संपर्क कर अपनी जरूरत के हिसाब से केक, बरगर,चाऊमीन,पनीर चिली, ढोसा , मंचूरियन, कॉफी के अलावा कई वैरायटी के स्वीट्स को खरीद सकते हैं। वही कई समाजसेवियों ने कहा कि प्रखंड वासियों को शादी समारोह, जन्मदिन के अवसर पर सभी क्वालिटी के स्वीट्स की खरीदारी यहां कर सकते हैं। मौके पर प्रमोद कुमार रवि, सनी गुप्ता, अशोक यादव, फंटूश गुप्ता, गुड्डू गुप्ता, मुन्ना गुप्ता, बिट्टू कुमार, राज गुप्ता, बंटी कुमार, लकी कुमार, जितेंद्र यादव, पिंटू यादव,राजेंद्र यादव, रवींद्र प्रसाद सहित कई मौजूद थे।

किस्को में नव पदस्थापित सीओ अजय कुमार ने लिया पदभार

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो झारखंड

लोहरदगा झारखंड - किस्को में नव पदस्थापित अंचल अधिकारी अजय कुमार ने शुक्रवार को प्रखण्ड विकास पदाधिकारी सह प्रभारी अंचल अधिकारी से पदभार ग्रहण किया गया। इस दौरान निवर्तमान प्रभारी सीओ द्वारा नये सीओ को स्वागत कर पदभार दिया। वहीं सीओ ने कहा कि लोगों की राजस्व से जुड़ी समस्या का समाधान करना पहली प्राथमिकता होगी। किस्को अंचल के ग्रामीण सभी तरह की समस्या कार्यालय पहुंचकर कार्यालय अवधि में रख सकते हैं। वहीं निवर्तमान प्रभारी सीओ ने अंचल के कार्य में सहयोग करने पर अंचल कर्मियों का आभार व्यक्त किया। हालांकि अंचल अधिकारी का पद अतिरिक्त प्रभार में चलने के कारण लोगों की राजस्व से जुड़ी समस्या को समाधान कराने हेतु लोगों को महीना दिन तक अंचल का दौड़ लगाना पड़ जा रहा था। मौके पर सीआई प्रदीप कुजूर, कर्मचारी राजेंद्र यादव, समीर मिंज, अमीन नौशाद अंसारी, अनुसेवक शमीम अंसारी, ऑपरेटर इम्तियाज अंसारी, निगार अंसारी, अंचल कर्मी आदि उपस्थित थे।

रेलवे सुरक्षा बल के अधिकारियों ने सुरक्षित यात्रा करने के उद्देश्य से विद्यालय के छात्र छात्राओं सहित प्रधानों को किया जागरूक

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता
राकेश पाण्डेय

सीतापुर - जनपद में विद्यालय के छात्र छात्राओं सहित ग्राम प्रधानों को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट सीतापुर के अधिकारियों ने ट्रेनों में सुरक्षित यात्रा को लेकर विद्यालय में जाकर जागरण अभियान चलाकर उन्हें जागृत किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार रेलवे के मण्डल सुरक्षा आयुक्त लखनऊ के आदेश पर सहायक सुरक्षा आयुक्त के निर्देशन में रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट सीतापुर के प्रभारी निरीक्षक ने चलती ट्रेन में पत्थरबाजी करने,क्रासिंग गेट पर दोनों तरफ देखकर लाइन पार करना,महिला विकलांग कोच में यात्रा न करना,कोच के पायदान व गेट पर खड़े होकर यात्रा न करना आदि सुरक्षित यात्रा के नियमों के बारे में स्टडीवेल स्कूल सीतापुर में क्लास लगाकर विद्यालय के छात्र छात्राओं सहित कुछ ग्राम प्रधानों को भी जागरण अभियान के तहत जागरूक किया। इस अवसर पर सहायक उप निरीक्षक अशोक कुमार मिश्र सहित सीतापुर खण्ड में सीतापुर से हरगांव तक जन जागरण अभियान चलाया गया।मिश्र ने बताया कि इसका सभी विद्यालयों में व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है जो निरंतर चलता रहेगा।

किसान उत्पादक समूह गठन एवं क्रियान्वयन से संबंधित समीक्षा बैठक हुई

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

चाईबासा झारखंड - पश्चिमी सिंहभूम जिला समाहरणालय स्थित सभागार में जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त के निर्देशानुसार उप विकास आयुक्त संदीप कुमार मीणा के अध्यक्षता तथा सहायक समाहर्ता अर्णव मिश्रा, जिला कृषि पदाधिकारी कालीपद महतो, नाबार्ड डीडीएम साकेत कुमार सहित अन्य जिलास्तरीय पदाधिकारी की मौजूदगी में जिला अंतर्गत केंद्र संचालित योजना किसान उत्पादक समूह गठन एवं क्रियान्वयन से संबंधित समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। समीक्षा के दौरान जिला के 18 प्रखंड क्षेत्र में कार्य कर रहे 18 गैर सरकारी संगठन के प्रतिनिधियों से प्रखंडवार अब तक संपादित किए गए कार्यों की प्रगति का जायजा लिया गया। किसान उत्पादक समूह गठन का मुख्य उद्देश्य है कि जिले के किसानों को उत्पादक समूह के माध्यम से थोक भाव के दर पर बीज, खाद, कीटनाशक आदि की उपलब्धता सुनिश्चित किया जा सके। बैठक में उप विकास आयुक्त के द्वारा किसान उत्पादक समूह को विभिन्न लाइसेंस उपलब्ध करवाने जैसे मंडी लाइसेंस, बीज लाइसेंस, कीटनाशक लाइसेंस, फर्टिलाइजर लाइसेंस, जीएसटी, क्वालिटी टेस्टिंग लाइसेंस तथा उत्पाद का प्रचार प्रसार के लिए ओ.एन.डी.सी (ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स) के तहत मार्केटिंग लाइसेंस हेतु प्राप्त हो रहे आवेदनों तथा उसके निष्पादन के कार्यों का भी जायजा लिया गया। उन्होंने बताया कि वर्तमान में जारी अभियान के तहत 3 महीने के भीतर सभी गठित उत्पादक समूह का लाइसेंस आच्छादन की प्रक्रिया को पूर्ण करना है। इस निमित्त बैठक में निर्देशित किया गया कि प्रखंड क्षेत्र में कार्य कर रहे सभी चयनित एजेंसी अपने स्तर से उत्पादक समूह का आवेदन यथाशीघ्र प्राप्त करें तथा जिन क्षेत्रों में किसान उत्पादक समूह क्रियाशील नहीं है, वहां यथाशीघ्र समूह का गठन एवं क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

गांव के दबंगो ने चक मार्ग पर किया अवैध कब्जा

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर - जिले की मिश्रिख कोतवाली क्षेत्र के ग्राम फुलरुवा निवासी अंकित कुमार पुत्र बिंदेश्वर ने जिला अधिकारी को एक शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया है,कि गांव में सार्वजनिक चक मार्ग गाटा संख्या 34 रकबा 0.040 हेक्टेयर स्थित है । गांव के ही निवासी श्रीकांत उमाकांत पुत्र गण नरेश प्रसाद प्रतीक पुत्र श्रीकांत,दिव्यांश पुत्र उमाकांत ने उपरोक्त चक मार्क को जोतकर अपने खेतों में मिल लिया था।जिससे अन्य किसानों का रास्ता बंद हो गया था। उत्पन्न हुई समस्या के समाधान के लिए सभी किसानों ने उपजिलाधिकारी से मिल कर शिकायत करके चक मार्ग को कब्जा मुक्त कराए जाने की मांग की थी। नागरिकों की शिकायत को संज्ञान में लेकर उप जिला अधिकारी मिश्रिख ने राजस्व कर्मियों को समस्या समाधान के निर्देश दिए उप जिला अधिकारी के निर्देश पर राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर चक मार्ग को कब्जा मुक्त कराकर ग्राम प्रधान को कच्ची सड़क पटाने का निर्देश दिया था। तहसील प्रशासन से प्राप्त निर्देश के बाद ग्राम प्रधान ने उपरोक्त चक मार्क पर कच्ची सड़क का पटान भी करा दिया। लोगों का आरोप है कि आरोपी इतने दबंग हैं, कि उन्होंने कच्ची सड़क को पुनः जोत कर अपने खेतों में मिला लिया जिससे पड़ोसी किसानों का आम रास्ता फिर से बंद हो गया है,और पुनः समस्या उत्पन्न हो गई।पड़ोसी किसान जब इस बात का विरोध करते हैं । तो आरोपी जान माल की धमकी देते हुए आमांदा फौजदारी हो जाते हैं। मामले से पीड़ित व्यक्तियों ने जिला अधिकारी को शिकायती पत्र देकर अवरुद्ध चक मार्ग को पुनः कब्जा मुक्त कराए जाने की मांग की है।

सभापति बनाये जाने पर समर्थकों में खुशी की लहर

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर - उत्तर प्रदेश विधान परिषद की वित्तीय एवं प्रशासकीय विलंब समिति के सभापति के रूप में पवन सिंह चौहान को नियुक्त किया गया है। इस पर समर्थकों ने हर्ष व्यक्त किया। सदस्य विधान परिषद पवन सिंह चौहान ने विभिन्न समितियों में सदस्य के रूप में कुशलता के साथ ज़िम्मेदारियों का निर्वहन किया है साथ ही उन्होंने विभिन्न विषयों एवं प्रदेश के नागरिकों की सुविधा और सुरक्षा हेतु सराहनीय कार्य किया है। वित्तीय एवं प्रशासकीय विलम्ब समिति के सभापति के रूप में वो प्रदेश के वित्तीय मुद्दों का बेहतर समाधान कर सकेंगे। प्रधान जनक कुमारी सिंह, सत्य प्रकाश सिंह,राघवेंद्र सिंह देवेश सिंह,त्रिभुवन सिंह जगत पाल सिंह,अनुज सिंह राठौर,उपेंद्र सिंह राठौर ,भगनू राजवंशी,सहित समर्थकों ने हर्ष व्यक्त किया।

उत्पाद विभाग ने अकौनी गांव में 4 अवैध महुआ शराब भट्टी को किया ध्वस्त

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो झारखंड

झारखंड - उत्पाद विभाग ने अवैध शराब बिक्री के खिलाफ शुक्रवार को पथरा ओपी पुलिस के सहयोग से छापेमारी अभियान चलाया। उत्पाद अवर निरीक्षक देवीलाल सोरेन, अनूप प्रकाश ने बताया कि हरिहरगंज थाना क्षेत्र के पथरा ओपी अंतर्गत अकौनी गांव में छापेमारी अभियान चलाकर गांव समीप जंगली क्षेत्र में चल रहे चार अवैध महुआ शराब भट्टीयो को ध्वस्त किया गया। जबकि 20 किंटल जावा महुआ को नष्ट किया गया। साथ ही शराब बनाने के उपकरण को भी नष्ट किया गया। वही 40 लीटर महुआ से निर्मित शराब को जप्त किया गया है। शराब कारोबारी सूचनाओं मिलते ही मौके से फरार हो गए। छापेमारी अभियान पथरा ओपी प्रभारी मंटू कुमार के नेतृत्व में चलाया गया। छापेमारी अभियान में पुलिस के कई जवान शामिल थे।

हल्ला बोल,पोल खोल के दौरान जदयू ने पूर्वी टुंडी प्रखंड कार्यालय में प्रदर्शन किया

तीसरा विकल्प न्यूज़ – ब्यूरो

धनबाद – पूर्वी टुंडी में जदयू पार्टी एवं यूथ फोर्स संगठन आयोजित पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत भ्रष्टाचार और सरकारी योजनाओं में हो रही लुट – खसोट के विरुद्ध पूर्व 卐हल्ला बोल, पोल खोल卐 कार्यक्रम कर पूर्वी टुंडी प्रखंड कार्यालय में प्रदर्शन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जदयू प्रदेश महासचिव सह यूथ फोर्स के प्रधान संयोजक दीप नारायण सिंह और जदयू धनबाद जिलाध्यक्ष पिंटू कुमार सिंह उपस्थित हुए। इस दौरान हजारों की संख्या में जदयू एवं यूथ फोर्स के नेता, कार्यकर्ता और समर्थक कार्यक्रम में शामिल हो कर भ्रष्टाचार के विरुद्ध अपना रोष प्रदर्शन किया। कार्यक्रम से पूर्व कार्यकर्ताओ ने लटानी मोड़ से जुलूस के शक्ल पूर्वी टुंडी प्रखंड कार्यालय के लिए निकलें और भ्रष्टाचार और गरीबों के लिए चलाई जा रही सरकारी योजनाओं में हो रही लुट – खसोट के विरुद्ध नारा लगाते हुए प्रखंड कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया। इस दौरान उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए दीप नारायण सिंह ने कहा कि जदयू पार्टी द्वारा राज्यव्यापी कार्यक्रम के तहत आज पुर्वी टुंडी प्रखंड कार्यालय में 卐हल्ला-बोल,पोल-खोल卐 कार्यक्रम हो रहा है। पूर्वी टुंडी प्रखंड में लुट – खसोट मचा हुआ है । गरीबों का कोई काम नहीं हो रहा है, लोग परेशान हैं। अबुआ आवास, दाखिल – खारिज, पेंशन,आय, आवासीय, जाति प्रमाण पत्र, आदि गरीबों के लिए चलाई जा रही योजनाओं में लुट मची हुई है।जरुरतमंद लोगों को परेशानीयों का

सामना करना पड़ रहा है। जनता पस्त है और यहां के स्थानीय विधायक लुट – खसोट में व्यस्त है। जदयू पार्टी भ्रष्टाचार और परिवारवाद विरोधी पार्टी है। जनता को अधिकार मिले, इसके लिए जदयू पार्टी और यूथ फोर्स संगठन संघर्ष कर रही है। श्री सिंह ने चेतावनी देते हुए कहा कि भ्रष्ट अधिकारी गरीबों का खुन चुसना बंद करें। अधिकारी और कर्मचारी ईमानदारी से गांव – गरीब, शोषित – पीड़ीत, छात्र – नौजवान, मजदूर – किसान भाइयों का काम समय पर नियमानुसार करें, और गरीब लोगों के काम में कोई अगर-मगर कर लोगों को परेशान करने का प्रयास नहीं करें, अन्यथा भ्रष्ट अधिकारी और कर्मचारी कार्रवाई के लिए तैयार रहें।जदयू जिलाध्यक्ष पिंटू कुमार सिंह ने कहा कि अगर कोई गरीब , मजदूर, किसान,छात्र , नौजवान,महिलाओं का हक – अधिकार को छिनने का प्रयास किया तो जदयू पार्टी के कार्यकर्ता कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। अगर जरूरत पड़ी तो आंदोलन को ओर धारदार किया जाएगा। इस दौरान प्रतिनिधि मंडल ने 37 सूत्री मांगपत्र सौंपा और मांगपत्र पर तत्काल अमल करने की बात कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता जदयू युवा प्रकोष्ठ पूर्वी टुंडी प्रखंड गुड्डू सिंह और संचालन सुरज कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से महानगर अध्यक्ष धनलाल दुबे,जदयू नेता सह पूर्व जिला परिषद सदस्य सहदेव प्रसाद सिंह,जदयू महिला प्रकोष्ठ प्रदेश सचिव बिन्दु देवी, जदयू अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ जिला महासचिव अशोक कुमार दास, जदयू धनबाद जिला महासचिव दीपक कुमार महतो, जदयू अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष इम्तियाज खान,युवा अध्यक्ष पूर्वी गुड्डू सिंह , दिनेश राय , सुनील रजक ,सहदेव भंडारी ,विनोद महतो ,विनोद राय , उत्तम रजवार ,गौतम पांडेय , अभिराम मुर्मू,सरिता देवी,कुसुम देवी,सुबल दास, नेपाल सिंह,बलराम राय, सुकुमानी देवी ,जीतन दास ,आदि हजारों कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

किशोरों की समस्या को पहचान कर उसका निराकरण करने में सहिया की भूमिका अहमः अशोक ओड़ेया

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

लोहरदगा /किस्को /झारखंड - सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सभागार में स्वास्थ्य विभाग एवं सेन्टर फॉर कैटालाइजिंग चेंज के सयुंक्त तत्वाधान में एक दिवसीय उन्मुखीकरण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें सहिया को राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम, किशोरावस्था का महत्व, किशोरों से जुडी समस्या, समाधान, सेवा प्रदाता की भूमिका आदि विषय पर

जानकारी दी गई। उन्मुखीकरण कार्यक्रम का उद्घाटन प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी अशोक कुमार ओड़ेया, प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक चंद्र किशोर मानकी एवं अकाउंट्स मैनेजर उपेंद्र कुमार के द्वारा किया गया। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने कहा बैठक के माध्यम से किशोरों एवं किशोरियों की समस्या की पहचान करें। आज के किशोर जानकारी के अभाव में कम उम्र में विवाह कर रहें है। नशा पान में लिप्त हो रहे है और एक जोखिम भरी जिन्दगी जी रहें है। सभी सहिया इन सभी विषयों में किशोरों को जागरूक करें। जिससे किशोर एवं किशोरियां बेहतर जिन्दगी की ओर बढ़ें। सेंटर फॉर कैटलाइजिंग चेंज के कार्यक्रम पदाधिकारी दीपक कुमार के द्वारा उपस्थित सहिया को किशोरावस्था के महत्व, इनसे जुडी समस्या, चुनौती एवं एक सेवा प्रदाता के रूप में इस समस्या के समाधान में सहिया की भूमिका पर विस्तृत जानकारी दी गई। इस उन्मुखीकरण कार्यक्रम में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक, राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के बी.टी.टी, युवा मैत्री केंद्र के परामर्शदाता एवं सहिया शामिल रही। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सेंटर फॉर कैटालाइजिंग चेंज के रंजन कुमार एवं नंदलाल उरांव का महत्वपूर्ण योगदान रहा द्य

खबर का असर, एस आर बी फैक्ट्री मे जांच करने पहुंचा तहसील प्रशासन,हो सकती है बडी कार्यवाही

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर - जिले की लहरपुर तहसील क्षेत्र के रमना में स्थित फैक्ट्री मामले मे नया मोड़ आ गया है। फैक्ट्री मालिक अपनी आदत से तो बाज आ नहीं रहा खुलेआम किसानों की फसल को जहरीले प्रदूषण से बर्बाद करना यहां तक की फैक्ट्री मे किसानों के खेतो मे डालने वाली यूरिया का काफी मात्रा मे उपयोग करना तो माने एक आम बात है कुल मिला कर देखा जाये तो एस आर बी फैक्ट्री मालिक रमना क्षेत्र किसानों सहित किसानों की उपजाऊ जमीन खत्म करने पर लगा है कई बार खबरों का प्रकाशन होने पर तहसील प्रशासन आखिर जग उठा। मौके पर पहुंचे क्षेत्रीय लेख पाल ने गंभीरता से जांच की जिसकी रिपोर्ट भी लेखपाल ने आगे की कार्यवाही के लिए उच्च अधिकारियों को भेज दी अब सवाल यह है कि लेखपाल की रिपोर्ट क्या कहती है यह बात अग्रिम कार्यवाही से साफ हो जाएगी।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम की तैयारियों के निमित्त हुई बैठक

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो
झारखंड

चाईबासा झारखंड - पश्चिमी सिंहभूम जिला समाहरणालय स्थित सभागार में जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त कुलदीप चौधरी एवं पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर के संयुक्त अध्यक्षता में आगामी 15 अगस्त 2024 को 78 वां स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला में आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रम की तैयारियों के निमित्त बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में बताया गया कि जिला अंतर्गत आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रम का आयोजन पुलिस लाइन केंद्र-चाईबासा में गणमान्य जनों की मौजूदगी पर किया जाएगा। मुख्य कार्यक्रम स्थल पुलिस लाइन में पूर्वाह्न 9:05 बजे, तदुपरांत सिंहभूम प्रमंडलीय आयुक्त कार्यालय, जिला समाहरणालय सहित जिले के समस्त कार्यालय, सदर अनुमंडल कार्यालय, जिला परिषद कार्यालय एवं रेड क्रॉस सोसाइटी परिसर में झंडोत्तोलन किया जाएगा। बैठक उपरांत उपायुक्त के द्वारा बताया गया कि जिले में पूरे हर्षोल्लास के साथ स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन किया जाना है, इस निमित्त जिले में मौजूद सभी शहीद स्मारकों और महापुरुषों के प्रतिमाओं की साफ-सफाई एवं उस पर माल्यार्पण, समाहरणालय में सेल्फी स्थल, क्षेत्र में साफ-सफाई तथा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विभिन्न समाजिक संस्था को रक्तदान/स्वास्थ्य/नशामुक्ति जागरूकता शिविर आयोजित कराने को लेकर दिशा-निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा मुख्य समारोह स्थल पर सभी आगंतुकों सहित मीडिया व आमजन आदि के बैठने हेतु बेहतर व्यवस्था करने, शहर में विभिन्न स्थानों पर तोरण द्वार का निर्माण करने सहित स्थल पर बेहतर एवं उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के तदर्थ कई अन्य बिंदुओं पर भी संलग्न पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया है। उक्त बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी, परियोजना निदेशक-आईटीडीए, सहायक समाहर्ता, प्रभारी पदाधिकारी सामान्य शाखा, नजारत शाखा, पुलिस उपाधीक्षक(मुख्यालय), जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सहित अन्य जिलास्तरीय पदाधिकारी व पुलिस पदाधिकारी उपस्थित रहे।

शिक्षा का अधिकार और इसका प्रभावशाली कार्यान्वयन पश्चिमी सिंहभूम जिला का दृष्टिकोण

तीसरा विकल्प न्यूज़ – ब्यूरो
झारखंड

चाईबासा झारखंड – सार्वजनिक शिक्षा का अधिकार (आरटीई) कानून के तहत कमजोर वर्गों के छात्रों के लिए निजी/गैर अनुदानित विद्यालयों में उनके प्रवेश कक्षा के कुल क्षमता के 25त्न सीटों पर समाज के अभिवंचित तथा कमजोर वर्ग के बच्चों के नामांकन हेतु 25त्न आरक्षण प्रदान किया गया है। जिसका मुख्य उद्देश्य है कि समाज के कमजोर वर्ग के बच्चों को भी अच्छी गुणवत्ता वाली शिक्षा प्राप्त हो सके। पश्चिमी सिंहभूम जिले में इस कानून का प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए एक नया और उन्नत आरटीई डैशबोर्ड विकसित किया गया है, जो तकनीकी उपायों का उपयोग करके सामाजिक रूप से पिछड़े बच्चों को उनके पसंदीदा निजी स्कूलों में प्रवेश दिलाने में मदद करता है। दूरी- विद्यार्थी का निवास स्थान इच्छित स्कूल से 6 किलोमीटर की सीमा के भीतर होना चाहिए। पते के प्रमाण के रूप में आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, रोजगार कार्ड, राशन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस और बिजली बिल मान्य होंगे। आय- छात्रों के परिवार की वार्षिक आय 72,000 रुपये या उससे कम होनी चाहिए। आय प्रमाण पत्र आवश्यक होगा। कमजोर और अभिवंचित वर्ग- आरटीई के तहत निःशुल्क शिक्षा प्राप्त करने वाले बच्चे कमजोर और वंचित समूहों से होने चाहिए। जैसे- अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग। सामान्य वर्ग के तहत वैसे बच्चे जिनके परिवार का सकल श्रोतों से वार्षिक आय ?72000/- या उससे कम हो। उम्र- नर्सरी या एलकेजी कक्षा में प्रवेश के लिए दिनांक 31.03.2024 को उम्र 3.5 से 4.5 वर्ष होनी चाहिए और कक्षा 1 में प्रवेश के लिए उम्र 5.5 से 7 वर्ष होनी चाहिए। निवास- छात्र का निवास स्थान पश्चिमी सिंहभूम जिला होना चाहिए। यदि छात्र इस जिला का निवासी नहीं है, तो वह अपने जिले में आवेदन कर सकता है। जाति- अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, ओबीसी(क्रीमी या नॉन-क्रीमी), अल्पसंख्यक या अन्य पिछड़े वर्ग के विद्यार्थी झारखंड सरकार के आरटीई कानून के तहत लाभ प्राप्त कर सकते हैं। विकलांगता- अगर विद्यार्थी की विकलांगता 40त्न या उससे अधिक है, तो उसे आरटीई कानून के तहत विशेष लाभ प्राप्त होंगे। अनाथ/एकल माता-पिता- यदि विद्यार्थी अनाथ है या एकल माता-पिता के तहत रह रहा है, तो उसे आरटीई कानून के तहत विशेष लाभ प्राप्त होंगे। पारदर्शिता- पोर्टल छात्रों, स्कूलों और डीएसई कार्यालय के बीच पूरी पारदर्शिता प्रदान करता है। वास्तविक समय निगरानी- सभी आवेदनों, आवंटन प्रक्रिया और स्कूलों से प्रवेश सूचनाओं की निगरानी एक ही प्लेटफार्म पर की जाती है। कम खाली सीटें- पोर्टल के माध्यम से अधिक छात्रों का प्रवेश संभव हो पाया है, जिससे आरटीई पश्चिमी सिंहभूम के तहत प्रवेश में वृद्धि हुई है। कम समय और संसाधन- सिस्ट्म जनरेटेड प्राथमिकता और आवंटन के माध्यम से छात्रों को तेजी से और कम संसाधनों के साथ प्रवेश दिया जाता है। भविष्य की योजनाएं- दस्तावेजों का सत्यापन- संबंधित विभागों को दस्तावेजों, जैसे- आय प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र, पीएच प्रमाण पत्र आदि की सत्यापन के लिए अलग से लॉगिन प्रदान किया जाएगा। आरटीई छात्र उपस्थिति प्रणाली- स्कूल डैशबोर्ड पर छात्रों की मासिक उपस्थिति अपलोड करने की सुविधा होगी, जिससे प्रशासन छात्र की उपस्थिति को आसानी से ट्रैक कर सकेगा। गैर-निवारण प्रणाली- प्रवेश प्राप्त करने वाले छात्रों को स्कूल से बाहर निकालने या छोड़ने की स्थिति में पूरी ट्रैकिंग और शिकायत निवारण प्रणाली की व्यवस्था की जाएगी। पश्चिमी सिंहभूम में आरटीई पोर्टल का प्रबंधन एक विशाल और सक्रिय प्रक्रिया है, जिसे बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इस पोर्टल को खोलने हेतु http://jepwestsinghb-hum.in टाईप किया जाना है। आवेदक के उम्र की गणना तथा उसके सकल वार्षिक पारिवारिक आय की गणना दिनांक 31.03.2024 के आधार पर की जाएगी एवं सभी प्रमाण पत्र सक्षम प्राधिकार के द्वारा निर्गत की गई हो। *नामांकन हेतु यह पोर्टल दिनांक 26.07.2024 से दिनांक 12.08.2024 तक खुला रहेगा। सभी अभ्यर्थी इसी समय के भीतर अपना नामांकन हेतु ऑनलाईन आवेदन कर सकेंगे।

नैक कार्यशाला : बीबीएयू के कुलपति बोले–विश्वविद्यालय आंकड़ें दुरुस्त रखें तभी दूर होंगी मूल्यांकन की चुनौतियां

❑ कार्यशाला में शामिल हुए नो राज्यों के कुलपति नैक की नयी मूल्यांकन प्रणाली की दी गई जानकारी

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ - बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में शुक्रवार को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) की क्षेत्रीय सलाहकार कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें 9 राज्यों से कुलपति, आईक्यूएसी डायरेक्टर, प्रधानाचार्य और शिक्षा अधिकारियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एनएमपी वर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालयों को नियमित रूप से अपने आंकड़ों को एकत्रित एवं व्यवस्थित करते रहना चाहिए, जिससे मूल्यांकन के समय आने वाली चुनौतियों को दूर किया जा सके। साथ ही किसी भी राष्ट्र के सामाजिक और आर्थिक विकास के ढांचे को मजबूत करने में उच्च शिक्षा का अहम योगदान है। नैक की नयी मूल्यांकन प्रणाली में इस बात को ध्यान में रखकर तय की गयी है। उच्च शिक्षा को अंतर्राष्ट्रीय मान्यता दिलाने में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति मददगार राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद के चेयरमैन प्रो. अनिल सहस्रबुद्धे ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) उच्च शिक्षा को अन्तर्राष्ट्रीय मान्यता दिलाने में मदद करेगी। एनईपी भारत में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव का मार्ग प्रशस्त करेगी। हमारे पाठ्यक्रम और मूल्यांकन प्रक्रिया में इन मूल्यों को ध्यान में रखकर एक मजबूत शिक्षा प्रणाली के माध्यम से विकास सुनिश्चित किया जा सकता है। प्रस्तावित सुधार विकसित भारत 2047 के आधार पर हुए तैयार नैक के डायरेक्टर प्रो. गणेशन कन्नाबिरन ने मूल्यांकन की नयी प्रणाली का विवरण देते हुए कहा कि प्रस्तावित सुधार विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण को प्राप्त करने के आधार पर तैयार किए गए हैं। मूल्यांकन का नया ढांचा व्यवसाय करने में आसानी और सिस्टम में विश्वास का प्रतीक है, जो कि बिना किसी डर या अवरोध के मान्यता के लिए स्व- निर्देशित प्रेरणा को सक्षम बनाता है। शिक्षा प्रणाली में मूल्यांकन के लिए बदलाव जरूरी नैक सदस्य प्रो. शुचिता पाण्डेय ने कहा कि शिक्षा प्रणाली में मूल्यांकन के लिए बदलाव की जरूरत है। जिससे उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को गंभीरता से लेते हुए विभिन्न विश्वविद्यालय एवं शिक्षण संस्थान मूल्यांकन की प्रक्रिया में आगे आये। आगामी 5 वर्षों में देश के 90 प्रतिशत छोटे-बड़े शिक्षण संस्थानों को नैक मूल्यांकन प्रक्रिया में शामिल करना ही इस नये फ्रेमवर्क का उद्देश्य है। स्वयं शिक्षण संस्थानों पर भी शिक्षा का स्तर बढ़ाने का जिम्मा नैक के डिप्टी एडवाइजर डॉ. प्रशांत पी. परहाद ने बताया कि नैक विभिन्न राज्यों के उच्च शिक्षा विभागों और परिषदों के साथ मिलकर कार्यशालाओं का आयोजन कर रहा है। जिससे विभिन्न राज्यों से आये कुलपति, प्रधानाचार्य नैक की आसान कार्य प्रणाली से अवगत हो और इस विषय को गंभीरता से लें। क्योंकि शिक्षा के स्तर को बढ़ाने का कार्य सरकार के साथ साथ स्वयं शिक्षण संस्थानों पर भी निर्भर करता है। तीन तकनीकी सत्र का हुआ आयोजन कार्यशाला में तीन तकनीकी सत्र का आयोजन किया गया। प्रथम तकनीकी सत्र में नैक के डायरेक्टर प्रो. गणेशन कन्नाबिरन ने बाइनरी प्रत्यायन ढांचा पर विस्तृत चर्चा की। इसके बाद दूसरे सत्र में नैक मूल्यांकन से संबंधित मीट्रिक और माप विषय के बारे में बताया गया। अंतिम सत्र में पैनल चर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में चण्डीगढ़, दिल्ली, हरियाणा, हिमांचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख़, पंजाब, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश राज्यों के कुलपति, आईक्यूएसी डॉयरेक्टर, प्रधानाचार्य, शिक्षा अधिकारी उपस्थित रहें।

एन्टी भू माफिया अभियान में ज़िला प्रशासन की कार्यवाही

➩ 05 करोड़ 33 लाख 23 हजार 5 सौ मूल्य की 4.4145 हेक्टेयर भूमि को कराया गया कब्जा मुक्त

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ - जिलाधिकारी सूर्य पाल गंगवार द्वारा बताया गया कि जनपद में सरकारी भूमि से अवैध अतिक्रमण हटाने का सघन अभियान चलाया जा रहा है। जिसके क्रम में आज मोहनलालगंज तहसील, तहसील सरोजनीनगर, तहसील मलिहाबाद, तहसील बीकेटी व तहसील सदर की सरकारी भूमि जो कि अभिलेखों में नवीन परती/बंजर/ऊसर/चारागाह/तालाब आदि की श्रेणी में अंकित है से अवैध अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया गया। उक्त अभियान में उपजिलाधिकारी मोहनलालगंज, उप जिलाधिकारी मलिहाबाद, उप जिलाधिकारी सरोजनीनगर, उप जिलाधिकारी बीकेटी, उप जिलाधिकारी सदर व राजस्व विभाग टीम ने प्रतिभाग किया। उक्त अभियान में तहसील सरोजनीनगर के अन्तर्गत ग्राम कल्ली पश्चिम में ऊसर के रूप में दर्ज भूमि जिसका कुल रकबा 3.749है. और बाजार मूल्य 4 करोड़ 55 लाख 28 हजार है पर से अवैध कब्जा हटाया गया। इसी प्रकार तहसील मलिहाबाद के ग्राम गोस्वौरा के चकमार्ग भूमि जिसका रकबा 0.0845है पर से जिसका बाजार मूल्य 4 लाख 22 हजार 5 सौ है पर किये गए अतिक्रमण को हटवाते हुए अवमुक्त कराया गया। तहसील मोहनलालगंज के ग्राम पूरनपुर में भूमि रकबा 0.0890है जिसका बाजार मूल्य 4 लाख 45 हजार है पर अवैध अतिक्रमण को ध्वस्त करते हुए अवमुक्त कराई गई। तहसील बीकेटी के ग्राम पैकरा मऊ की बंजर में दर्ज भूमि जिसका कुल रकबा 0.379 है जिसका बाजार मूल्य 45 लाख 48 हजार है पर अवैध अतिक्रमण को ध्वस्त करते हुए अवमुक्त कराई गई। तहसील सदर के ग्राम सैथा में ग्राम समाज में दर्ज भूमि जिसका कुल रकबा 0.068 है. जिसका बाजार मूल्य 23 लाख 80 हजार है पर से अवैध अतिक्रमण को ध्वस्त करते हुए अवमुक्त कराई गई। इस प्रकार राजस्व टीम द्वारा कुल 4.415 हेक्टेयर जमीन पर अवैध निर्माणों को ध्वस्त करते हुए कुल 5 करोड़ 33 लाख 23 हजार 5 सौ रुपये मूल्य की भूमि को कब्जामुक्त कराया गया। जिलाधिकारी द्वारा बताया गया कि शासकीय भूमियों पर किसी भी प्रकार के अतिक्रमण को बर्दाश्त नही किया जाएगा। उक्त अभियान निरंतर जारी रहेगा।

खालसा इंटर कॉलेज के एनसीसी कैडेट्स ने शहीदों को नमन करते हुए मनाया कारगिल विजय दिवस

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ - गुरुद्वारा नाका हिंडोला स्थित खालसा इंटर कॉलेज में एन सी सी कैडेट्स द्वारा कारगिल युद्ध के शहीदों को शत् शत् नमन करते हुए कारगिल विजय दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य सरदार वीरेंद्र सिंह ने बताया कि कारगिल विजय दिवस स्वतंत्र भारत के सभी देशवासियों के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण दिवस है। भारत में प्रत्येक वर्ष 26 जुलाई को यह दिवस मनाया जाता है। इस दिन भारत और पाकिस्तान की सेनाओं के बीच वर्ष 1999 में कारगिल युद्ध हुआ था, जो लगभग 60 दिनों तक चला और 26 जुलाई के दिन उसका अंत हुआ, इसमें भारत विजय हुआ विद्यालय के उप प्रधानाचार्य नीरज श्रीवास्तव ने बताया कि कारगिल विजय दिवस, युद्ध में शहीद हुए भारतीय जवानों के सम्मान हेतु मनाया जाता है। कार्यक्रम में मौजूद जन समाज सेवा संस्था लखनऊ के अध्यक्ष स. रनजीत सिंह ने अवगत कराया कि घुसपैठियों के नियोजित रणनीति के बारे में जब भारतीय सेना को पता चला, भारतीय सेना को एहसास हो गया कि हमले की योजना बहुत बड़े पैमाने पर की गयी है। इसके बाद भारत सरकार ने ऑपरेशन विजय नाम से 2,00,000 सैनिकों को कारगिल क्षेत्र मे भेजा,यह युद्ध 26 जुलाई 1999 को समाप्त हुआ। इस युद्ध के दौरान 527 सैनिकों ने अपने जीवन का बलिदान दिया और 1400 के करीब घायल हुए थे, आज का दिन हर भारतीय के लिए बड़े ही गर्व का दिन है। जिसके लिए बहुत बड़ी शहादत देकर देश के वीर जवानों ने कारगिल युद्ध की विजय हमारी झोली में डाली है, देश की शान देश का मान वीर सपूतों को शत शत नमन। इस कार्यक्रम में शिक्षक वी.के. श्रीवास्तव, जीपी तिवारी, जसपाल सिंह, गुरमीत कौर ,अलका राय, डॉ. रूबी त्रिपाठी, श्रीमती गायत्री ओझा, गुरदीप सिंह ,अखिलेश कुमार, अमर सिंह इत्यादि शामिल हुए।

रितिक पांडेय की हत्या के मामले में हत्यारोपियों की गिरफ्तारी करने के साथ ही पीड़ित परिवार को सुरक्षा देने की मांग

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर लखनऊ - बंथरा में बीते दिनों दबंगों द्वारा लाठी डंडे से पीट कर की गई रितिक पांडेय (20) की हत्या का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। घटना में शामिल नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से जहां मृतक के परिजनों में दहशत बढ़ती जा रही है। वहीं लोगों में पुलिस के प्रति नाराजगी भी कम नहीं हो रही है। इस घटना को लेकर गुरुवार को अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के अलावा अन्य संगठनों के सैकड़ो लोगों ने आरोपियों को गिरफ्तार करने में पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए बंथरा थाने में जमकर हंगामा प्रदर्शन और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की थी। बाद में कैंडल मार्च निकाला। इसके अलावा बुधवार व गुरुवार को सपा सहित अन्य संगठनों के लोगों ने मृतक के घर पहुंच कर उनके परिजनों को सांत्वना दी। जबकि शुक्रवार को प्रयागराज से पहुंचे वैदिक सेना के प्रमुख श्याम नारायण भार्गव के नेतृत्व में संगठन के प्रयागराज गंगा पार अध्यक्ष नरेंद्र मिश्रा, जमुना पार अध्यक्ष कुलदीप तिवारी, महामंत्री दयाशंकर मिश्र, राम नारायण मिश्रा, कृष्णा मिश्रा व अभय राज सिंह आदि ने मृतक के परिजनों को सांत्वना दी। साथ ही वैदिक सेना द्वारा मुख्यमंत्री को पत्र भेज कर हत्यारोपियों की गिरफ्तारी करने के साथ ही पीड़ित परिवार को सुरक्षा देने की मांग की है। इसी तरह ब्राह्मण परिवार के केंद्रीय अध्यक्ष शिव शंकर अवस्थी ने राजधानी के पुलिस कमिश्नर को पत्र भेजकर नामजद अभियुक्तों की तत्काल गिरफ्तारी और उनके हथियार जप्त कर लाइसेंस निरस्त करने के अलावा आरोपियों द्वारा अवैध रूप से अर्जित की गई संपत्ति सील करने के साथ ही पीड़ित परिवार को पूर्ण कालिक सुरक्षा देने की मांग की है। वैदिक सेना और ब्राह्मण परिवार के पदाधिकारियों का कहना है कि आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से जहां क्षेत्र की आम जनता में आक्रोश व्याप्त है, वहीं पीड़ित परिवार काफी दहशत में है।

रितिक पांडेय हत्या कांड में 6 दिन बाद भी पुलिस के हाथ खाली

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर लखनऊ - बंथरा में बीते दिनों रितिक पांडेय (20) की पीट-पीटकर की गई हत्या के मामले में 6 दिन बाद भी पुलिस किसी नामजद आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस की पाँच टीमें लगातार आसपास जिलों की खाक छान रही हैं। पुलिस टीमें आरोपियों की रिश्तेदारी और दोस्तों के अलावा उनके संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी कर रही हैं। लेकिन नामजद आरोपियों में से अब तक एक भी आरोपी का पुलिस को सुराग नहीं मिल सका है। उधर सूत्रों का कहना है कि सभी आरोपी पुलिस के बजाय न्यायालय में सरेंडर करने की कोशिश में लगे हैं। बताते चलें कि बंथरा गांव में शनिवार दोपहर एबीसी विद्युत केबिल जलने से गांव के करीब ढाई सौ घरों की विद्युत सप्लाई ठप हो गई थी। तमाम शिकायतों के बाद जब गहरु पावर हाउस कर्मी रविवार रात करीब 9 बजे खराबी दूर करने के लिए जुटे थे। तभी गांव के कुछ दबंगों ने उसे ठीक नहीं करने दिया। इसी को लेकर दो पक्षों में विवाद हुआ और बाद में मोहल्ले के ही अवनीश, हिमांशु सिंह, प्रियांशु, प्रत्यूश, सनी सिंह और करीब 10 अन्य लोगों ने इंद्र कुमार पांडेय के घर में घुसकर उनके बेटे हितेश उर्फ रितिक पांडेय (20), अभिषेक उर्फ रमन पांडेय और नौकर मैकू रावत की लाठी डंडे से पिटाई कर दी थी। जिसमें बुरी तरह घायल रितिक पांडेय की कुछ देर बाद मौत हो गई। इस मामले में मृतक के पिता इंद्र कुमार पांडेय ने उक्त आरोपियों के खिलाफ बंथरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। वहीं घटना में लापरवाही बरतने पर थाने के दो दरोगा और एक सिपाही के अलावा बंथरा थाना प्रभारी को भी निलंबित किया जा चुका है।

समाचार

प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत अभियान की उड़ती धज्जियां

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ - कश्मीरी मोहल्ला वार्ड जॉन 6 के अंतर्गत एक हफ्ता से पूर्व ना तो नालियों की सफाई हुई है और ना ही अभी तक किसी तरह का कोई कचरा उठाया गया है हालत यह है कि दरगाह हज़रत अब्बास के गेट के सामने कचरा भर गया है इस संबंध में नगर निगम कर्मचारियों से लेकर क्षेत्रीय पार्षद तक से कई बार वार्ता की गई लेकिन ना तो उन्होंने अब तक कचरा उतरवाया और ना ही उठाने का कोई आश्वासन दिया इससे स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री जी की योजना कि खुलेआम धज्जियाँ उड़ाई जा रही हैं! नगर निगम के कर्मचारियों द्वारा इस तरह की लापरवाही तस्वीर खुद बयां कर रही हैं! कश्मीरी मोहल्ला वार्ड जॉन 6 का मामला!

सिविल डिफेंस गोमती नगर वार्डन द्वारा कारगिल विजय दिवस पर वीर शहीद जवानों को श्रद्धासुमन अर्पित

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ - कारगिल विजय दिवस पर गोमती नगर सिविल डिफेंस वार्डन द्वारा कैप्टन मनोज पांडे चौक पर कारगिल वीर शहीद जवानों को श्रद्धासुमन अर्पित किया गया गोमती नगर ,सिविल डिफेंस वार्डन द्वार मोमबत्ती जलाकर पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किया उक्त अवसर पर सिविल डिफेंस गोमती नगर ,वार्डन - नफीस अहमद, वारिस अली खान, शाहिद, आशीष कुमार, शाजिया सिद्दीकी, पिंटू वर्मा, मोहम्मद अलीम, पी मिश्रा, सज्जन,आदि वार्डन स्थापित रहे

मारपीट व जान से मारने की धमकी देने की रिपोर्ट दर्ज

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर लखनऊ - बंथरा के पुराही खेड़ा निवासी भगोती प्रसाद ने अपने बेटे राजेश और राजेश की बेटी प्रिया के खिलाफ गाली गलौज, मारपीट व जान से मारने की धमकी देने की बंथरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। भगोती का कहना है कि राजेश आए दिन शराब पीकर घर आता है और गाली देने के साथ ही उसे मारता पीटता है। भगोती का आरोप है कि राजेश की बेटी धमकी देती है कि उसके पास बहुत आदमी हैं और उन्हीं से दादी व बाबा को मरवा देगी। भगोती ने आरोप लगाया है कि राजेश व उसकी बेटी ने मिलकर शुक्रवार को पीड़ित और उसकी पत्नी को लाठी डंडों से मारा। साथ ही जान से मारने की धमकी भी दी। फिलहाल बंथरा पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

एक पेड़ मां के नाम तथा पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ卐 के अन्तर्गत वृक्षारोपण

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ - %एक पेड़ मां के नाम% तथा %पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ% के अ न त ग ´ त गोमतीनगर विवेक खण्ड 3×4 जनकल्याण समिति के द्वारा विवेक खण्ड 4 स्थित अभिषेक मेमोरियल पार्क में वृक्षारोपण किया गया। समिति की महिलाओं के द्वारा सबसे पहले तुलसी का पौधा रोपा तथा अन्त में मेंहदी का पौधा लगाया। इस अवसर पर फल, फूल, बेल, मीठी नीम, आदि के पौधे लगाए गए। वृक्षारोपण में समिति के पदाधिकारियों के साथ नागरिकों ने भी बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। 卐कारगिल विजय दिवस卐 के अवसर पर उपस्थित सभी नागरिकों ने युद्ध में शहीद हुए जवानों के पराक्रम को याद करते हुए नमन किया तथा उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। पर्यावरण संरक्षण हेतु गोमतीनगर विवेक खण्ड 3×4 जनकल्याण समिति के तत्वावधान में दैनिक भास्कर के शिव शंकर मिश्रा के द्वारा उपस्थित सभी महानुभावों को प्लास्टिक के उत्पादों का प्रयोग न करने की अपील की गई तथा सभी से अनुरोध किया गया कि जब भी बाजार जायें, अपने साथ एक कपड़े, कागज या कोई भी थैला अवश्य रखें क्योंकि प्लास्टिक कभी भी नष्ट नहीं होती है। प्लास्टिक का प्रयोग अत्यंत घातक है। कूड़े में पड़ी प्लास्टिक को पशु, गाय आदि खा जाते हैं जो उनकी मृत्यु का कारण भी बनते हैं। इसी उद्देश्य से उपस्थित सभी महानुभावों को जूट के बैग वितरित किए गए। इस अवसर पर गोमतीनगर विवेक खण्ड 3और4 जनकल्याण समिति के सचिव रूप कुमार शर्मा, संगठन सचिव सुब्रत रॉय, कोषाध्यक्ष विनोद कुमार पाण्डेय, सदस्य डॉ. जे. पी. मिश्रा, मनोज कुमार बोस, हरीश चंद्र गुप्ता, संतोष कुमार श्रीवास्तव, आलोक मिश्रा, एस एस चौहान, अशोक जायसवाल, एस के सक्सेना, वी. के. लाल, डॉ. पी. के. वार्ष्णेय, के. के. भल्ला, बाल गोविन्द पालीवाल, मीरा श्रीवास्तव, नीता सेठ, रेखा शर्मा, गीता, मंजू, रश्मि निगम, मंजू जैन, रेखा चौहान, सुनीता अरोड़ा, वीना भल्ला के साथ अन्य क्षेत्रीय गणमान्य नागरिक उपस्थित भी थे। उक्त जानकारी श्री रूप कुमार शर्मा सचिव गोमतीनगर विवेक खण्ड 3/ 4 जनकल्याण समिति, लखनऊ के माध्यम उपलब्ध कराई गयी ।

बिना एस्टीमेट के 16 केवीए विद्युत ट्रांसफार्मर से अवैध तरीके से दिए गए दो विद्युत कनेक्शन

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर लखनऊ - सरोजनीनगर में नादरगंज पावर हाउस से जुड़े गोल्डन सिटी कालोनी, अलीनगर सुनहरा में बिना एस्टीमेट के 16 केवीए विद्युत ट्रांसफार्मर से दो खम्भों तक एबीसी केबिल की विद्युत लाइन बनाकर अवैध तरीके से दो विद्युत कनेक्शन देने का मामला सामने आया है। विभागीय सूत्रों के माने तो गोल्डन सिटी कॉलोनी में रजनीश अवस्थी ने वर्ष 2023 में 2 किलोवाट कामर्शियल कनेक्शन लिया था। जिसके लिए वहां पर 11 हजार वोल्टेज विद्युत लाइन में 16 केवीए का विद्युत ट्रांसफार्मर लगाकर रजनीश को विद्युत विभाग द्वारा कनेक्शन दिया गया। लेकिन कुछ दिनों बाद ट्रांसफार्मर से कुछ दूर रहने वाली नसरीन बानो और सईदा खातून ने अपने प्लाट पर मकान का निर्माण कराने के लिए नादरगंज पावर हाउस अधिकारियों से टेंपरेरी विद्युत कनेक्शन की मांग की। सूत्र बताते हैं कि इस पर पावर हाउस के संबंधित अधिकारियों /कर्मचारियों ने मिलकर दोनों उपभोक्ताओं से मोटी रकम लेकर उन्हें बिना एस्टीमेट के ही एलटी लाइन बनाकर कनेक्शन दे दिया। इसमें से सईदा खातून ने बाद में परमानेंट कनेक्शन करा लिया। यह दोनों कनेक्शन 16 केवीए विद्युत ट्रांसफार्मर से दो खम्भों तक सिंगल फेस की एबीसी लाइन बनाकर दे दिए गए। विभागीय जानकारों की माने तो ट्रांसफार्मर से 40 मीटर के बाद अधिक दूरी होने पर एलटी लाइन बनाकर ही विद्युत कनेक्शन देने का नियम है। वह भी पहले एलटी लाइन का एस्टीमेट बनाकर उपभोक्ता से उसका भुगतान जमा कराने के बाद उक्त लाईन बनाने का नियम है। लेकिन सूत्रों का कहना है कि इसमें से 16 केवीए विद्युत ट्रांसफार्मर से करीब 50 मीटर दूर एक उपभोक्ता को और ट्रांसफार्मर से करीब 100 मीटर दूर दूसरे उपभोक्ता को बिना एस्टीमेट के ही इस हाई वोल्टेज लाइन के खम्भों में एबीसी केबल के जरिए सिंगल फेस की लाइन बनाकर दो-दो किलो वाट के विद्युत कनेक्शन दे दिए गए। इस संबंध में नादरगंज एसडीओ आरसी यादव का कहना है कि बिना एस्टीमेट के लाइन बनना संभव नहीं है। लेकिन फिर भी इसकी जांच कराई जाएगी।

बिजली के करंट की चपेट में आकर दो गायों की मौत

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर लखनऊ - सरोजनीनगर में बिजली विभाग की लापरवाही के चलते शुक्रवार को विद्युत करंट की चपेट में आकर दो आवारा गायों की मौत हो गई। लोगों के मुताबिक सूचना देने के लिए कई बार नादरगंज पावर हाउस पर फोन किया गया। लेकिन फोन नहीं रिसीव हुआ। बताते चलें कि नादरगंज पावर हाउस से पोषित 11 हजार वोल्टेज विद्युत लाइन में स्कूटर इण्डिया चौराहे के पास ट्रैफिक पुलिस बूथ के पीछे ट्रांसफार्मर रखा है। बीते दिनों इस ट्रांसफार्मर में आई खराबी को विद्युत कर्मियों ने ठीक किया। लेकिन लापरवाही पूर्ण तरीके से हुए कार्य की वजह से ट्रांसफार्मर में लगे केबिल के जरिए अगल-बगल लगी लोहे की जाली में करंट उतर आया। शुक्रवार सुबह करीब 5:30 बजे दो छुट्टा गाय घूमते घूमते ट्रांसफार्मर के पास पहुंची तो लोहे की जाल में उतर रही विद्युत करंट की चपेट में आ गई। जिससे कुछ ही पल में उनकी तड़प तड़प कर मौत हो गई। हालाकि स्थानीय लोगों की माने तो घटना के दौरान कई बार नादरगंज पावर हाउस पर सूचना देने की कोशिश की गई, लेकिन वहां का फोन नहीं रिसीव हुआ। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर समय पर फोन रिसीव हो गया होता तो पावर हाउस से विद्युत सप्लाई बंद कर दी जाती और दोनों गायों की जान बच गई होती। आरोप है कि करीब 2 घंटे बाद विद्युत कर्मियों का फोन रिसीव हुआ। इसके बाद जानकारी मिलने पर विद्युत सप्लाई ठप कर पहुंचे विद्युत कर्मियों ने दोनों गायों को अलग किया। उधर बाद में सूचना पाकर पहुंची नगर निगम टीम दोनों गायों के शवों को उठा ले गयी। फिलहाल विद्युत कर्मियों की लापरवाही को लेकर स्थानीय लोगों में काफी रोष व्याप्त है।

ई-कामर्स व्यापार करने की आधुनिक विधा है: संजय गुप्ता

➤ उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल की उतरेठिया इकाई के तत्वावधान में आयोजित हुआ क्षेत्रीय व्यापारी सम्मेलन

तीसरा विकल्प न्यूज़ – संवाददाता लखनऊ

लखनऊ – उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा कि ई–कॉमर्स व्यापार करने की आधुनिक विधा है। देश की जनता एवं युवाओं ने इसे अपना लिया है। परंपरागत व्यापारियों को भी ई–कॉमर्स पर अपने व्यापार को लाना होगा। यह बात शुक्रवार को संगठन के उतरेठिया इकाई के तत्वावधान में रायबरेली रोड के एक गेस्ट हाउस में आयोजित क्षेत्रीय व्यापारी सम्मेलन में कही। उन्होंने कहा अपने व्यापार को बढ़ाने के लिए व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम एवं अपनी वेबसाइट बनाकर अपने प्रतिष्ठान एवं उत्पाद को उस पर प्रदर्शित करें। उन्होंने कहा वर्तमान युग डाटा का युग है। अपने ग्राहकों का एक डाटा बैंक तैयार करें तथा अपने व्यापार को बढ़ाने के लिए उस डाटा बैंक का प्रयोग करें । सम्मेलन की अध्यक्षता उतरेठिया बाजार के अध्यक्ष क्षितिज अवस्थी ने की क्षेत्रीय व्यापारी सम्मेलन में व्यापारियों ने अपनी बाजारों की अतिक्रमण, विद्युत विभाग, शौचालय और पार्किंग से संबंधित विषय प्रमुखता से उठाएं तथा ई–कॉमर्स से व्यापार प्रभावित होने का मुद्दा गर्म जोशी से उठाया। नगर अध्यक्ष हरजिन्दर सिंह ने कहा व्यापारियों की समस्याओं के समाधान के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेंगे। सम्मेलन में 25 नए व्यापारियों को प्रदेश अध्यक्ष ने संगठन की सदस्यता दिलाई। सदस्यता लेने वाले व्यापारियों में प्रमुख रूप से ऋषि मिश्रा, पवन पाठक, प्रेम प्रकाश खरे, संतोष सिंह, विनय जायसवाल, अरविंदर कौर, आयुष मिश्रा, ऋषभ यादव, पूनम मिश्रा मुकुल सिंह आदि शामिल थे। इसके अलावा कार्यक्रम में विद्युत विभाग के जेई पीसी यादव और जलकल विभाग के जेई अमरेन्द्र प्रताप सिंह भी मौजूद रहे।

नगरनिगम कर्मचारी बेलगाम राम भरोसे स्वच्छ भारत अभियान

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ - एक ओर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार समीक्षा बैठके कर लगातार प्रशासन को जमीन पर आम जन के हितार्थ कार्य करने हेतु निर्देश जारी कर रहे हैं, तो वही दूसरी ओर उत्तर प्रदेश का नाकारा प्रशासन लगातार मुख्यमंत्री के निर्देशो की अवहेलना कर आम जन को प्रताडित कर रहा है ।राजधानी लखनऊ के पुराने क्षेत्रों से नगरनिगम, जलकल विभाग, तथा मार्ग प्रकाश विभाग लगातार सौतेला बर्ताव कर रहा है जिसके चलते आम जन का जीवन नर्कीय तो हो ही रहा है, साथ ही सूबे की सरकार भी बदनाम हो रही है । मशकगंज वजीरगंज वार्ड के मोहल्ला मशकगंज मे बहते भरे सीवर एक अर्से से समस्या बने हुए है, सीवर का पानी मकानो की निंव मे भर रहा है, जिसके कारण मकान धंस रहे हैं, इसी क्षेत्र तथा इसके आस पास के क्षेत्रों मे नलो से गंदा बदबूदार पानी कभी भी भयंकर संक्रमण का रूप ले सकता है, इस मुहल्ले की अनेको स्ट्रीट लाइटें खराब पडी हैं, गलियों मे छुट्टा दुधारू जानवर बच्चो महिलाओं के लिए आए दिन समस्या बन रहे हैं, बार बार संबंधित विभागो मे शिकायत की जा रही है, अनेको समाचार पत्रों मे इस आशय की खबरें भी छपती रही हैं, किन्तु क्या मजाल जो राजधानी के नाकारा प्रशासन के कान पर जूं भी रेंगी हो । भरे हुए सीवरो के लिए जलकल विभाग के सुपरवाइज़र अभिलाष को मोबाइल नम्बर-- पर लगातार सूचना दी जाती रही है, किन्तु कभी कभार खपच्ची चलवाकर वो अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर लेता है समसया जस की तस बनी रहती है । अंधेरे मे डूबी गलियो की शिकायत बार बार करने पर भी जब समस्या का निदान न हुआ तो क्षेत्रीय लोगो ने एक पत्रकार के माध्यम से अधिकारी एस विक्रम सिंह के मोबाइल नम्बर- 8887952299 पर की, विक्रम साहब ने मोबाइल पर व्हाटस्एप के माधयम से समस्या बताने को कहा, जहां फोटो सहित अवगत कराया गया, किन्तु चार दिन बाद तक व्हाटस्एप देखा ही नही गया । इसी प्रकार नलो से गंदा पानी आने की शिकायत जोन 2 के अधिकारी राजेश कुमार के नम्बर- 8177054021 पर करने की कोशिश की किन्तु दसयो बार फोन करने पर एक बार भी फोन रिसीव नही हुआ, हारकर बडे साहब के नम्बर 8177054020 पर की तो दो दिन पानी साफ आया, मगर फिर वही हाल गंदे पानी की सप्लाई शुरू हो गयी । इस सबसे तो यही साबित होता है कि लखनऊ प्रशासन जानबूझ कर नाकारा लोगों को विभागो मे भरे है जिससे की प्रदेश की सरकार बदनाम हो ।

स्कूटी सवार महिला की मौत के मामले में पति ने दूध टैंकर चालक के खिलाफ दर्ज कराई रिपोर्ट

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर लखनऊ - सरोजनीनगर में तीन दिन पहले हुई स्कूटी सवार महिला की मौत के मामले में मृतका के पति ने दूध टैंकर चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। बताते चलें कि बीती 24 जुलाई को दोपहर सरोजनीनगर के कंचनपुरी कॉलोनी निवासी नीरज चौधरी की पत्नी प्रिया (30) पास के ही शांति नगर स्थित एक निजी स्कूलों में प्ले ग्रुप की छात्रा व अपनी 5 वर्षीया मासूम बेटी निष्ठा को स्कूल में छुट्टी होने के बाद लेने गई थी। वह स्कूटी से अपनी बेटी को लेकर वापस लौट रही थी। तभी सरोजनीनगर थाने के पास हज हाउस के सामने पीछे से आ रहे तेज रफ्तार दूध टैंकर ने उसकी स्कूटी में ठोकर मार दी थी। हादसे में प्रिया की मौत हो गई थी। इस मामले में नीरज चौधरी ने दूध टैंकर (एचआर 38 यू 6239) के चालक पर काफी तेजी व लापरवाही से वाहन चलाकर ठोकर मारने की सरोजनीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर टैंकर नंबर के आधार पर उसके चालक का पता लगा रही है।

प्रदेश में प्लास्टिक पॉलिथीन के नाम पर व्यापारियों का उत्पीड़न न हो -संदीप बंसल

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ - अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल, राष्ट्रीय मंत्री प्रदीप अग्रवाल, प्रदेश अध्यक्ष रिपन कंसल, प्रदेश प्रवक्ता सुरेश छाबलानी, संगठन मंत्री जावेद बेग, युवा प्रदेश महामंत्री आकाश गौतम ने कहा की उत्तर प्रदेश में प्लास्टिक पॉलिथीन के नाम पर अधिकारियों ने एक बार फिर से व्यापारी का उत्पीड़न शुरू करने का प्रयास किया है। प्रदेश के महाराजगंज सुलतानपुर सहित तमाम जनपदों से इसको लेकर शिकायतें आ रही हैं कि वहां पर जगह-जगह अधिकारी दुकानों पर पहुंचकर ?5000 का चालान कर रहे हैं अथवा दुकानदारों से रिश्वत की मांग कर रहे हैं योगी जी की सरकार में जहां व्यापारियों के सम्मान के लिए लगातार निर्णय हो रहे हैं। अधिकारियों के इस कार्यवाही से व्यापारियों के बीच में नाराजगी और आक्रोश व्याप्त है सीधे प्लास्टिक का उत्पादन बंद कर दिया जाए ताकि किसी भी स्तर पर व्यापारी प्लास्टिक बिक्री ही ना कर सके।

केन्द्रीय बजट 2024-25 में आम आदमी के लिए बहुत कम प्रावधान

नन्तू बनर्जी

वार्षिक सरकारी बजट पूरी तरह से व्यय और उसकी दिशा के बारे में है। आम तौर पर कर और गैर-कर राजस्व और व्यय का ध्यान रखने के लिए उधार के माध्यम से आय उत्पन्न होती है। प्रायरू व्यय भाग में सात मुख्य पहलू शामिल होते हैं -सरकार की अपनी रखरखाव लागत, रक्षा, स्वास्थ्य सेवा, सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा, बुजुर्गों की देखभाल और ऋण सेवा। यहां तक कि चीन की केंद्रीकृत अर्थव्यवस्था में भी, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुजुर्गों की देखभाल को उसके वार्षिक बजट व्यय में विशेष ध्यान दिया जाता है। परन्तु केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा मंगलवार को संसद में पेश किये गये 85 मिनट के भाषण में भाजपा के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार के नये बजट में इस बात पर पर्याप्त प्रकाश नहीं डाला गया कि चालू वित्त वर्ष के दौरान सरकार के प्रस्तावित 48.21 लाख करोड़ रुपये के सकल व्यय से आम आदमी को कैसे लाभ होगा। 2014 में जब से एनडीए सरकार सत्ता में आई है, तब से इसका वार्षिक बजट वर्ष के अपने तात्कालिक एजंडे की तुलना में भविष्य के लक्ष्यों पर अधिक केंद्रित रहा है। पिछले 10 वर्षों से,कोविड महामारी वर्ष को छोड़कर, यथोचित अच्छा आर्थिक विस्तार हुआ। परन्तु इसके बावजूद देश की वार्षिक शुद्ध रोजगार वृद्धि दर में लगभग लगातार गिरावट देखी गई। सरकार ने इस पहलू पर बहुत कम ध्यान दिया। यह स्थानीय नौकरियों की कीमत पर वस्तुओं और सेवाओं के आयात को बढ़ाती रही। चालू वर्ष के बजट में रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए पांच योजनाओं पर 200,000 करोड़ रुपये खर्च का प्रावधान किया गया है परन्तु एक बार फिर पांच साल की अवधि में इसे उपयोग में लाने की बात कही गई, वह भी वास्तविक मुद्दे को संबोधित किये बिना जिसमें भारी आयात कटौती और घरेलू विनिर्माण को मजबूत करने की आवश्यकता है। भविष्य के इस बजट मेंआम आदमी, दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश में बेरोजगार युवाओं, अंशकालिक नौकरी करने वालों, मौसमी बेरोजगारों और बुजुर्गों के लिए बहुत कम प्रावधान है। सरकार के बजट-पूर्व आर्थिक सर्वेक्षण में कहा गया है कि देश को 2030 तक गैर-कृषि क्षेत्र में औसतन 78.5 लाख नौकरियां प्रति वर्ष पैदा करने की जरूरत है। बड़े पैमाने पर बेरोजगारी और खुदरा उपभोक् ता मूल्य मुद्रास्फीति, जिसे अक्सर कम करके आंका जाता है, देश के गरीब और निम्न मध्यम वर्ग को लगभग पागल कर रही है, जिसमें आबादी का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा शामिल है। चालू वर्ष के बजट में ऐसा कुछ भी नहीं है जिसे पिछले 10 वर्षों में लागू नहीं किया जा सकता था। बजट सूखे सपने बेच रहा है। यह इस तथ्य से बेपरवाह है कि रुपये का मूल्य या हमारी मुद्रा की क्रय शक्ति दिन-प्रतिदिन कम होती जा रही है। बजट का मुख्य व्यय फोकस चंद्रबाबू नायडू के आंध्र प्रदेश और नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले बिहार को बड़े पैमाने पर आवंटन और रियायतें देकर एनडीए को एक साथ रखना प्रतीत होता है। तेलुगू देशम के नायडू और जनता दल (यूनाइटेड) के सुप्रीमो नीतीश कुमार मिलकर एनडीए पर मजबूत पकड़ रखते हैं। भारत की वार्षिक बजट परंपराएं, जिसमें कर दरों में बदलाव एक प्रमुख आकर्षण है, जारी हैं। यह ध्यान रखना दिलचस्प हो सकता है कि अमेरिका, जर्मनी, फ्रांस, जापान, यूके और एशियाई पड़ोसी इंडोनेशिया जैसे प्रमुख लोकतांत्रिक देशों के वार्षिक राष्ट्रीय बजट सार्वजनिक भलाई पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं। उदाहरण के लिए, अमेरिकी सरकार ने वित्त वर्ष 2024 में 5०.2खरब डॉलर के बजट व्यय का प्रस्ताव रखा था। उसके बजट व्यय का अधिकांश हिस्सा सामाजिक सुरक्षा पर था। अमेरिकी सरकार का प्राथमिक व्यय स्वास्थ्य सेवा, सेवानिवृत्ति और रक्षा कार्यक्रमों पर है। जर्मनी में, संघीय सरकार की तीन शीर्ष प्राथमिकताएं हैंरू सुरक्षा, सामंजस्य और विकास। 2025 का मसौदा बजट और विकास पहल यह सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन की गई है कि जर्मनी एक सुरक्षित और आर्थिक रूप से मजबूत देश होगा। फ्रांस में, बेरोजगारी बीमा भुगतान सहित सामाजिक व्यय, जो 2022 में फ्रांसीसी सकल घरेलू उत्पाद का 31प्रतिशत से अधिक था, इसके व्यय बजट का एक बड़ा केंद्र बना हुआ है। फ्रांस में आवंटित भत्ते के ढांचे में अन्य व्यय में बुजुर्गों और विकलांगों के लिए सहायता और बच्चों की देखभाल शामिल है। यू.के. में कर प्रणाली, जिसे पारंपरिक रूप से मजबूत सामाजिक सुरक्षा उपायों के लिए जाना जाता है, अत्यधिक व्यावहारिक है। यह निष्पक्ष और सरल है, कड़ी मेहनत के लिए पुरस्कार प्रदान करता है। घरेलू विनिर्माण और निर्यात द्वारा समर्थित उपभोग वृद्धि ने साम्यवादी चीन की राष्ट्रीय बजट प्रणाली का एक प्रमुख फोकस प्रदान किया। बजट फोकस चीन के लिए अत्यधिक फायदेमंद रहा है, जिसने इसे पिछले 25 वर्षों की अवधि में दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना दिया है। अब समय आ गया है कि भारत की राष्ट्रीय बजट प्रणाली करों और राजनीति से प्रेरित व्यय के साथ छेड़छाड़ करना बंद करे और आम आदमी के जीवन और जीवन पर सीधा प्रभाव डालने वाले क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करे। इसे शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, सामाजिक सुरक्षा, घरेलू विनिर्माण, रोजगार सृजन,

मुद्रास्फीति नियंत्रण, रुपये की स्थिरता, अधिशेष व्यापार और एक ऐसा कारोबारी माहौल बनाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए जो चुने हुए देशों से बड़े पैमाने पर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित करे। चीन की तरह, उच्च घरेलू विनिर्माण और खपत को देश की आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देना चाहिए और बढ़ावा देने में मदद करनी चाहिए।
सरकार के खजाने को सार्वजनिक भलाई पर ध्यान केंद्रित करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। एक सच्ची लोकतांत्रिक व्यवस्था में कोई भी राजनीतिक दल हमेशा सत्ता में नहीं रहता है। हालांकि, आर्थिक प्रदर्शन और राजनीतिक ईमानदारी की तुलना अक्सर एक पार्टी को ब्रेक के बाद सत्ता में वापस आने में मदद करती है।

संपादकीय

लोकप्रिय हो रहा है पेड़ जियाओं अभियान

पौधे लगाना आसान है पर इनको विकसित करना बहुत पेचीदगी भरा। एक दिन में लाखों पौधे रोपित करने का लक्ष्य भी पूरा होते हुए देखा गया है परंतु लगे हुए पौधों को लगातार जीवित रखना अत्यंत कठिन होता है। पौधरोपण करते हुए फेटो खिंचाना आज एक फैशन बन गया है। अपवाद को छोड़कर व्यक्ति दोबारा अपने रोपित पौधे की तरफ जाकर नहीं देखता भले ही वह सिंचाई के अभाव में मर जाए या अन्य कारणों से नष्ट हो जाये। इन समस्याओं पर विचार कर जनपद बिजनौर के ग्राम फीना निवासी इंजीनियर हेमन्त कुमार ने हरियाली विस्तार के लिए एक नए प्रकार के अभियान की शुरुआत की जिसका नाम इन्होंने पेड़ जियाओ अभियान रखा। हेमंत कुमार ने इसके नाम में जियाओ शब्द विशेष रूप से चुना ताकि इसका मुख्य उदेश्य पेड़ों को स्वावलंबी बनने तक निरंतर देखभाल करना है यह स्पष्ट होता रहे। पेड़ जियाओ अभियान में पौधा आठ फीट ऊँचा होने के बाद ही सूचीबद्ध किया जाता है। हालांकि पौधारोपण का भी विवरण रखा जाता है। पेड़ लगाओ या पेड़ बचाओ जैसे स्लोगन की तुलना में पेड़ जियाओ नाम अधिक सार्थक है। इसीलिए इसका नाम अब चर्चा में आ गया है और विभिन्न स्थानों पर प्रयोग होने लगा है। अलीगढ़ नगर निगम ने 5 जून 2024 को अपने ट्विटर हैंडल पर लिखा कि पेड़ लगाओ नहीं पेड़ जियाओ। पौधे सिर्फ लगाने से नहीं देखभाल से बढ़ते हैं। लखनऊ में दिनांक 13 मार्च 2024 को जलवायु परिवर्तन पर एक उच्च स्तर का तीन दिवसीय सम्मलेन हुआ। समाचार पत्र हिंदुस्तान लखनऊ के अनुसार इसमें उत्तर प्रदेश सरकार के विशेष सचिव डॉ० हीरालाल ने भी पेड़ जियाओ शब्दों का प्रयोग किया। उन्होंने कहा पेड़ जियाओ पानी बचाओ प्लास्टिक भगाओ। सम्मेलन में पर्यावरण विशेषज्ञ शिक्षाविद विश्वविद्यालय के शोध छात्र तथा तीन राज्यों के प्रतिनिधि शामिल हुए। हेमंत कुमार के आविष्कृत शब्दों और इनके द्वारा शुरू किये गए पेड़ जियाओ अभियान की संकल्पना का प्रयोग विभिन्न बड़े स्तरों पर हो रहा है इस पर इन्होंने हर्ष जताया। जब हेमन्त कुमार से पूछा गया कि आपके द्वारा आविष्कृत शब्दों पेड़ जियाओं का प्रयोग जब दूसरे लोग भी कर रहे हैं तो कैसा लगता है तो इन्होंने कहा कि यह गर्व और खुशी की बात है। औपचारिक रूप से इस अभियान के अंतर्गत पहला पौधा कर्वी जनपद चित्रकूट में 14 अप्रैल 2017 को कुछ बच्चों द्वारा लगाया गया था। पेड़ जियाओ अभियान के प्रमुख सिद्धांत और शिक्षाएँ इस प्रकार हैं दृ 1. मकान में फर्नीचर दरवाजे खिड़की पढ़ने के लिए कापी किताब अखबार और अंतिम संस्कार के लिए सूखी लकड़ी जैसी जरूरते हर व्यक्ति की होती हैं और इन्हें पूरा करने के लिए हर व्यक्ति के कारण कुछ पेड़ कट जाते हैं इसलिए अपने जीवन काल में अपने हिस्से के पेड़ विकसित करना हर व्यक्ति का कर्तव्य और दायित्व है। 2. भले ही पौधे कम लगें पर जितने लगें सब विकसित किये जाने चाहिए। 3. किसी अज्ञात या दूसरे व्यक्ति द्वारा रोपित पौधा देखभाल या सिंचाई के अभाव में मरता या नष्ट होता दिखाई दे तो उसका भी संरक्षण करना चाहिए।

केंद्र को झटका

आखिरकार केंद्र और राज्यों के बीच अधिकारों की कानूनी लड़ाई तार्किक परिणति तक पहुंच ही गई है। देश की शीर्ष अदालत ने फैसला सुनाया है कि किसी भी राज्य के खनिजों पर देय रॉयल्टी एक कर नहीं है। साथ ही स्पष्ट किया कि राज्यों के पास खानों, खनिजों और खनिज-युक्त भूमि पर कर लगाने की विधायी क्षमता निर्धारित है। दरअसल, इस सारे विवाद के मूल में खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 रहा है। इस अधिनियम का हवाला देते हुए केंद्र सरकार की दलील थी कि केवल संसद ही खनिजों पर कर लगा सकती है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट की बैंच ने इस बाबत फैसला सुनाया कि कानून राज्यों को खानों और खनिज विकास पर कर लगाने से प्रतिबंधित नहीं करता है। निश्चित रूप से इस फैसले से प्राकृतिक संपदा से संपन्न गरीब राज्यों मसलन झारखंड और ओडिशा को विशेष रूप से लाभ होने की उम्मीद जगी है। ये राज्य केंद्र द्वारा खानों और खनिजों पर लगाये गए हजारों करोड़ों रुपये के करों की वसूली की मांग करते रहे हैं। निस्संदेह, यदि केंद्र सरकार राज्यों की माली हालत के मद्देनजर उनकी जरूरतों तथा आकांक्षाओं के प्रति संवेदनशील होती तो निश्चित रूप से इस विवाद को बातचीत के जरिये सुलझाया भी जा सकता था। जब लंबे समय तक इस मामले का निस्तारण नहीं हो सका तो अन्ततरू देश की शीर्ष अदालत को गतिरोध तोड़ने के लिये हस्तक्षेप करना ही पड़ा। इसमें दो राय नहीं है कि केंद्र और राज्यों के बीच कई मुद्दों पर टकराव कोई नई बात नहीं है। लेकिन देखने में आया है कि हाल के वर्षों में यह विवाद आम बात हो चला है। निश्चित रूप से किसी भी राष्ट्र की संघीय व्यवस्था के लिये ये टकराव व विवाद कोई शुभ संकेत तो कदापि नहीं हैं। इसमें दो राय नहीं कि कुछ मुद्दे सहमति, सामंजस्य और संवेदनशीलता से भी सुलझाए जा सकते हैं। जिससे राज्यों के आर्थिक संकट को भी दूर किया जा सकता है। दरअसल, इस बात पर गंभीर विमर्श की जरूरत है कि हाल के वर्षों में केंद्र-राज्यों के बीच कलह के मामले लगातार क्यों बढ़ते जा रहे हैं। निस्संदेह, इस टकराव के राजनीतिक निहितार्थ भी हैं। इस विवाद को हाल में संसद में प्रस्तुत आम बजट के परिप्रेक्ष्य में भी देखा जा सकता है। यही वजह है कि वर्ष 2024-25 के केंद्रीय बजट में राजग गठबंधन में शामिल बिहार तथा आंध्र प्रदेश के लिये घोषित विशेष पैकेजों ने विपक्ष को गैर भाजपा शासित राज्यों से कथित भेदभाव के आक्षेपों के साथ सवाल उठाने का मौका दिया है।

कारगिल विजय में टोलोलिंग-हम्प की कहानी

हमने लगातार हमले जारी रखे और 8 जुलाई को हमने पूरे टाइगर हिल पर विजय पताका फहरा दी। इस लड़ाई में ग्रेनेडियर योगेंद्र सिंह यादव की शौर्य गाथा आज हर बच्चा जानता है

भारतवर्ष का मुकुट कहे जाने वाले हिमालय के आंचल में बसे हिमाचल प्रदेश का सांस्कृतिक व सामरिक दृष्टि से विशेष महत्व है। देवों की भूमि होने के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश वीरों की भूमि भी रहा है। हमेशा से यहां के बेटों ने भारत मां की रक्षा में अपना योगदान दिया है। यहां के हर एक गांव में शूरवीरों की शौर्य गाथा के किस्से-कहानी हर बच्चे की जुबान पर होते हैं और यही कहानियां बच्चों को शौर्य पथ पर चलने की प्रेरणा देती हैं। यही कारण है कि हिमाचल की जनसंख्या का एक बड़ा भाग भारतीय सशस्त्र सेनाओं और अर्ध सैनिक बलों में कार्यरत है। वर्तमान में भारत की सशस्त्र सेनाओं में हर 13 सैनिक में से एक सैनिक हिमाचल की भूमि से आता है। स्वतंत्रता से अभी तक चार परमवीर चक्र भी हिमाचल प्रदेश से ही है। इन किस्से कहानियों में से एक बड़ी महत्वपूर्ण कहानी है कारगिल युद्ध की। इसी कारगिल युद्ध में हिमाचल प्रदेश के दो वीरों, कैप्टन विक्रम बत्रा और सिपाही संजय कुमार ने परमवीर चक्र का सर्वोच्च सम्मान अर्जित किया था। आज हमारा राष्ट्र कारगिल विजय के 25 साल पूरा होने पर रजत जयंती मना रहा है। हर वर्ष 26 जुलाई को मैं दराज कारगिल में जाकर शहीदों को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं। आज से 25 वर्ष पूर्व सन् 1999 में पाकिस्तान ने एक बार फिर भारत के भरोसे की हत्या की थी और कारगिल, दराज और बटालिक के इलाकों में घुसपैठ करके अपना कब्जा कर लिया था।

जैसे ही भारतीय सेना को इसका आभास हुआ, तभी से घुसपैठियों को मार भगाने की कवायद शुरू हो गई। उस समय किसी ने यह नहीं सोचा था कि यह कवायद एक भीषण युद्ध की शुरुआत है। मेरी यूनिट 18 ग्रेनेडियर, जिसका मैं कमान अधिकारी था, उन दिनों कश्मीर घाटी के मानसबल इलाके में तैनात थी। वहां पर आए दिन हमारी आतंकवादियों से मुठभेड़ होती थी। तैनात होने के कुछ ही दिनों में हमने 19 आतंकवादियों को मौत के घाट उतार दिया था। तभी हमें हमारे उच्च अधिकारियों से आदेश मिला कि पलटन को तुरंत दराज मूव करना है। दराज सेक्टर में दुश्मन ने टोलोलिंग, टाइगर हिल और मास्को घाटी में सभी महत्वपूर्ण चोटियों पर अपना कब्जा जमा लिया था और दुश्मन लेह, लद्दाख व सियाचीन ग्लेशियर की लाइफ लाइन कहे जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर भारतीय सेना के मूवमेंट को बाधित कर रहा था। 18 ग्रेनेडियर को टास्क मिला कि टोलोलिंग की सभी चोटियों को हर कीमत पर दुश्मन से मुक्त कराया जाए। हमने एक बेहतर रणनीति के साथ टोलोलिंग पर बैठे दुश्मन पर धावा बोल दिया। उस समय दुश्मन की तादाद और उसकी तैयारी के विषय में सटीक सूचना का अभाव था। साथ ही हाई एल्टीट्यूड की लड़ाई लडने के लिए जरूरी साजो-सामान और दूसरे सैनिक दस्तों, विशेषकर आर्टिलरी का बेहद अभाव था। यही कारण था कि हर दिन हमारा नुकसान हो रहा था। परंतु 18 ग्रेनेडियर के जांबाजों ने इन सभी विषम परिस्थितियों के बावजूद अपने हौसलों को मजबूत रखा और अपने प्राणों की परवाह किए बिना दुश्मन पर लगातार हमले करते रहे। 22 मई को शुरू हुआ यह हमला 14 जून तक चला और इन 24 दिनों में हम सभी कठिन व दुर्गम चढ़ाई, खराब मौसम और दुश्मन की लगातार हो रही भीषण गोलाबारी का सामना करते रहे। इस लड़ाई में मेजर राजेश सिंह अधिकारी ने अपने प्राणों की आहुति दी, जिन्हें मरणोपरांत महावीर चक्र से सम्मानित किया गया। एक हमले के दौरान, जिसे मैं स्वयं लीड कर रहा था, मेरे उपकमान अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल आर. विश्वनाथन को गोली लगी और उन्होंने मेरी ही गोद में दम तोड़ दिया। लेफ्टिनेंट कर्नल आर. विश्वनाथन को उनके अदम्य साहस के लिए वीर चक्र से सम्मानित किया गया। अंततः 12 जून को हमने 2 राजपूताना राइफल्स के साथ मिलकर टोलोलिंग की चोटी पर तिरंगा फहरा दिया और साथ ही 14 जून को हम्प की महत्वपूर्ण चोटी पर विजय हासिल की।

टोलोलिंग की लड़ाई में हमारे दो अधिकारी, दो सूबेदार और 21 जवानों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया। 18 ग्रेनेडियर के शौर्य को देखकर सेना के उच्च अधिकारियों ने एक बार फिर हमें एक और महत्वपूर्ण जिम्मा सौंपा और यह था दराज सेक्टर की सबसे महत्वपूर्ण चोटी टाइगर हिल पर कब्जा करना। मैं और मेरी टीम एक बार फिर अपनी तैयारी में जुट गए। हमने टाइगर हिल का हरसंभव दिशा से रीकोनोसेन्स किया और सभी टुकडियों के कमांडरों के सुझाव को शामिल करते हुए एक बेहद सटीक रणनीति बनाई। तीन जुलाई की रात को हमने टाइगर हिल पर चौतरफा हमला बोल दिया और सबसे कठिन रास्ते को चुना। जिस तरफ से जाना नामुमकिन था, हमारी कंपनी और घातक प्लाटून ने टॉप पर पहुंचकर दुश्मन को एकदम भौंचक्का कर दिया। पूरी रात एक भीषण घमासान युद्ध हुआ और हम टाइगर हिल टॉप पर अपना फुटहोल्ड बनाने में सफल हुए। इसके बाद हमने लगातार हमले जारी रखे और 8 जुलाई को हमने पूरे टाइगर हिल पर विजय पताका फहरा दी। इस लड़ाई में ग्रेनेडियर योगेंद्र सिंह यादव की शौर्य गाथा आज हर बच्चा जानता है जिसके लिए उन्हें परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया। इस लड़ाई में हमारी यूनिट के नौ नौजवानों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया।

लेफ्टिनेंट बलवान सिंह को महावीर चक्र से और कप्तान सचिन निंबालकर को वीर चक्र से नवाजा गया। कारगिल की लड़ाई में 18 ग्रेनेडियर ने कई शौर्य पदक जीतकर अपने आप में एक कीर्तिमान बनाया। जैसे ही टाइगर हिल पर हमने विजय पताका फहराई, उधर दूसरी तरफ पाकिस्तान की सेना में खलबली मच गई। पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ युद्धविराम की गुहार लगाने अमरीका के राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के पास भागे। परंतु हमारे तत्कालीन प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने साफ कह दिया कि जब तक पाकिस्तान के आखिरी घुसपैठिए को हम भारत की सीमा से नहीं खदेड़ देते, युद्धविराम का सवाल ही नहीं उठता। कारगिल के इस युद्ध में भारतीय सशस्त्र सेनाओं के 527 रणबांकुरों को अपने प्राणों की आहुति देनी पड़ी, जिनमें 52 योद्धा हमारे हिमाचल प्रदेश के थे।

सावरकर जैसा न बन जाए आपातकाल का मुद्दा

अरविन्द मोहन

आम चुनाव में हुई धुलाई और चुनाव के बाद ज्यादा उत्साह में दिख रहे विपक्ष के जबाब में अपने कार्यकर्ताओं में उत्साह लाने और कांग्रेस समेत इंडिया गठबंधन के लोगों को बैकफुट पर लाने के लिए भाजपा आपातकाल का मुद्दा जोर-शोर से उठाने जा रही है। इसकी तैयारी कई स्तर पर है और जैसा नरेंद्र मोदी-अमित शाह की जोड़ी के अब तक के कार्यक्रमों में होता रहा है, इस बार भी अगले कई दिनों तक हर कहीं आपातकाल और उस अवधि में संविधान के मौलिक अधिकार तक स्थगित रहने जैसे न जाने कितने ही सवाल बौद्धिक चर्चा में भी आएंगे। कांग्रेस और इंडिया गठबंधन ने चार सौ पार के नारे और भाजपा के कुछ कोनों से उठी संविधान संशोधन की मद्धिम सी आवाज को मुद्दा बनाकर दलित वोटों को अपने पक्ष में ध्रुवीकृत कर लिया वह भाजपा को, खासकर उत्तर प्रदेश में काफी नुकसान पहुंचा गया। कांग्रेस और इंडिया गठबंधन ने कहा कि अगर भाजपा को चार सौ सीटें मिलीं तो वह संविधान में बदलाव करके दलितों, पिछड़ों और कमजोर लोगों के आरक्षण को समाप्त कर देगी। बाबा साहब का बनाया संविधान धीरे-धीरे दलितों के बीच एक बड़ा मुद्दा बन गया क्योंकि उनका अनुभव बताता है कि आजाद भारत में उनको जो थोड़ा बहुत हासिल हुआ है वह संविधान के चलते ही है। विपक्ष का यह दांव सही बैठा। भाजपा ने भी पहले इसी तरह मोदी को चायवाला, शनीचश् और मौत का सौदागर कहने जैसे कई मुद्दों को नया स्वरूप देकर विपक्ष की घेराबंदी की थी और चुनावी सफलता हासिल की थी। चुनाव में सब कुछ चलता है, जैसे जुमलों की जगह इन सवालों में पक्ष-विपक्ष की अपनी क्षमता, विश्वसनीयता और पुराना रिकार्ड भी सफलता असफलता तय करता कराता है। भाजपा और संघ परिवार इस मामले में हाल में सब पर भारी पड़ा है। और इस बार विपक्ष का दांव चल जाने की एक वजह संघ का मोदी-शाह की कार्यशैली से नाराजगी भी थी। यह बात चुनाव तक उतनी जाहिर न हुई थी लेकिन चुनाव बीतते ही खुद संघ प्रमुख मोहन भागवत से लेकर जाने किस किस ने स्पष्ट ढंग से समझा दिया। इस दांव के चल जाने की उससे भी ज्यादा बड़ी वजह बसपा के भाजपा के साथ चिपक जाने और दलितों में राजनैतिक बेचैनी का होना भी था। पिछले चुनाव से पहले रोहित बेमुला की मौत से लेकर की जगह दलितों की पिटाई का मामला अम्बेडकरवादी जमातों और कुछ प्रगतिशील जमातों ने बड़े जोर-शोर से उठाया था लेकिन आम दलित और उनके बीच की फांक का लाभ लेते हुए भाजपा ने काफी सारा दलित वोट हासिल किया और ये जमात और इनको समर्थन दे रही कांग्रेस जैसी पार्टियां खाली हाथ रहीं। इसलिए भाजपा अब संविधान बचाओ और उस पर अब तक के सबसे बड़े हमले, आपातकाल के पचास साल पूरे होने पर कांग्रेस और उसका समर्थन कर रही पार्टियों को घेरने की योजना पर काम कर रही है तो किसी को भी इस रणनीति में कुछ तर्क दिखेगा। लेकिन जैसे ही आप पचास साल की अवधि, इस बीच खुद इंदिरा गांधी और कांग्रेस के कामकाज पर नजर पड़ते ही भाजपा की इस तैयारी में कमियां दिखने लगेंगी। एक तो इंदिरा गांधी ने ही आपातकाल हटाया और उसके बाद जबरदस्त ढंग से चुनाव जीती भी थीं। दूसरे आपातकाल के दौरान संघ परिवार और भाजपा की पूर्ववर्ती पार्टी, जनसंघ का खुद का रिकार्ड भी संदेहास्पद है। उसके काफी लोग माफी मांग कर जेल से बाहर आए थे। फिर इंदिरा गांधी और उनके पुत्र राजीव गांधी की जिस तरह से शहादत हुई और उन सबके बीच भी कांग्रेस ने चुनावी हार-जीत हासिल की, लोकतान्त्रिक प्रक्रिया को नहीं छोड़ा वह रिकार्ड सबके सामने है। और इन पचास वर्षों में काफी पानी बह चुका है और कल जिन लोगों ने आपातकाल के चलते जेल सहा, लाठी-गोली खाई उसमें से अधिकांश या उनके राजनैतिक वारिस आज इंडिया गठबंधन का हिस्सा हैं या भाजपा से दूर हो चुके हैं। फिर इन पचास वर्षों में भाजपा को आपातकाल की ऐसी याद कभी न आई, यह सवाल भी है। और इन पचास सालों में देश में आई दो पीढ़ियों को उसकी याद कितनी है और अब कितनी महत्वपूर्ण लगेगी यह सवाल भी बना ही हुआ है। इन्हीं लोगों से आज देश का बहुमत बनता है और उनकी चिंताएं कुछ बातों को लेकर हैं। उन्हें संविधान की या लोकतंत्र की चिंता न हों ऐसा नहीं यही लेकिन आप अपनी राजनीति के लिए कभी एक तो कभी दूसरे मुद्दे को उठाएं तो इसकी पहचान उन्हें है। पचास साल के इतिहास का ज्ञान भी उनको है और उनके अनुभव में भी आपातकाल का असर रहा है। यह कितना गहरा या हल्का रहा है, यह आपको बताने की जरूरत नहीं है। और लोकतंत्र की इस यात्रा की लड़खड़ाहटों ने इसे सीख दी है, बेहतर करने का रास्ता दिखाया है और गिरावटों की पहचान भी बताई है। आज पहले की तरह राष्ट्रपति शासन लगाना, सरकार गिराना, पार्टियां तोड़ना, दलबदल कराना असंभव है। वह खेल नए रूप में शुरू हुआ है यह सबको दिख रहा है। कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी भी हाल के वर्षों में अपने अत्यधिक क्रांतिकारी वामपंथी सलाहकारों की राय मानकर संघ और सावरकर के सवाल को अलग-अलग ढंग से उठाकर भाजपा और संघ परिवार को घेरने की कोशिश करते हुए एक शर्मीली किस्म की बहसश् में फंसते रहे हैं। गांधी की हत्या हमारे लिए एक शर्म और शोक की बात है और उसने काफी चीजों को प्रभावित किया। लेकिन संघ और सावरकर का योगदान की मामलों में अलग किस्म का भी रहा है जिसकी अनदेखी नहीं हो सकती या जिसके सहारे इन आरोपों को मद्धिम किया जा सकता है। इंदिरा गांधी देश में सबसे प्रभावी प्रधानमंत्रियों में एक रही हैं और सिर्फ आपातकाल की गलती या कुछ अन्य गलतियों को उठाकर उनके सारे कामकाज को नकारा नहीं जा सकता। सावरकर के दो रूप रहे हैं और वे किन वजहों से माफी मांगने तक आगे या बाद की भूमिका निभाई यह उनके क्रांतिकारी कामों के रिकार्ड को खत्म नहीं कर सकता। इसलिए जो गलती राहुल गांधी सावरक र पर बार-बार हमला करके कर रहे थे, भाजपा आपातकाल के सवाल को उठाकर वैसी ही गलती करती लगती है। इससे लाभ क्या होगा कहना मुश्किल है लेकिन इसमें ऊर्जा और साधन बहुत लगेगा जिसे किसी और काम में लगाना ज्यादा फायदेमंद रहता।

आज का राशिफल

मेष:- परिवार की छोटी-छोटी बातों बाहरी लोगों से न कहें। भावना से उद्वेलित मन संबंधियों के सुख-दुख के प्रति चिंतित होगा। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।

वृषभ:- हर घटना से आपको सीख लेने की जरूरत है। नये क्षेत्र में निवेश से पूर्व जानकार लोगों से विचार-विमर्श करें। भविष्य के प्रति निराशाजनक विचारों को मन पर हावी न होने दें। नये व्यावसायिक यात्राओं का योग है।

मिथुन:- निकट संबंधों में मधुर संवाद से अपनी सुंदर छबि बनायें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति होने के आसार हैं। सामान्य दिनचर्या के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। घर में खुशहाली होगी।

कर्क:- भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं उत्पन्न होंगी। किसी कार्य को छोटा-बड़ा समझने के बजाए अपने कर्त्तव्यों का सही ढ़ंग से निर्वहन करें। वर्तमान कार्य से मन असंतुष्ट रहेगा। जरूरी कायरे में आलस्य का त्याग करें।

सिंह:- पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति हेतु चिंता उत्पन्न होगी। अपने स्वास्य के प्रति लापरवाही न बरतें एवं जीवन साथी के स्वास्य के प्रति भी ध्यान दें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित साधन लिए मन प्रयत्नशील होगा।

कन्या:- कोई छोटी बात भी परिवार में तनाव का कारण बन सकती है। महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता हेतु नये उत्साह का संचार होगा। सामाजिक गतिविधियों में क्रियाशीलता बढ़ेगी। भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंध मधुरत होंगे।

तुला:- समय के साथ समझौता करके चलने का प्रयास करें। कार्यक्षेत्र को ही अपनी पूजा समझें और स्वयं को उसी ओर केंद्रित करें। पत्नी के साथ मधुर वणी का प्रयोग करें। रोजगार में लाभकारी स्थिति रहेगी।

वृश्चिक:- स्वयं को सही दिशा और लक्ष्य की ओर केंद्रित करें तभी जीवन में सही प्रगति कर सकते हैं। किसी पुराने संबंध के प्रति विशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से अवरोधित कार्य हल होंगे।

धनु:- किसी भी प्रयास में आर्थिक अभाव अवरोधक होगा। साहस व बुद्धित्ता से पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर सुख की अनुभूति करेंगे। विषम स्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति की ओर अग्रसर होंगे।

मकर:- बुद्धिमत्ता व परिश्रम का मिले-जुले संयोग का भरपूर लाभ उठाएंगे। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। सफलताएं आंतरिक क्षमताओं का एहसास कराएंगी। संतान संबंधी दायित्वों की पूर्ति होगी।

जमीनी विवाद में दबंगों ने युवक के पेट में मारी गोली

हालत गंभीर होने पर शाहजहांपुर किया गया रेफर

जंगबहादुरगंज/उचौलिया-खीरी। थाना क्षेत्र में बीती रात कार सवार युवक को हमलावरों ने गोली मार दी।गोली उसके पेट मे लगी जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया। आनन फानन में मौके पर पहुँची उचौलिया पुलिस ने घायल को सीएचसी पसगवां में भर्ती कराया जहां गंभीर हालत को देखते हुए शाहजहांपुर रेफर कर दिया गया था।

सूचना के अनुसार लखीमपुर खीरी के उचौलिया थाना क्षेत्र के सुनौरा गांव में जमीनी विवाद में गोली चल गई,घायल युवक आर एसएस कार्यकर्ता का भाई व पसगवां से दैनिक समाचार पत्र के पत्रकार अरविंद शुक्ला के दामाद है रात आठ बजे गांव सुनौरा से पसगवां आते समय रास्ते में कुछ लोगो ने हमला कर दिया।घटना के बाद घायल को पसगवां ले जाया गया लेकिन हालात गंभीर होने की वजह से डाक्टरों ने घायल को शाहजहांपुर के लिए रेफर कर दिया लेकिन स्थिति में सुधार न होने पर शाहजहांपुर से उन्हें बरेली रेफर किया गया बरेली के राममूर्ति हॉस्पिटल में उनका उपचार चल रहा है इधर गोली चलने की घटना से गांव में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना पाकर देर रात ही एसपी खीरी गणेश प्रसाद शाह, एडिशनल एसपी नैपाल सिंह, सीओ मोहम्मदी अरुण कुमार सिंह,अंडर ट्रेनिंग सीओ स्वर्णिमा, इंस्पेक्टर उचौलिया मनीष कुमार सिंह, पसगवां थानाध्यक्ष दीपक राठौर, मैगलगंज इंस्पेक्टर सहित पुलिस घटना स्थल पहुँच गई । एसपी खीरी ने रात में ही घटना स्थल पर पहुँचकर लोगो से घटना की जानकारी प्राप्त की मामले में 4 आरोपी पुलिस की पकड़ में है और पुलिस अग्रिम जांच में जुटी हुई है परिजनों ने बताया कि सुनौरा गांव मे जमीनी विवाद लम्बे समय से चल रहा था विपक्षियों को माननीय लोगों का संरक्षण मिलता रहा जिसके चलते आर एस एस के कार्यकर्ता की जमीन विपक्षी लोगों ने ले ली थी लम्बे समय के बाद दोनों पक्षों मे संभ्रात व्यक्तियों के बीच सुलह समझौता कराया गया था लेकिन हालात जैसे के तैसे बने हुये थे।

क्या बोले जिम्मेदार!

घायल युवक इलाज बरेली के प्राइवेट अस्पताल में चल रहा है।घायल का ऑपरेशन भी सफल पूर्वक हो गया है। परिजनों की तहरीर के आधार पर पांच लोगो के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है स्थिति कट्रोल में है अग्रिम कार्यवाई की जा रही है।

(क्षेत्राधिकारी मोहम्मदी, अरुण सिंह)

सपा कार्यकर्ताओं ने पूर्व सांसद फूलन देवी की मनाई पुण्यतिथि

कानपुर देहात। समाजवादी पार्टी कार्यालय में दो बार की सांसद रही फूलन देवी की पुण्यतिथि मनाई गई। पुण्यतिथि में जिला अध्यक्ष बबलू राजा अल्प संख्यक सभा के प्रदेश सचिव शेखू खान सैनिक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष बृजमोहन यादव शिशुपाल यादव, वीरेंद्र निषाद, विधान सभा अध्यक्ष राघव अग्निहोत्री अमन अग्निहोत्री आदि लोग मैजूद थे।

सीएम नीतीश के प्रति आरसीपी सिंह का फिर उमड़ा प्रेम तारीफ में जमकर गढ़े कसीदे

सियासी गलियारे में सुगबुगाहट हुई तेज

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता कन्हैया कुमार सिंह

जमुई पटना - जेडीयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सह बीजेपी नेता आरसीपी सिंह कल तक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ बयान देने से थकते नहीं थे। लेकिन आज वह नीतीश कुमार के प्रति न केवल नरम दिखे बल्कि उनकी तारीफ में कसीदे भी खूब गढ़े। बिहार विधानसभा में बुधवार को आरजेडी महिला विधायक के खिलाफ नीतीश कुमार द्वारा की गयी टिप्पणी का का बचाव करते हुए आरसीपी सिंह ने कहा कि इस मामले को तूल देने की जरूरत नहीं है। नीतीश कुमार बिहार के गार्जियन हैं। गार्जियन कभी नाराजगी जाहिर करे तो उसे दिल से नहीं लेना चाहिए। इसके साथ ही जेडीयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आरसीपी सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार ने महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कई स्कीम चलायी है। पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं को आरक्षण दिलाए। बिहार में नीतीश कुमार का काम बोलता है। आरसीपी सिंह ने केंद्रीय बजट को बिहार के लिए ड्रीम बजट बताया। उन्होंने कहा कि बिहार को पहली बार केंद्रीय बजट में इतना संसाधन मिला है।

शराब दुकान हटाने की मांग

मानिकपुर/चित्रकूट, ब्यूरो। असंगठित मजदूर मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष दलसिंगार ने ग्रामीणों के साथ जिलाधिकारी सम्बोधित पत्र में कहा कि ग्राम पंचायत चुरेह केसरुवा खदरा मोड मानिकपुर में देशी शराब दुकान से आये दिन स्कूल जाने वाली बालिकाओं व खेतों में काम करने वाली महिलाओं से अभद्रता होती है। हाल में चेतीपुरवा की एक बच्ची स्कूल से पढ़कर घर जा रही थी। उस दौरान शराब पीकर उसे पकड़कर उठा ले जाने के प्रयास हुए थे। ग्रामीणों के प्रयास से बच्ची को बचा लिया गया। ऐसी घटना आये दिन हो रही हैं।

मांगों को लेकर शिक्षक संघ ने दिया धरना, सौंपा ज्ञापन

➲ सतत संघर्ष का नारा देकर डीआईओएस कार्यालय में किया प्रदर्शन

बांदा, (संवाददाता)। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के तत्वावधान में जनपद के शिक्षकों ने जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय बांदा में विशाल धरना एवं प्रदर्शन कर अपनी मांगों के समर्थन में मुख्यमंत्री को संबोधित एक 23 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। शिक्षक नेताओं ने बताया कि प्रदेशीय नेतृत्व के आवाहन पर आज एक दिवसीय धरना प्रदर्शन पूरे प्रदेश के जिला मुख्यालयों में दिया जा रहा है। उसी क्रम में आज जनपद बांदा में भी धरना देकर प्रदर्शन किया। इस दौरान अपनी लंबित मांगों समर्थन में दोपहर 12ः से धरना प्रारंभ होकर 4ः बजे तक माध्यमिक विद्यालयों के सभी शिक्षक जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में बैठे रहे। शिक्षकों का कहना था कि स्थानीय स्तर पर कई समस्याएं लंबित हैं। विशेष कर नई पेंशन स्कीम के तहत सरकार द्वारा दिए जाने वाले अंश को जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय ने लंबे समय से रोक कर रखा हुआ है। पिछले वर्ष जून महीने में शिक्षकों ने धरना दिया था जिससे मात्र कुछ महीनो का सरकारी अंशदान उनके खाते में ट्रांसफर तो किया गया किंतु फिर भी पिछले डेढ़ वर्षो का सरकारी अनुदान अभी भी शिक्षकों के खाते में नहीं भेजा जा रहा है। जिससे जनपद के शिक्षकों में काफी आक्रोश दिखा।

संगीन आरोपों में लेखपाल जितेन्द्र गुप्ता निलम्बित

मानिकपुर/चित्रकूट, ब्यूरो। मानिकपुर तहसील के किहुनिया क्षेत्र में तैनात लेखपाल जितेंद्र गुप्ता को एसडीएम मानिकपुर पंकज वर्मा ने शासकीय कार्यों में लापरवाही बरतने पर निलम्बित कर दिया है।

ज्ञात है कि मानिकपुर तहसील में मृतक आश्रित पर नौकरी पाये लेखपाल जितेन्द्र गुप्ता अरसे से किहुनिया क्षेत्र में तैनात था। वह भू-माफ्रियाओं को कोलों की जमीनें औने-पौने में खरीदवाने का कारोबार करता था। यहां तक कि वह ऐसे लोग पाले था कि पहले जमीन किसी और के नाम फिर पार्टी के नाम कराता था। इस तरह से दोनों ओर से जमीन की खरीद-फरोख्त में खेल करता था। आम जनता के काम कभी नहीं करता था। उच्चाधिकारियों के निर्देश भी नहीं मानता था। इस बात के आडियो में जमीन पैमाइश के बदले प्लाट मांगने के आरोप समेत अन्य कारणों से उसे एसडीएम मानिकपुर ने निलंबित कर दिया है। लेखपाल पर कई संगीन आरोप की जांच को एसडीएम ने तहसीलदार को जांच अधिकारी बनाया है।

कारगिल विजय दिवस पर युवा मोर्चा ने मशाल जुलूस निकाल कर शहीदों को किया नमन

सचिन मिश्रा के नेतृत्व में निकला विशाल मशाल जुलूस

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर - कारगिल विजय दिवस स्वतंत्र भारत के सभी देशवासियों के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण दिवस है। भारत में प्रत्येक वर्ष 26 जुलाई को यह दिवस मनाया जाता है। इस दिन भारत और पाकिस्तान की सेनाओं के बीच वर्ष 1999 में कारगिल युद्ध हुआ था जो लगभग साठ दिनों तक चले युद्ध का अंत 26 जुलाई को होने में भारत विजय हुआ। भारतीय जनता युवा मोर्चा सीतापुर के जिलाध्यक्ष सचिन मिश्र के नेतृत्व में सैकड़ों युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने कारगिल विजय स्तम्भ से शहीद पार्क लालबाग तक विशाल मशाल जुलूस निकाला। जुलूस में जिला प्रवासी के रूप में भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अंकुश यादव उपस्थित रहे। मशाल जुलूस के समापन के बाद भाजयुमो कार्यकर्ताओं द्वारा अखंड दीप

जलाया गया जोकि अगले दिन तक प्रज्वलित होता रहेगा। युवा मोर्चा सीतापुर के समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने कारगिल विजय में शहीद हुए जवानों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की एवं जिन जवानों ने कारगिल के युद्ध में अपना योगदान दिया था उनको भी प्रणाम कर धन्यवाद ज्ञापित किया। मशाल जुलूस में भारतीय जनता पार्टी के जिला महा मंत्री विश्राम सागर राठौर, रमेश भार्गव, सैनिक प्रकोष्ठ के जिला संयोजक संजय राजवंशी,भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष नैमिष रत्न तिवारी,संजय मिश्रा,भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के जिला पदाधिकारी तरुण शुक्ला,अनूप विश्वकर्मा, प्रतीक पाण्डेय,अमन विक्रम सिंह,रणंजय सिंह, राम प्रताप सिंह,वैभव सिंह, दीपक मिश्र अंकुल तिवारी,कामेश शुक्ला, जितेंद्र गुप्ता,जयपाल शर्मा रत्नेश अवस्थी,नितिन रस्तोगी अखिलेश शर्मा व समस्त मण्डल के मण्डल अध्यक्ष एवं अन्य युवा मोर्चा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भू-माफियाओं के अवैध अतिक्रमण का शिकार है रूपा तालाब

राजापुर/चित्रकूट। प्रदेश सरकार जल संचय को तालाबों का जीर्णोद्धार कर अमृत सरोवर बतौर विकसित करने को भारी भरकम धनराशि खर्च कर रही है। राजापुर तहसील क्षेत्र के रुपौली गांव के रूपा तालाब अतिक्रमण की चपेट में अस्तित्व खो रहा है। गुरुवार को रुपौली गांव के गौरीदत्त त्रिपाठी ने एसडीएम राजापुर प्रमोद कुमार झा को सौंपे पत्र में कहा कि आबादी से लगे रूपा तालाब में पूरे गांव के मवेशियों को पानी पिलाया जाता है। ग्रामीण तालाब के पानी का प्रयोग करते हैं। पूरे गांव की नालियों का पानी तालाब में जाने से तालाब के भीठो में लैट्रिन टैंक बनने से पानी प्रदूषित हो चुका है। गांव के पशु-पक्षी पानी पीने से बीमार होते हैं। पूरा पानी विषैला हो गया है। प्रधान की सह पर रूपा तालाब के चारों ओर भीठों में अवैध अतिक्रमण हो गये हैं। लोगों में अवैध ढंग से कच्चे घर बना लिये हैं। यही तालाब के पानी को प्रदूषित कर रहे हैं। कई बार शिकायत देने के बाद भी कार्यवाही नहीं हो रही। दबंग-भू-माफ्रिया बुलंद होसलों से आये दिन रूपा तालाब में अतिक्रमण कर रहे हैं। ग्रामीणों ने भीठे में कम्पोस्ट खाद के गड्ढे बनाकर गोबर व कचरा डालते हैं। दुर्गंध से संक्रामक बीमारियों के फैलने का अंदेशा है। तालाब के आसपास बसे लोगों का जीना दुभर है। गौरीदत्त त्रिपाठी समेत ग्रामीणों ने जिलाधिकारी व उपजिलाधिकारी से मांग किया कि रूपा तालाब का समस्याओं से मुक्ति दिलायें।

भीम आर्मी के जिलाध्यक्ष बने संजय

चित्रकूट, ब्यूरो। भीम आर्मी भारत एकता मिशन के चित्रकूटधाम मंडल संयोजक संदीप बाल्मीकि ने फूले, साहू जी, बाबा साहब अम्बेडकर व कांशीराम की विचार धारा तथा बहुजन हिताय बहुजन सुखाय को आगे बढाने को राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय रतन सिंह, प्रदेश संयोजक डॉ कुलदीप भार्गव की संस्तुति से संजय कुमार गौतम पुत्र रामसवारे निवासी धौहाई पुरवा इटवां फोन नं 926667958 को चित्रकूट का जिलाध्यक्ष नामित किया है। उनके चित्रकूट जिलाध्यक्ष नामित होने पर तमाम लोगों ने बधाइयां दी हैं। बधाई देने वालों में दिनेश कुमार सनेही, राहुल अम्बेडकर, इन्द्रभान अम्बेडकर, राजेन्द्र पाण्डेय पत्रकार, सत्यप्रकाश द्विवेदी, लवकुश श्रीवास, संजय सिंह राणा व राजेश कुमार रैकवार, मुन्नालाल आदि शामिल रहे।

राष्ट्रपति भवन दरबार और अशोक हॉल का नाम बदला

⇨ अब गणतंत्र मंडप व अशोक मंडप के नाम से जाने जाएंगे

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता कन्हैया कुमार सिंह

जमुई पटना - भारत के राष्ट्रपति का कार्यालय और निवास राष्ट्र का प्रतीक है और लोगों की अमूल्य विरासत है। इसे लोगों के लिए और अधिक सुलभ बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। राष्ट्रपति भवन के माहौल को भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों और लोकाचारों को प्रतिबिंबित करने वाला बनाने का लगातार प्रयास किया जा रहा है। इसी संदर्भ में राष्ट्रपति भवन के दो महत्वपूर्ण हॉल यथा 'दरबार हॉल% और 'अशोक हॉल% का नाम बदलकर अब 'गणतंत्र मंडप% और 'अशोक मंडप% कर दिया गया है। 'दरबार हॉल% में कई बड़े आयोजन होते रहे हैं। राष्ट्रीय पुरस्कारों की प्रस्तुति जैसे महत्वपूर्ण समारोहों का यह स्थान रहा है। 'दरबार% शब्द से भारतीय शासकों , राजा-महाराजाओं और अंग्रेजों के दरबार और सभाओं का आभास मिलता है। सरकार ने कहा भारत के गणतंत्र बनने के बाद इसकी प्रासंगिकता खत्म हो गई है। %गणतंत्र% की अवधारणा प्राचीन काल से ही भारतीय समाज में गहराई से निहित है , इसलिए दरबार हॉल का नाम बदलकर %गणतंत्र मंडप% कर दिया गया है। बड़े आयोजन स्थल के लिए यह एक उपयुक्त नाम है। अशोक हॉल% मूल रूप से एक बॉलरूम था। %अशोक% शब्द का अर्थ है वह व्यक्ति जो सभी दुखों से मुक्त या किसी भी दुख से रहित हो। साथ ही %अशोक% सम्राट अशोक को संदर्भित करता है , जो एकता और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व का प्रतीक है। भारतीय गणराज्य का राष्ट्रीय प्रतीक सारनाथ में अशोक का शेर शीर्ष पर है। यह शब्द अशोक वृक्ष को भी संदर्भित करता है , जिसका भारतीय धार्मिक परंपराओं के साथ-साथ कला और संस्कृति से भी गहरा महत्व है। %अशोक हॉल% का नाम बदलकर %अशोक मंडप% करने से भाषा में एकरूपता आती है और %अशोक% शब्द से जुड़े प्रमुख मूल्यों को बनाए रखते हुए अंग्रेजीकरण के निशान मिट जाते हैं।

गौरी व्रत में कन्याओं ने किया जागरण

चित्रकूट, ब्यूरो। परमहंस संत श्री रणछोड़दास जी महाराज की तपस्थली बड़ीगुफा जानकीकुंड स्थित रघुवीर मन्दिर में गौरी-जया-पार्वती व्रत में 125 कन्याओं ने सहभागिता की। आषाढ़ शुक्ल त्रयोदशी से श्रावण कृष्ण द्वितीया तक पांच दिवसीय व्रत को ट्रस्ट चार दशक से मना रहा है। महिला समिति अध्यक्ष ऊषा जैन ने बताया कि ये व्रत गुजरात में भारी तादाद में मनाया जाता है। चित्रकूट में इस व्रत की शुरुवात स्व अरविन्द भाई मफ्तलाल व स्व श्रीमती सुशीलाबेन मफ्तलाल की प्रेरणा से हुई थी। गुरुवार को उन्होंने बताया कि ये परम्परा आज भी कायम है। इस व्रत की महत्ता बताते हुए त्रेता युग में मां जानकी गौरी पूजन करने जा रही थी, तभी एक सखी ने मां जानकी को बताया कि फुलवारी में दो सुंदर राजकुमार आये हैं। उन्हें देखने की लालसा से मां जानकी फुलवारी पहुंची। भगवान राम पर नजर पड़ते ही मां गौरी पूजन कर प्रार्थना करती है कि भगवान राम ही उन्हें पति रूप में मिले। मां गौरी उन्हें आशीर्वाद देती हैं कि भगवान राम तुम्हे पति रूप में मिलेंगे। तब से ये व्रत अविवाहित कन्यायें करती हैं। इस व्रत से हिंदू सनातन धर्म को आने वाली पीढ़ियां जानेंगी। प्रतिवर्ष इसकी तादाद बढ रही है। व्रत के अन्तिम चरण में माता गौरी-पार्वती की आराधना में रात्रि जागरण व धार्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं। इस वर्ष विद्याधाम सभागार में गुरुभाई-बहनों व सदगुरु परिवार सदस्यों की मौजूदगी में कार्यक्रम हुए।

किसानों को लाभ देने की दें सूची : जिलाधिकारी

डीएम ने की कृषि योजनाओं की समीक्षा

चित्रकूट, ब्यूरो। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने आत्मा शासी निकाय की बैठक में सबमिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन योजना, डिस्ट्रिक एग्रीकल्चर एक्शन प्लान, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन की प्रगति, नेशनल मिशन ऑन एडबिल ऑयल सीड की प्रगति, परंपरागत कृषि विकास, प्राकृतिक खेती कार्य, सब मिशन आंन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन व प्रमोशन आफ एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन फार इनसीटू मैनेजमेंट ऑफ क्राप रेजीडेंस योजना, उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार, प्रशिक्षित कृषि उद्यमी स्वावलंबन, भूमि संरक्षण एनएमएसए के तहत आरएडी राष्ट्रीय सतत कृषि मिशन योजनाओं की समीक्षा की। गुरुवार को कलेक्टेज्ट सभागार में बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीएम को उपनिदेशक कृषि ने बताया कि फसलों के उत्पादन को बढ़ावा देने व किसानों को लाभ पहुंचाने की गरज से पशुपालन, उद्यान, मत्स्य, कृषि से लाभ दिलाया जा रहा है। उन्होंने डीडीए कृषि से कहा कि आत्मा योजना से पिछले वर्षों में कितने किसानों को योजनाओं का लाभ दिया है। उसमें किसानों को क्या लाभ हुआ, विवरण दें। इस वर्ष जो कार्य योजना बन रही है, उसमें ब्लॉक वार, ग्राम वार किसानों के नाम समेत सूची दें। जिन योजनाओं से किसानों को लाभ दिया जाना है, प्रचार करायें। मिलेट्स के तहत जिन किसानों को मिनीकिट देना है, सही ढंग से वितरण होना चाहिए। भूमि संरक्षण अधिकारियों को निर्देश दिये कि विभागीय योजनाओं का लाभ किसानों को दिलायें। जिन किसानों का चयन करें, पारदर्शी ढंग से करें।

परिवार परामर्श केन्द्र ने दम्पति में कराई सुलह

चित्रकूट, ब्यूरो। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर पुलिस कार्यालय परिवार परामर्श केन्द्र में पुलिस ने आपसी पारिवारिक विवाद समाप्त कराकर एक दम्पति में सुलह कराई।

गुरुवार को पहाडी थाने के सपहा गांव की श्रीमती प्रेमा देवी पुत्री मैका ने पुलिस अधीक्षक को सौंपे पत्र में कहा कि पति विष्णू देउंधा थाना रैपुरा व ससुरालीजन गाली-गलौज, मारपीट, लड़ाई-झगड़ा कर प्रताड़ित कर दहेज की मांग करते हैं। एसपी ने पत्र निस्तारण को प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र भेजा।

कोचिंग सेंटरों की हुई पड़ताल, बिना मानक मिले तीन सेंटर

नरैनी, (संवाददाता)। जिला विद्यालय निरीक्षक के निर्देशानुसार नोडल अधिकारियों द्वारा कस्बा में संचालित कोचिंग सेंटरों का निरीक्षण किया गया जिसमे तीन सेंटर मानक विहीन पाए गए। निरीक्षण की सूचना लगते ही अन्य कोचिंग सेंटर बंद कर भाग गए। अवैध रूप से संचालित कोचिंग सेंटरों की रोकथाम हेतु नामित नोडल अधिकारी शिवेंद्र प्रताप सिंह व महेश्वर द्वारा कस्बा में संचालित तीन सेंटरों का निरीक्षण किया गया जो मानक विहीन पाए गए। सूचना मिलते ही अन्य कोचिंग सेंटर अपना संस्थान बंद कर भाग गए। नोडल अधिकारी ने बताया कि कोचिंग सेंटर संचालक रोहित के यहां कक्षा 12 के संचालित कोचिंग को पाया गया अपनी योग्यता बी एस सी मैथ बताया जबकि योग्यता एम एस सी होनी चाहिए कोचिंग सेंटर पंजीकृत नहीं है छात्रों के लिए पानी, शौचालय की कोई व्यवस्था नहीं है। इसी प्रकार एन एस कोचिंग सेंटर संचालक श्याम दीक्षित द्वारा एम एस सी रसायन विज्ञान बताया गया लेकिन शैक्षिक योग्यता संबंधी कोई अभिलेष नही दिखाएं जबकि कोचिंग का पंजीकरण श्रीमती रानी दीक्षित एमए , डीएड के नाम है जबकि कोचिंग रसायन विज्ञान की संचालित पाई गई। इसी प्रकार जे के क्लासेस कोचिंग सेंटर कालिंजर रोड संचालक जुगुल किशोर का पंजीकरण नही है कक्षा 9 वा 1 के छात्रों को पढ़ाते पाया गया बैठने की व्यवस्था मानक से अधिक पाया गया।

मॉक ड्रिल के जरिए बताया, बाढ़ में डूबने से कैसे बचें

⇨ केन नदी घाट पर किया गया मेगा मॉक एक्सरसाइज का आयोजन

बांदा, (संवाददाता)। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण भारत सरकार व उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्राधिकरण के निर्देश पर मेगा मॉक एक्सरसाइज का आयोजन एडीएम राजेश कुमार की उपस्थिति में भूरागढ़ के केन नदी घाट पर बाढ़ के समय बचाव किए जाने का मॉक ड्रिल किया गया। मॉक ड्रिल के समय बाढ़ की आपदा की स्थिति उत्पन्न होने पर डूबने से बचाव करने के उपाय के साथ उसको प्राथमिक उपचार कर एंबुलेंस के माध्यम से प्राथमिक चिकित्सा केंद्र में भेजे जाने की व्यवस्था की गई। बाढ़ के समय लोगों को बचाव के उपाय के प्रति जागरुक करते हुए, जिन स्थानों पर बाढ़ आ रही है, उन स्थानों को छोड़कर ऊंचे जगहो वाले स्थान में जाने तथा राहत कैंपों में जाने के लिए निर्देशित वजागरूक भी किया गया। बाढ़ के समय बचाव के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं मोटर बोट, पुलिस, दमकल, डॉक्टरों की टीम सहित अन्य सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई। विश्व ड्राउनी प्रिवेन्सन दिवस के अवसर पर पंडित जेएन पीजी कालेज में मॉक एक्सरसाइज का आयोजन आपदा प्रबन्धन विभाग के सौजन्य से मनाया गया। इस मौके पर जनपद के विभिन्न विभागों द्वारा अपने-अपने विभाग से सम्बन्धित बैनर, पोस्टर लगाकर जनता को बाढ़ विभीषिका से बचाव के लिए सम्बन्धित विभागों द्वारा किये जाने वाले बाढ़ उपायों के सम्बन्ध में जनता को अवगत कराया गया कि बाढ़ के समय इनको इन विभागों द्वारा किस प्रकार की सुविधायें मुहैया कराई जाएगी। मॉक एक्सरसाइज के मौके पर पंचायतीराज व ग्राम विकास में साफ-सफाई, दवा छिड़कॉव का प्रदर्शन किया गया। बाढ़ से बचाव के बारे में जानकारी करायी गयी। कृषि विभाग द्वारा फसलों के बचाव तथा फसल बीमा सम्बन्धी जानकारी करायी गयी। नगर निकाय द्वारा वर्षा के मौसम में जल निकासी तथा जलभराव रोके जाने सम्बन्धी जानकारी दी गयी। जिला पूर्ति विभाग द्वारा बाढ ग्रस्त क्षेत्रों में खाद्यान उपलब्ध कराये जाने तथा लाई, चना, गुड़, माचिस, मोमबत्ती उपलब्ध कराये जाने सम्बन्धी जानकारी करायी।

मुख्य विकास अधिकारी ने डीपीआरओ और एआईजी स्टाम्प कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

♦ फाइलों के रखरखाव को लेकर जताई नाराजगी

अमेठी। जनपद के मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल ने गुरुवार को जिला पंचायतराज अधिकारी कार्यालय और एआईजी स्टाम्प कार्यालय का औचक निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान पत्रावलियों के रखरखाव से नाराज सीडीओ ने अधिकारियों को सख्त हिदायत दी।इसके बाद सीडीओ ने एआईजी स्टाम्प कार्यालय का भी निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। गुरुवार को अमेठी मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल औचक निरीक्षण करने डीपीआरओ कार्यालय पहुँचे निरीक्षण के दौरान कार्यालय कक्ष की साफ सफाई की व्यवस्था संतोषजनक पाई गई लेकिन पत्रावली और अभिलेख का रखरखाव सुव्यवस्थित ढंग से नहीं था जिसे लेकर डीपीआरओ अमेठी

को निर्देशित किया गया कि तत्काल अभिलेख तथा पत्रावलियों को व्यवस्थित ढंग से संरक्षित करें तथा पत्रावलियों के संकेत भी अलमारी पर लगाना सुनिश्चित करें जिससे अभिलेख अथवा पत्रावली ट्रैकिंग में आसानी होगी।मुख्य विकास अधिकारी अमेठी द्वारा जिला पंचायत राज अधिकारी अमेठी को यह भी निर्देश दिए गए की कार्यालय में कार्यरत सभी कर्मचारियों का परिचय पत्र और कार्यालय का आईडी कार्ड जारी करे जिससे आम लोगों द्वारा उनकी पहचान में आसानी हो सके।इसके बाद सीडीओ ने सहायक महानिरीक्षक पंजीयन स्टाम्प कार्यालय अमेठी का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान श्रवण कुमार सिद्धार्थ सब रजिस्ट्रार अमेठी, दुर्गेश कुमार कंप्यूटर ऑपरेटर,शंकर दयाल शर्मा एमटीएस,राम प्रकाश गुप्ता एमटीएस उपस्थित रहे कार्यालय कक्ष की साफ सफाई की व्यवस्था संतोषजनक नहीं पाई गई जिसे लेकर तत्काल कक्ष साफ सफाई और अभिलेखों को सही ढंग से रखने का निर्देश दिया।

जिलाधिकारी से शिकायत के बाद जुड़ा सड़क पर पड़ा नंगा तार

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर - जिले के सिधौली कस्बा के मोहल्ला गांधीनगर में देर रात बिजली का तार बंदर के हिलने से रोड पर गिरा तीन घंटे तक रोड पर बिजली का तार नंगा पड़ा रहा।नगरवासियों ने विद्युत कर्मचारियों को फोन कर सूचना देने कोशिश की तो सीयूजी फोन नम्बर स्वीच आफ था। किसी बड़ी अनहोनी की आशंका को दृष्टिगत रखते हुए स्थानीय जागरूक लोग रात के अंधेरे में निकलने वाले लोगों ने बिजली के तारों से लोगों को सतर्क करते रहे और लगातार विद्युत कर्मचारियों को फोन मिलते रहे परन्तु कुंभकरण की नींद विद्युतकर्मी सोते रहे। नगर पंचायत अध्यक्ष गंगाराम राजपूत ने नगर पंचायत कर्मियों को मौके पर भेजा और विद्युत कर्मचारियो से बात करने का प्रयास किया परन्तु चेयरमैन का भी विद्युत कर्मियों पर कोई असर नहीं हो सका। कस्बे के पूर्व सभासद चंद्रबाबू रस्तोगी कुछ लोगों को लेकर पावर हाउस पहुचे गली में पड़े तारों को लाइन जुड़वाने का प्रयास किया। लेकिन असफल रहे। जब कस्बा वासी और स्थानीय प्रतिनिधियों के कोशिश के बावजूद कोई भी रिजल्ट प्राप्त नहीं हुआ तो कस्बा निवासी चंद्रशेखर प्रजापति ने इसकी शिकायत जिलाधिकारी अभिषेक आनंद को कर दी जब जिला अधिकारी के पास शिकायत पहुंची तब विद्युत कर्मी हरकत में आए और आनन-फानन लाइन जोड़ दी गई।

सड़क हादसों में पिता-पुत्री समेत तीन घायल

फतेहपुर, । जनपद के अलग-अलग थाना क्षेत्रों के अंतर्गत हुए सड़क हादसों के दौरान पिता-पुत्री समेत तीन लोग घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जहां एक की हालत गंभीर बनी हुई है। जानकारी के अनुसार जाफरगंज थाना क्षेत्र के रणमस्तपुर गांव निवासी धर्मपाल पुत्र राम आसरे अपनी 17 वर्षीय पुत्री अंजली को बाइक में बैठाकर बांदा जनपद के तिंदवारी दवा लेने जा रहा था। बताते हैं कि जैसे ही ये लोग थाने से गहरूखेड़ा के पास पहुंचे तभी अचानक सड़क पार कर रही नीलगाय से बाइक टकरा गई जिससे पिता-पुत्री घायल हो गए। इसी प्रकार बिंदकी कोतवाली क्षेत्र के बैरमपुर गांव निवासी दुर्गा प्रसाद का ३० वर्षीय पुत्र नीरज बाइक से शहर आ रहा था तभी मलवां थाना क्षेत्र के अल्हीपुर कैंची मोड़ के समीप ट्रक की चपेट में आ जाने से गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची सरकारी एंबुलेंस ने घायलों को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया।

हाई कोर्ट/ सुप्रीम कोर्ट में लंबित केसों एवं विभिन्न आयोग से संबंधित लंबित रिपोर्ट की समीक्षा की गई उपायुक्त की अध्यक्षता में

● उच्च न्यायालय में लंबित मामले समेत अन्य का समस्या निपटारा करें: उपायुक्त

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

धनबाद - उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में उच्च न्यायालय में लंबित केस, सर्वोच्च न्यायालय में लंबित केस एवं विभिन्न आयोगों से संबंधित लंबित रिपोर्ट की समीक्षात्मक बैठक समाहरणालय स्थित सभागार में की गई। बैठक में उच्च न्यायालय झारखंड में जिले के वादों को ससमय निबटारा के लिए उपायुक्त ने लंबित वादों की विभागवार व अंचलवार समीक्षा की। उपायुक्त ने कहा कि उच्च न्यायालय के मामलों को प्राथमिकता देते हुए निष्पादन के कार्य में तेजी लाई जाए। न्यायालय के लंबित मामलों में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने गंभीर और जटिल मामलों को अविलंब संज्ञान में देने की भी बात कही, ताकि ससमय उसका हल निकाला जा सके। इसके अलावा उपायुक्त ने सभी अंचलाधिकारियों को लंबित म्यूटेशन, लंबित भू मापी को जल्द निष्पादन हेतु भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। साथ ही सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा, सरकारी योजनाओं के लिए भूमि उपलब्ध कराने हेतु भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने अंचलाधिकारियों को सभी माइनिंग प्रोजेक्ट्स का निरीक्षण कर खनन क्षेत्र की एरिया मापी कर 5 अगस्त तक रिपोर्ट देने हेतु निर्देशित किया। बैठक में उप विकास आयुक्त सादात अनवर, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर हेमा प्रसाद, डीसीएलआर संतोष गुप्ता, डीएलएओ राम नारायण खलखो, खनन पदाधिकारी मिहिर सलकर, जिला शिक्षा अधीक्षक भूतनाथ रजवार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनीता कुजूर समेत सभी अंचल अधिकारी एवं विधि शाखा प्रभारी मौजूद रहे।

प्रधान प्रतिनिधि ने कार्य की क्षेत्र में हो रही प्रशंसा

महराजगंज रायबरेली। ग्राम प्रधान और उनके प्रतिनिधि ने किया ऐसा कार्य की चारों तरफ हो रही है प्रशंसा। बच्चों को गर्मी में निजात दिलाने के लिए ग्राम प्रधान दीपू एवं प्रधान प्रतिनिधि रणविजय सिंह एडवोकेट द्वारा अपनी ग्राम पंचायत मुरैनी में प्राथमिक विद्यालय मुरैनी में इनवर्टर बैटरी लगाई गई ।प्रतिनिधि रणविजय सिंह ने कहा कि इनवर्टर और बैटरी लगने से बच्चों को उमस भरी गर्मी से निजात मिलेगी और बच्चे शिक्षण कार्य अच्छे ढंग से कर सकेंगे ।जहां तक हो सकेगा मैं ग्राम पंचायत के विकास में कभी पीछे नहीं रहूंगा और कोशिश यही करता रहूंगा कि अधिक से अधिक विकास हो जिससे जनता को किसी प्रकार की दिक्कत न होने पाए। प्रधान प्रतिनिधि ने कहा कि ग्राम पंचायत मुरैनी के प्राथमिक विद्यालय खेरवा और डेपारमऊ में भी इनवर्टर और बैटरी लगाई जाएगी ।इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक धीरेंद्र सिंह, अजय पटेल, शशिकांत पाल सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया कारगिल विजय दिवस

मनोज पाण्डेय की शौर्य गाथा: वो वीर सपूत,जिसने कारगिल युद्ध में दुश्मन को सिखाया था सबक

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर - तीन जुलाई 1999 को रूढा गांव के मनोज पाण्डेय शहीद हुए थे। शहीद होने की सूचना मिली तो परिवार टूट गया था, लेकिन गर्व भी हुआ कि उनका बेटा मातृ भूमि की रक्षा करते शहीद हुआ कसमण्डा परमवीर चक्र विजेता अमर शहीद कैप्टन मनोज कुमार पाण्डेय के जन्म स्थान रुढा कमलापुर में बाइस यूपी बटालियन एनसीसी सीतापुर के नेतृत्व में कारगिल विजय दिवस बड़े हर्षो उल्लास के साथ मनाया गया। बाइस बटालियन के एनसीसी कैडेट के द्वारा कैप्टन मनोज पाण्डेय के कारगिल युद्ध में अदम्य साहस से कारगिल युद्ध फतह किया कैप्टन पांडे के संस्मरण को याद दिलाते हुए छात्र- छात्राओं ने विजय दिवस से सम्बन्धित देशभक्ति का जज्बा लेकर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की एकत्र जनता ने भूरि भूरि प्रशंसा की ग्रुप कमांडर लखनऊ के ब्रिगेडियर नीरज पुणे के दिशा निर्देशन में कमांडिंग आफिसर कर्नल गौरव सिंघल एवं सूबेदार मेजर मनोज कुमार सिंह ने रोथ सेरोमनी के माध्यम से कार्यक्रम का शुभारंभ किया बटालियन की समस्त आई टीम ने पूरी व्यवस्था बनाने में पूरा सहयोग प्रदान किया कार्यक्रम के समापन पर शहीद पार्क व अमृत वाटिका मे पौधरोपण किया गया। इस मौके पर थाना प्रभारी कमलापुर प्रदीप कुमार सिंह कैप्टन मनोज पाण्डेय के चाचा कौशल चंद पाण्डेय, अमित कुमार पाण्डेय भाजपा मण्डल अध्यक्ष कमलापुर आशुतोष मिश्र,प्रधान प्रति निधि नवनीत मिश्र,सचिव विवेक कुमार,टी ए कृषि- विभाग मोहित तिवारी पंचायत मित्र अरविंद सिंह चौहान,आदर्श पाण्डेय,पुत्ती लाल,विनोद कुमार सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

हाइवा ने आउटसोर्सिंग कैंप के गेट पर काम मांगने आए सुरज माली को कुचला मौत

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

धनबाद - काम मांगने गया मौत गले लगी, हाइवा ने बेरोजगार युवक को कुचला हुइ मौत, लोदना में शुक्रवार को सुरज माली पिता बीरेंद्र माली आयु 29 वर्ष भूली क्वार्टर तीन नं का रहने वाला सुसी आउटसोर्सिंग के पेटी कोनटेक्टर एटी देव प्रभा कंपनी में काम करता था। इधर कुछ दिनो से कंपनी उसे काम से बैठा दिया था वह विगत दस दिनों से काम मांगने के लिए आता था।उसी क्रम में गेट पर आया था। उसी द्रव्यमान हैवा आ गया और उसे कुचल गया। सूरज को दो लड़की और एक लड़का है। बताया जाता है कि जिस समय यह घटना घटी उस समय आउटसोर्सिंग के मालिक कुंभ नाथ सिंह कैंप में उपस्थित थे। आक्रोशित ग्रामीणों ने तीन हाइवा में आग लगा दिया तथा कुछ मशीनों का शीशा फोड़ दिया। इससे कंपनी को लाखों का नुक्सान हुआ है। ईस घटना को लेकर ग्रामीणों में काफी उवाल है। परिवार वाले डेड बॉडी की मांग कर रहे हैं। पुलिस दल बल के साथ शान्ति कायम करने में लगी हुइ है। समाचार लिखे जाने तक किसी के नाम पर ना एफआईआर हुआ है और न किसी की गिरफ्तारी हुई है , स्थिति नियंत्रण में शांतिपूर्ण है

ग्राहक सेवा केंद्र संचालक से लूट और जानलेवा हमले के तीन आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

अमेठी। जनपद के जगदीशपुर कोतवाली क्षेत्र में तीन दिन पहले ग्राहक सेवा केंद्र संचालक से तीन लाख ८० हजार रुपए की लूट और जानलेवा हमले का पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा कर दिया।घटना में शामिल तीन अभियुक्तों को पुलिस ने गिरफ्तार कर करीब एक लाख ९० हजार रुपए,घटना में प्रयुक्त दो कारों और एक मोटरसाइकिल को बरामद किया है।घटना में शामिल मुख्य अभियुक्त अनिल मिश्र अभी भी फरार है जिसकी तलाश में पुलिस जुटी हुई है।एसपी अनूप सिंह ने मामले का खुलासा किया है। पूरा मामला जगदीशपुर कोतवाली क्षेत्र के महमदपुर गांव के पास का है जहाँ 22 जुलाई की शाम पैसा निकालकर कार से घर जा रहे एसबीआई के ग्राहक सेवा केंद्र संचालक सर्वेश शुक्ला पर कार के अंदर चाकुओं से ताबड़तोड़ हमला कर 3 लाख ८० हजार रुपए लूट लिया गया था।घटना को अंजाम देने के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए।घटना के बाद एसओजी समेत पुलिस की कई टीमें आरोपियों की गिरफ्तारी में जुटी हुई थी।देर रात पुलिस आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही थी तभी पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि घटना में शामिल तीन अभियुक्त एक मोटरसाइकिल और कार से जामो रोड से सुल्तानपुर की तरफ जा रहे थे।मुखबिर की सूचना पर हरकत में आई पुलिस टीम ने मौके से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।घटना में शामिल मुख्य अभियुक्त अनिल मिश्र अभी भी फरार है जिसकी तलाश में पुलिस ताबड़तोड़ छापेमारी कर रही है।पुलिस की पूछताछ में अभियुक्त देवराज और बाल अपचारी ने बताया कि सर्वेश शुक्ल एसबीआई की फ्रेंचाइजी चलाते है जो अक्सर पैसे लेकर आया जाया करते थे।हम लोगों ने योजना बनाई की सर्वेश की हत्या कर पैसे को लूट लेंगे।इसी योजना के तहत हम लोगों ने सर्वेश शुक्ला को फोर्ड फीगो कार पर बैठाकर एसबीआई बैंक जगदीशपुर गए और बैंक से पैसा निकालकर वापस आते समय चाकू से हमला कर 3 लाख ८० हजार लूटकर फरार हो गए।घटना के बाद अनिल मिश्र का भांजा शुभम हम लोगों को मोटरसाइकिल पर बैठाकर बिजेथुआ महावीरन के पास ले जाकर छोड़ दिया।गिरफ्तार अभियुक्त देवराज के पास से ३० हजार रुपए,शुभम मिश्र के पास से 22 हजार रुपए और बाल अपचारी के पास से ९० हजार रुपए बरामद हुए।जबकि लूट के रुपयों से ख़रीदे गये मोबाइल फोन,स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ और एक ईयरफोन बरामद हुआ है।घटना में प्रयुक्त एक फोर्ड फीगो कार, एक स्विफ्ट डिजायर कार और एक मोटरसाइकिल भी बरामद हुई है।गुरुवार को घटना का खुलासा करते हुए एसपी अनूप सिंह ने कहा कि तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और घटना में प्रयुक्त दो कारो, एक मोटरसाइकिल को भी बरामद किया गया है।मुख्य आरोपी अनिल मिश्र अभी फरार है जिसकी तलाश में पुलिस की कई टीमें जुटी हुई है।

मामूली विवाद के बाद दबंगों ने दुकान में की कई राउंड फायरिंग

⇨ तमंचा और जिन्दा कारतूस के साथ दो आरोपी गिरफ्तार
⇨ शराब पीने से मना करने पर दबंगो ने मचाया था तांडव

अमेठी। जनपद के थाना रामगंज क्षेत्र में दो दिन पहले मामूली विवाद के बाद दुकान में ताबड़तोड़ फायरिंग कर बाजार में दहशत फैलाने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।आरोपियों के पास से एक तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ।दो दिन शराब के नशे में धुत दबंगो ने दुकान में फायरिंग कर दहशत फैलाई थी।पूरा मामला अयोध्या प्रयागराज हाइवे स्थित रामगंज बाजार का है जहाँ दो दिन पहले कई दबंग पान की दुकान का संचालन करने वाले विकास मिश्रा की दुकान पर पहुँचे और जबरन शराब पीने लगे।विकास ने जब ऐसा करने से मना किया तो दबंगो ने अवैध असलहों से दुकान के अंदर फायरिंग कर दी।फायरिंग की आवाज सुन आसपास लोग दौड़े तो दबंगो ने दहशत फैलाते हुए कई राउंड फायरिंग की और मौके से फरार हो गए।घटना के बाद रामगंज थाने में सम्बंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर पुलिस आरोपियों की तलाश शुरू कर दी।गुरुवार दोपहर पुलिस ने घटना में शामिल प्रवेश पाल और विशाल वर्मा को उनके गांव के पास से गिरफ्तार किया।आरोपियों के पास से एक तमंचा और एक जिंदा कारतूस भी बरामद हुआ।

असम के चराइ देव मैदाम को विश्व धरोहर स्थल की मान्यता मिली- यूनेस्को ने आधिकारिक तौर पर किया नई दिल्ली में घोषणा

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता पंकज नाथ

असम - चराइदेव जिले में स्थित चराइदेव मैदाम को विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता दी गई है। यूनेस्को ने आज शुक्रवार को नई दिल्ली से आधिकारिक तौर पर यह मान्यता दी। चराइदेव जिले के चराइदेव मैदाम आज से राज्य में तीसरा विश्व धरोहर स्थल बन गया है। चराइदेव मैदाम असम में तीसरा विरासत स्थल बन गया और चराइदेव मैदाम को काजीरंगा और मानाह के बाद यह दुर्लभ मान्यता मिली। असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत बिस्वा सरमा ने गुरुवार को सोशल मीडिया के जरिए असम के लोगों को इस बारे में जानकारी दिया था । मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोशल मीडिया पर लिखा कि चराइदेव मैदाम को यूनेस्को की मान्यता के बाद असम के लोगों के लिए मील का पत्थर होगी। हम आधिकारिक घोषणा का इंतजार कर रहे हैं। आइए हम इस यादगार पल का गवाह बनने के लिए एक साथ आएं, आइए हम अपनी समृद्ध विरासत और गौरव का जश्न मनाएं। कल सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री की टिप्पणी के बाद, आज नई दिल्ली में आयोजित विश्व धरोहर समिति की बैठक में औपचारिक रूप से चराईदेव मैदाम को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया। नई दिल्ली में यूनेस्को के अधिकारियों द्वारा औपचारिक रूप से चराइदेव मैदाम को विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता दिए जाने की घोषणा के बाद इस खबर ने हर असमिया को गौरवान्वित कर दिया है।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने किया समगरा पंप केनाल का निरीक्षण

⇨ अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए दिए आवश्यक निर्देश ⇨ किसानों को न होने पाए पानी की कमी, धान रोपाई न हो बाधित

बबेरू, (संवाददाता)। हालांकि इंद्रदेव मेहरबान हैं, लेकिन समय से बारिश न होने की वजह से किसानों को धान रोपाई में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। गुरुवार को जिला पंचायत अध्यक्ष सुनील पटेल ने समगरा पंप केनाल का निरीक्षण किया। इसके साथ ही केनाल में ही अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पंप केनाल से किसानों को पर्याप्त पानी पहुंचाया जाए ताकि किसी भी दशा में धान की रोपाई बाधित न हो। इसके साथ ही तमाम समस्याओं को भी जिला पंचायत अध्यक्ष ने सुना। गौरतलब हो कि समगरा पंप केनाल से सैकड़ों गांवों के किसानों को पानी की आपूर्ति की जाती है। इस पानी से किसान अपने खेतों की सिंचाई करता है और फसल उगाता है। इन दिनों बारिश तो हो रही है, लेकिन समय के मुताबिक पानी न मिलने की वजह से किसानों को धान रोपाई में परेशानियो का सामना करना पड़ रहा है। इस पर जिला पंचायत अध्यक्ष ने समगरा पंप केनाल का निरीक्षण किया। किसानों को समय से पानी देने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों के साथ बैठक की। कहा कि वर्तमान में धान के पौध की रोपाई हो रही है। किसानों को पानी समय से पानी दिया जाए ताकि धान रोपाई में परेशानी न हो। निरीक्षण के दौरान सहायक अभियंता केन कैनाल विनय कुमार मिश्रा, सहायक अभियंता लघु डाल, सारिका सिंह, अवर अभियन्ता केन कैनाल चंद्रप्रकाश, दिलीप सिंह, सींच पयवेक्षक कुलदीप मौजूद रहे।

दोबारा गंदगी मिली तो होगी कठोर कार्रवाई: एसडीएम

बांदा, (संवाददाता)। गुरुवार को उप जिलाधिकारी ने बबेरू सामुदायिक स्वस्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान कई स्थानों पर गंदगी पाए जाने पर नाराजगी जाहिर की। उप जिलाधिकारी के निरीक्षण में दो वार्ड आया गैरहाजिर मिलीं, इस पर एसडीएम ने कहा कि काम में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। कहा कि दोबारा गंदगी सीएचसी में मिली जो जिम्मेदार के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उपजिलाधिकारी नमन मेहता सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण करने पहुंच गए । उन्हे देख अस्पताल में अफरा तफरी मच गई। उन्होंने इमरजेंसी कक्ष,ओपीडी , पर्चा काउंटर, पैथोलॉजी, एचआईवी कक्ष, डॉटस सेंटर ,कोल्ड चैन प्वाईन्टर , एक्स-रे रूम, लेबर रूम , स्टॉक रूम के अलावा उपस्थित रजिस्टर का निरीक्षण किया। चीफ फार्मासिस्ट सुखनिधान से दवा के बारे में जानकारी लेने के साथ स्टॉक को भी देखा, पैथोलॉजी रजिस्टर कई महीने से सत्यापित नहीं था नाराजगी जाहिर कर प्रति दिन सत्यापित किए जाने को कहा । लेबर रूम में मरीजों से उनके भोजन के बारे में जानकारी ली। अस्पताल के अंदर व बाहर गंदगी देख अ गुटका खाकर दिवाल में थूकने वालो के खिलाफ कार्यवाही तो करे ही साथ जुर्माना भी लगाएं। गंदगी मिली तो कार्यवाही के लिए तैयार रहे।

राजकुमार ने आवाज बुलंद करना सिखाया, घरवाले चाहते थे मैं सीए बनूं पर फिर सिटीलाइट्सश् मिल गई

सिटीलाइट्स से फिल्मी पारी की शुरुआत करने वाली पत्रलेखा इन दिनों व्ज्ज् पर फिल्म श्वाइल्ड वाइल्ड पंजाबश् में नजर आ रही हैं। बातचीत में पत्रलेखा ने बताया कि उनका परिवार उन्हें ब। बनाना चाहता था, लेकिन तभी उन्हें डेब्यू फिल्म ऑफर हुई थी। एक्ट्रेस ने पति राजकुमार राव से अपने रिश्ते पर भी दिलचस्प बातें बताई हैं। पढ़ें पूरा इंटरव्यू-पत्रलेखा को उनका परिवार ब। बनाना चाहता था, मगर उनकी किस्मत उन्हें अभिनय के क्षेत्र में ले आई। हंसल मेहता की शिसटीलाइट्सश् जैसी फिल्म में राजकुमार राव के साथ अपने करियर की शुरुआत करने वाली पत्रलेखा के करियर के कुछ साल उतने अच्छे साबित नहीं हुए, मगर अब वे पूरे जोश-ओ-खरोश के साथ मनोरंजन जगत में सक्रिय हैं। व्ज्ज् पर आई हालिया श्वाइल्ड वाइल्ड पंजाबश् के बाद वो शगुलकंदश, शफुलेश् और श्आईसी 814श् जैसे प्रोजेक्ट में दिखेंगी। शनवभारत टाइम्सश् से खास मुलाकात में उन्होंने अपने करियर के उतार-चढ़ाव, महिला संबंधी मुद्दों और अभिनेता पति राजकुमार राव के बारे में बड़ी दिलचस्प बातें बताई हैं।

शिसटीलाइट्सश् फिल्म से आपने अच्छी शुरुआत की थी, आपकी फिल्म को सराहना भी मिली, मगर फिर बीच में लंबा गैप क्यों हो गया?

- मैं लगातार काम तो करती गई, मगर बात बनी नहीं उन फिल्मों में। शिसटीलाइट्सश् के बाद मुझे उस तरह का दमदार काम भी नहीं मिला। मेरे पास बहुत ज्यादा ऑप्शंस नहीं थे, इसके बावजूद मैं काम करती गई। फिर आ गया पेंडेमिक, मगर पेंडेमिक मेरे लिए काफी फायदेमंद रहा, क्योंकि उसी दौरान ओटीटी का उदय हो रहा था। तब काफी शोज और मूवीज बन रही थीं और मैंने जमकर काम किया। और अब सब एक-एक करके स्ट्रीम और रिलीज होने की कगार पर हैं।

सुना है कि आपके घरवाले आपको ब। बनाना चाहते थे, मगर फिर आप अभिनय के क्षेत्र में आ गईं?

- मेरे डैड सीए थे, तो वे चाहते थे कि मैं उनके ऑफिस का कार्यभार संभालूं। असल में मैं मैथ और अकाउंट्स में भी काफी अच्छी थी। मेरा मन भी था कि डैड की विरासत को आगे बढ़ाऊं, मगर मैं उस दिशा में जा नहीं पाई। मुझे लगता है किस्मत भी एक चीज होती है। जब मैंने पापा के सामने अभिनेत्री बनने की इच्छा जाहिर की, तो उन्हें शुरुआत में थोड़ा बुरा जरूर लगा, मगर जब मुझे विज्ञापन फिल्मों में काम मिलने लगा, तो उन्हें लगा कि 2-3 साल काम कर लूं और इस क्षेत्र में अगर बात नहीं बनी, तो सीए का एग्जाम दे दूं। मगर उसी दौरान मुझे अपनी पहली फिल्म शिसटीलाइट्सश् मिल गई और मेरा अभिनय का सफर शुरू हो गया।

पहली फिल्म के लिए मुझे 3-4 लाख रुपये की फीस मिली थी

एक आउटसाइडर होने के नाते आपको इंडस्ट्री में किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा?

- बहुत ज्यादा दिक्कतें आईं, क्योंकि मुझे पता ही नहीं था कि इंडस्ट्री में कैसे काम किया जाता है? जब मुझे अपनी पहली फिल्म मिली, तब मुझे पता नहीं था कि पीआर (पब्लिक रिलेशन) क्या होता है। तब पैसे भी नहीं थे। अपनी पहली फिल्म में मुझे कुछ तीन-चार लाख रुपये मिले थे। मैं यहां किसी को जानती नहीं थी। मैं ऐसा नहीं कहूंगी कि इनसाइडर के चौलेंज नहीं होते। उनकी अपनी दिक्कतें होती हैं। अगर मैं अपनी बात करूं, तो एक तरह से मैं खुशकिस्मत थी। मेरे मम्मी-पापा के पास घर था। मुझे रूम शेयर नहीं करना पड़ा, ना ही खाने के लाले पड़े।

आपके लिए ऑडिशन और रिजेक्शन का दौर कैसा था?

- मैं तो अभी भी ऑडिशन देती हूं और मैं अभी भी रिजेक्ट होती हूं। मगर इसमें मुझे बुरा नहीं लगता। मुझे लगता है कि ये तो मेरा काम है। मैं एक अभिनेत्री हूं और ऐसा नहीं है कि निर्देशक मुझ पर विश्वास नहीं करते, मगर हर किरदार का एक लुक होता है और उस पैमाने पर मैं खरी उतरती हूं या नहीं, ये अलग बात है। वैसे मुझे ऑडिशन देने में बहुत मजा आता है। मुझे तो अब तक जितना भी काम मिला है, ऑडिशन के जरिए ही मिला है। मुझे कभी किसी निर्देशक ने बुला कर ये नहीं कहा कि पत्रा ये रोल तुम्हारे लिए है। जब फिल्में नहीं चलतीं या फिर हमारी सीरीज नहीं देखी जाती, तब बुरा लगता है।

आपके करियर का सबसे मुश्किल दौर और अच्छा दौर कौन-सा था?

- मेरे करियर का सबसे मुश्किल दौर था शिसटीलाइट्सश् के बाद के पांच साल। जब मेरे पास कोई काम नहीं था। न तो मुझे कोई काम दे रहा था, न ही कुछ क्लिक हो रहा था। सब यही कहते रहते थे कि तुम अच्छी एक्ट्रेस हो, मगर समझ में नहीं आता कि तुम्हारे साथ क्या करें? असल में उन्हें मुझे कास्ट ही नहीं करना था। अच्छा दौर, तो पिछले 2-3 साल से रहा है, जहां मैं लगातार काम कर रही थी। मुझे लगता है कि आपकी कड़ी मेहनत और फोकस कभी बेकार नहीं जाती। एक न एक दिन तो तीर निशाने पर लगता ही है।

लड़कियों और औरतों को लेकर आपको सबसे ज्यादा क्या बात परेशान करती है?

- मुझे सबसे ज्यादा गुस्सा तब आता है, जब मैं छोटी बच्चियों के रेप के बारे में सुनती हूं। जब मुझे लड़कियों के मोलेस्टेशन के बारे में पता चलता है। जब मैं सुनती हूं कि उनका बलात्कार कर उन्हें मार दिया गया है। ये सब चीजें मुझे बहुत ज्यादा भारी लगता है। औरतों के साथ होने वाली घरेलू हिंसा भी बहुत बुरी चीज है, मगर उसमें से निकला जा सकता है, पर बच्चियों के साथ होने वाला अन्याय मैं बर्दाश्त नहीं कर पाती।

लड़की होने के नाते आपको सबसे ज्यादा हीनता का अहसास कब होता है?

- जब उन्हें रिस्पेक्ट नहीं मिलती। जब मैं छोटी थी और रास्ते से जा रही होती थी, तब लोग सीटी मारे या धक्का मार कर चले जाएं या घेर लें। तब मुझे शर्म आती थी कि मैं उन्हें पलट कर कुछ बोलूं। राज (उनके अभिनेता पति राजकुमार राव) ने मुझे बताया था कि कभी मेरे साथ ऐसा हो, तो उसी वक्त चिल्लाकर रिएक्ट करूं। ताकि आइंदा वो और किसी के साथ ऐसा करने की हिम्मत न करें। जब से राज ने मुझे ये समझाया कि मैं पलटकर बोला करूं, तब से मेरी जिंदगी में काफी कुछ बदल गया। अब जब मैं किसी सिचुएशन में असहज होती हूं या मुझे ठीक नहीं लगता, मैं अपनी आवाज बुलंद करती हूं। आपको अपने लिए स्टैंड लेना ही पड़ेगा।

आप और राजकुमार राव पति-पत्नी होने के नाते एक-दूसरे को परिपूर्ण कैसे करते हैं?

- हम दोनों एक-दूसरे के सबसे बड़े सपोर्टर हैं। उनकी कामयाबी मेरी कामयाबी है। मेरी सफलता उनकी सफलता है, ठीक उसी तरह उनका फेल्योर मेरा है और मेरा उनका। हमारा सब कुछ साझा है। हम लोग गाड़ी के दो पहियों की तरह हैं।

'डेढ़ साल तक नहीं मिला था काम'

राधिका मदान ने इरफ़ान खान के साथ अंग्रेज़ी मीडियम में काम करने के दौरान अपने सबसे बड़े अफ़सोस का खुलासा किया राधिका मदान हाल ही में अक्षय कुमार के साथ सुधा कोंगरा की सरफिरा में नज़र आईं। अभिनेत्री ने फ़िल्म में रानी का किरदार निभाया है और अपने अभिनय के लिए उन्हें प्रशंसा मिली है। राधिका मदान ने टेलीविज़न

इंडस्ट्री से शुरुआत की और मर्द को दर्द नहीं होता, पटाखा, अंग्रेज़ी मीडियम, सजनी शिंदे का वायरल वीडियो जैसी फ़िल्मों में काम किया। अभिनेत्री डिज़्नी+ हॉटस्टार सीरीज़ सास बहू और फ्लेमिंगो में भी नज़र आईं। एक इंटरव्यू में, अभिनेत्री ने अंग्रेज़ी मीडियम फ़िल्म में इरफ़ान खान के साथ काम करने के बारे में खुलकर बात की। अंग्रेज़ी मीडियम इरफ़ान खान की आखिरी फ़िल्म थी, जो 2020 में रिलीज़ हुई थी। अभिनेता इरफान खान का 29 अप्रैल, 2020 को निधन हो गया। टाइम्स ऑफ़ इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में, राधिका मदान ने दिवंगत अभिनेता के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा किया। मदान ने स्वीकार किया कि उन्हें लाइफ़ ऑफ़ पाई अभिनेता इरफान खान से ज़्यादा बात न करने का पछतावा है। अभिनेत्री हाल ही में एक दोस्त को फिल्म दिखा रही थी और सोच रही थी कि क्या वह फिर कभी ऐसा कुछ कर पाएगी। इसके अलावा, इरफ़ान खान के बारे में, राधिका मदान ने कहा कि वह पीकू अभिनेता को याद कर रही थी और सोच रही थी कि वह उनसे ज़्यादा बात क्यों नहीं कर सकी।और उनसे कुछ बातें निकालने की कोशिश क्यों नहीं कर पायी। राधिका ने खुलासा किया कि वह सेट पर बहुत शांत रहती थी और उन्हें स्पेस देने की कोशिश करती थी। अभिनेत्री ने केवल अपने किरदार पर ध्यान केंद्रित किया और इरफ़ान को अपने पिता के रूप में देखना चाहती थी। सरफिरा अभिनेत्री ने सोचा कि फिल्म खत्म होने के बाद उनके पास फिल्मों, अभिनय और शिल्प पर चर्चा करने के लिए उनके साथ बहुत समय होगा। अभिनेत्री ने कहा, फ्रवह बहुत कुछ झेल रहे थे। जब तक मुझसे बात नहीं की जाती, मैं कभी नहीं बोलती।फ्र अंग्रेजी मीडियम 2017 की फिल्म हिंदी मीडियम का सीक्वल है। साकेत चौधरी द्वारा निर्देशित, पहली फिल्म में सबा कमर, दीपक डोबरियाल और नेहा धूपिया ने अभिनय किया था। सीक्वल में राधिका ने इरफ़ान की बेटी का किरदार निभाया था। करीना कपूर खान ने भी इस फिल्म में काम किया है, जिसे होमी अदजानिया ने निर्देशित किया है। 12 जुलाई, 2024 को राधिका मदान और अक्षय कुमार की सरफिरा सिनेमाघरों में उतरी। फिल्म को ज्यादातर सकारात्मक समीक्षा मिली। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर इसका प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। अभिनेत्री अगली बार सना में नजर आएंगी और इस फिल्म का निर्देशन उलज निर्देशक सुधांशु सरिया कर रहे हैं।

%एफआईआर%, %कहानी घर घर की% और अन्य शो के लिए लोकप्रिय कविता कौशिक ने टेलीविजन छोड़ दिया है। अभिनेत्री अब अपने पति के साथ पहाड़ों में रहती हैं, जहाँ वे आयुर्वेदिक व्यवसाय चलाते हैं। %एफआईआर%, %कहानी घर घर की% और अन्य शो के लिए लोकप्रिय कविता कौशिक ने टेलीविजन छोड़ दिया है। अभिनेत्री अब अपने पति के साथ पहाड़ों में रहती हैं, जहाँ वे आयुर्वेदिक व्यवसाय चलाते हैं। उन्होंने बताया कि अनियमित काम के घंटे और पिछड़ा हुआ टीवी कंटेंट उनके इस निर्णय के पीछे मुख्य कारण हैं। कविता कौशिक ने हाल ही में एक साक्षात्कार में कहा कि वह अब 30 दिनों तक काम नहीं कर सकती हैं। उन्होंने टाइम्स नाउ से कहा, फ्रटीवी तो मुझे करना ही नहीं है। मैं 30 दिन काम नहीं कर सकती। मैं वेब शो या फिल्में करने के लिए तैयार हूं, लेकिन मैं कोई आम दिखने वाली हीरोइन नहीं हूं, जिसे आसानी से हर तरह की शूटिंग में कास्ट किया जा सके। मेरे व्यक्तित्व के हिसाब से सिर्फ़ कुछ ही तरह के रोल हैं। मुझे शैतानी रस्में जैसे दिन के टीवी प्रोजेक्ट ऑफर होते रहते हैं। लेकिन मैं अब वैसी ज़िंदगी नहीं जी सकती, जैसी तीन साल पहले थी, जब मैं फुल टाइम टेलीविज़न कर रही थी। मैं उस दौर के लिए शुक्रगुज़ार हूं, लेकिन मैं छोटी थी और मुझे पैसे चाहिए थे। लेकिन अब मैं उस तरह का समय नहीं दे सकती। असल में, जब स्र्व्ढक्र में इतना समय नहीं लगता था, तब भी मैं शिकायत करती थी।फ्र अभिनेता ने टीवी कंटेंट को %प्रतिगामी% भी कहा। उन्होंने कहा, फ्रटीवी कंटेंट भी बहुत पिछड़ा हुआ है और इसलिए मैं इसका हिस्सा नहीं बनना चाहती। एक समय था जब टीवी प्रगतिशील था और हमारे पास अलग-अलग तरह के शो थे। इसमें विविधता थी और सभी के लिए मनोरंजन था। लेकिन अब, हम जिस तरह का कंटेंट दिखा रहे हैं, वह युवा पीढ़ी के लिए वाकई बहुत बुरा है।फ्र आगे उन्होंने कहा, फ्रहम अपने रियलिटी शो और ड्रामा में जिस तरह का पिछड़ापन दिखाते हैं, उससे लोग एक-दूसरे से नफरत करने लगते हैं। मैं भी इसका हिस्सा रही हूं और मुझे बहुत खेद है। मैंने भी किसी तरह से उस पिछड़ेपन में योगदान दिया है। मैं टेलीविजन पर दिखाए जाने वाले शो को स्वीकार नहीं करती। जो भी बोलो, हम इंडियन हैं और हमें लगता है जो टीवी पर दिख रहा है वो सच है। हम अवचेतन रूप से इससे प्रेरित होते हैं।फ्र कविता अब अपने पति रोनित बिस्वास के साथ पहाड़ों में एक शांत जीवन जी रही हैं। वे दोनों मिलकर आयुर्वेदिक व्यवसाय चलाते हैं। उन्होंने कहा, फ्रमैं अब अपने पति के साथ पहाड़ों में रहती हूँ और हम यहाँ आयुर्वेदिक व्यवसाय चलाते हैं। मैंने मुंबई छोड़ दिया है और मैं केवल तभी आती हूँ जब मुझे यहाँ शूटिंग करनी होती है। हम शुरू में गोवा चले गए थे, लेकिन वहाँ की गर्मी मुझे परेशान कर रही थी। यह बहुत ज़्यादा थी। साथ ही, पहाड़ों में हमें सभी सामग्री आसानी से मिल जाती है क्योंकि यहाँ का मौसम बहुत अच्छा है। हम अब उत्तराखंड में हैं। अब मैं जानवरों के साथ एक बड़े बंगले में रहती हूँ और एक बड़ा बगीचा है जहाँ मैं सब कुछ उगाती हूँ। अब मैं ज़्यादा गाय और हंस पालूँगी। मैंने मनोरंजन उद्योग में बहुत काम किया है, लेकिन अब मुझे यह जीवनशैली पसंद है।फ्र कविता कौशिक, जो टेलीविज़न पर काफ़ी लोकप्रिय चेहरा हैं, %एफ़आईआर% में सब इंस्पेक्टर चंद्रमुखी चौटाला के रूप में घर-घर में मशहूर हो गईं। उन्हें आखिरी बार %मैडम सर% में देखा गया था।

आज होगा खेलों के महाकुंभ का आगाज

पदकों की संख्या को दोहरे अंक में पहुंचाना चाहेगा भारत

पेरिस। टोक्यो ओलंपिक, 2020 में भारत ने कुल सात पदक जीते थे। ओलंपिक के इतिहास में यह भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। नीरज चोपड़ा ने 13 साल बाद ओलंपिक में भारत के लिए स्वर्ण जीता था। खेलों के महाकुंभ पेरिस ओलंपिक 2024 का आज आगाज होगा। भारत के 117 खिलाड़ी इस वैश्विक टूर्नामेंट में भाग ले रहे हैं और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं। टोक्यो ओलंपिक में भारत ने सर्वश्रेष्ठ करते हुए सात पदक जीते थे। इस बार भारतीय खिलाड़ियों का लक्ष्य पदकों की संख्या को दोहरे अंक में पहुंचाना होगा। 70 भारतीय खिलाड़ी पहली बार ओलंपिक में खेलेंगे भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने 117 खिलाड़ियों का दल पेरिस भेजा है। इसमें से 70 खिलाड़ी पहली बार ओलंपिक में खेलेंगे। 47 भारतीय खिलाड़ी ऐसे हैं, जो एक या उससे अधिक बार ओलंपिक में भाग ले चुके हैं। पेरिस ओलंपिक में एक बार फिर से नीरज चोपड़ा, मीराबाई चानू, लवलीना और पीवी सिंधू से पदक की उम्मीद है। भारत ने अब तक कुल 35 पदक जीते भारत ने अब तक ओलंपिक में कुल 35 पदक जीते हैं। इनमें 10 स्वर्ण, नौ रजत और 16 कांस्य पदक शामिल हैं। 2020 टोक्यो ओलंपिक भारत का अब तक का सबसे ओलंपिक रहा था, जिसमें इस राष्ट्र ने एक स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य पदक समेत कुल सात पदक हासिल किए थे। इस बार भारतीय एथलीट अपने देश को दोहरे अंकों में पहुंचाने की कोशिश करेंगे। टोक्यो ओलंपिक में भारत ने जीते सात पदक टोक्यो ओलंपिक, 2020 में भारत ने कुल सात पदक जीते थे। ओलंपिक के इतिहास में यह भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। नीरज चोपड़ा ने 13 साल बाद ओलंपिक में भारत के लिए स्वर्ण जीता था। इससे पहले 2008 में अभिनव बिंद्रा ने शूटिंग में स्वर्ण पदक जीता था। अभिनव के बाद नीरज दूसरे ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है। उनसे पेरिस में भी ऐसे ही प्रदर्शन की उम्मीद है। वहीं, टोक्यो में भारत ने दो रजत और चार कांस्य पदक भी जीते थे। आसान नहीं होगा भारत के लिए सफर खिलाड़ियों को चाहे विदेश में अभ्यास करवाना हो या उन्हें सर्वश्रेष्ठ सुविधा उपलब्ध करानी हो, किसी भी तरह से कोई कसर नहीं छोड़ी गई है और अब परिणाम देना खिलाड़ियों का काम है। लेकिन इस हकीकत से भी मुंह नहीं मोड़ा जा सकता है कि टोक्यो ओलंपिक के सात पदकों की संख्या की बराबरी करना भी आसान नहीं होगा। भाला फेंक में मौजूदा ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा को छोड़कर कोई भी अन्य खिलाड़ी पदक का प्रबल दावेदार नहीं है। अन्य खेलों में भी कमोबेश यही स्थिति है और इस तरह से देखा जाए तो भारत को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी पदार्पण करने वाले खिलाड़ियों पर होगी। अनुभवियों पर होगी जिम्मेदारी भारतीय दल में हालांकि कुछ अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं जिन्हें अपना खेल का स्तर बढ़ाना होगा। इन खिलाड़ियों में बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू, टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना, टेबल टेनिस के दिग्गज शरत कमल और हॉकी गोलकीपर पीआर श्रीजेश भी शामिल हैं जो निश्चित तौर पर अपना अंतिम ओलंपिक खेल रहे हैं। हॉकी टीम की ओलंपिक खेलों से पहले फॉर्म बहुत अच्छी नहीं रही जबकि मुक्केबाजों और पहलवानों को प्रतियोगिताओं में प्रतिस्पर्धा करने का कम मौका मिला। निशानेबाजों ने भी ओलंपिक से पहले मिश्रित परिणाम हासिल किए। साबले दिलाएंगे भारत को पदक? ट्रैक और फील्ड एथलीटों, विशेषकर अविनाश साबले ने हाल में अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन अपने वैश्विक प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में उनका प्रदर्शन उन्हें पदक के दावेदारों में शामिल करने के लिए पर्याप्त नहीं लगता है। स्टीपलचेजर साबले लगातार अपने ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड को बेहतर कर रहे हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 8रू09.94 है, लेकिन सात अंतरराष्ट्रीय धावक हैं जिन्होंने उनसे बेहतर समय निकाला है। ऐसे में उनका फाइनल में पहुंचना भी बड़ी उपलब्धि मानी जाएगी। नीरज भले ही अभी तक 90 मीटर की दूरी तक भाला नहीं फेक पाए हैं लेकिन उन्होंने निरंतर अच्छा प्रदर्शन किया है। बड़ी प्रतियोगिताओं में वह अपने प्रतिद्वंदियों से बेहतर प्रदर्शन करते रहे हैं और उनके पास लगातार दो ओलंपिक खेलों में पदक जीतने वाला तीसरा भारतीय खिलाड़ी बनने का शानदार मौका है। इससे पहले पहलवान सुशील कुमार (2008 और 2012) तथा सिंधु (2016 और 2021) ही यह उपलब्धि हासिल कर पाए हैं। सात्विक और चिराग से पदक की उम्मीद भारत की पदक की उम्मीदें नीरज तथा चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की फॉर्म में चल रही बैडमिंटन जोड़ी पर टिकी हैं। सात्विक और चिराग की जोड़ी जिस तरह से अच्छा प्रदर्शन कर रही है उसे देखते हुए वह निश्चित तौर पर पदक की प्रबल दावेदार है। सिंधु भी लगातार तीसरा पदक जीतने के लिए प्रतिबद्ध है। उनकी हाल की फॉर्म अच्छी नहीं रही और उन्हें मुश्किल ड्रॉ भी मिला है। पिछली गलतियों से सीखना होगा हॉकी में भारत में पिछले ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक जीत कर 41 वर्ष के लंबे इंतजार को खत्म किया था लेकिन हाल में टीम के प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव रहा है। पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलना और लय बनाए रखना टीम की सबसे बड़ी चिंता है। यही नहीं भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, अर्जेंटीना, न्यूजीलैंड और आयरलैंड के साथ मुश्किल ग्रुप में रखा गया है। ऐसे में टीम को छोटी गलती भी भारी पड़ सकती है। मनु भाकर और सौरभ चौधरी से उम्मीद निशानेबाजी में भारत के 21 खिलाड़ी अपनी चुनौती पेश करेंगे जिनमें मनु भाकर और सौरभ चौधरी भी शामिल हैं जिन्हें पदक का दावेदार माना जा रहा है। इनके अलावा सिफ्त कौर समारा (50 मीटर थ्री पोजिशन), संदीप सिंह (10 मीटर एयर राइफल) और ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर (पुरुषों की 50 मीटर राइफल) ने भी निशानेबाजी में पदक का 12 साल का इंतजार खत्म करने का माद्दा दिखाया है। वर्तमान में भारतीय दल के प्रमुख गगन नारंग 2012 लंदन खेलों में 10 मीटर एयर राइफल कांस्य पदक जीतकर पोडियम पर पहुंचने वाले आखिरी भारतीय निशानेबाज थे। पहलवानों की नहीं हो सकी तैयारी कुश्ती में भारत ने पिछले चार ओलंपिक खेलों में पदक जीता है लेकिन इस बार भारतीय कुश्ती महासंघ के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के कारण खिलाड़ियों की तैयारी अनुकूल नहीं रही हैं। इसके बावजूद अंशु मलिक, अंतिम पंघाल और अमन सहरावत को भारत का सबसे अच्छा दावेदार माना जा रहा है। अंडर-23 विश्व चौंपियन रीतिका हुड्डा भी छुपी रुस्तम साबित हो सकती है। निकहत जरीन और निशांत देव से उम्मीद अन्य खेलों में तीरंदाजी और टेबल टेनिस के खिलाड़ियों ने अपनी रैंकिंग के आधार पर खेलों में जगह बनाई है। तीरंदाजी में भारत लगातार ओलंपिक खेलों में भाग ले रहा है लेकिन उसे अभी अपने पहले पदक का इंतजार है। पिछले ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली भारोत्तोलक मीराबाई चानू पिछले कुछ समय से चोट और खराब फॉर्म से जूझ रही हैं। मुक्केबाजी में निकहत जरीन और निशांत देव से उम्मीद की जा सकती है।

मैंने केकेआर के लिए... गौतम गंभीर के साथ रिश्ते पर दिल खोलकर बोले सूर्यकुमार यादव

सनथ जयसूर्या ने खुलासा किया कि आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स के हाई परफॉर्मेंस निदेशक जुबिन भरूचा ने भारत के खिलाफआगामी टी20 श्रृंखला की तैयारी में उनके बल्लेबाजों की मदद की है और उन्हें उम्मीद है कि टीम रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे स्टार खिलाड़ियों के संन्यास का फायदा उठाएगी।

भारत के नवनियुक्त ज्20प् कप्तान सूर्यकुमार यादव ने श्रीलंका के खिलाफसीमित ओवरों की श्रृंखला से पहले मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ अपने विशेष संबंधों पर खुलकर बात की है। यह श्रृंखला मुख्य कोच गंभीर के नेतृत्व में एक नए युग की शुरुआत का प्रतीक है, जिन्होंने हाल ही में भारत की टी20 विश्व कप जीत के बाद राहुल द्रविड़ की जगह ली है। गंभीर के महत्वपूर्ण शुरुआती निर्णयों में से एक हार्दिक पंड्या की जगह सूर्यकुमार को टी20ई कप्तान नियुक्त करना था। इस विकल्प ने काफी चर्चा को जन्म दिया, लेकिन जैसे-जैसे श्रृंखला की शुरुआत नजदीक आ रही है, अब ध्यान वर्तमान और भविष्य पर है। बीसीसीआई द्वारा जारी एक वीडियो में कहा सूर्यकुमार ने कहा कि ये जो रिश्ता है, बहुत खास है। क्योंकि मैं जब 2014 में गया था, मैंने केकेआर के लिए उनके नेतृत्व में खेला था। यह खास था क्योंकि वहां से मौका मिला खेलने का, फ्रेंचाइजी के लिए और... जो बोलते है ना, तुम तीन कदम चले, आप भी दो कदम आये, और मेरे बीच में कही तो मिले, वैसा रिश्ता था, मजबूत। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी शैली और नवोन्वेषी शॉट्स के लिए जाने जाने वाले सूर्यकुमार ने आपसी समझ और समर्थन पर जोर दिया जो गंभीर के साथ उनके रिश्ते को परिभाषित करता है। कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ अपने अनुभवों पर विचार करते हुए, सूर्या ने बताया कि इस गतिशीलता से भारतीय टीम को उनकी नई भूमिकाओं में कैसे लाभ होगा। उन्होंने कहा कि वह (गंभीर) जानते हैं कि मैं कैसे काम करता हूं और जब मैं अभ्यास सत्र में आता हूं तो मेरी मानसिकता क्या होती है। मैं यह भी जानता हूं कि वह कोच के रूप में कैसे काम करने की कोशिश करते हैं। यह सब हमारे बीच के प्यारे रिश्ते से जुड़ा है और मैं यह देखने के लिए बेहद उत्साहित हूं कि यह कैसे आगे बढ़ता है। मुख्य कोच के रूप में गंभीर का कार्यकाल और सूर्यकुमार की कप्तानी एक नए दृष्टिकोण का वादा करती है, जिसका लक्ष्य भारत की हालिया सफलताओं को आगे बढ़ाना और टीम को नई ऊंचाइयों पर ले जाना है। सूर्यकुमार ने कहा कि एक कप्तान के रूप में वह विनम्र बने रहना चाहते हैं क्योंकि वह क्रिकेट को सिर्फ एक खेल के रूप में देखते हैं, न कि जीवन के रूप में। मुंबई के इस बल्लेबाज ने कहा,'' इस खेल से मैंने जो सबसे महत्वपूर्ण बात सीखी है वह यह है कि आप कुछ हासिल करने के बाद या अच्छा प्रदर्शन न करने के बाद भी कितने विनम्र रहते हैं। मैंने सीखा है कि आप मैदान पर जो कुछ करते हैं आपको उसे वहीं छोड़ देना चाहिए।'' उन्होंने कहा,'' यह आपकी जिंदगी नहीं है, यह आपकी जिंदगी का एक हिस्सा है। जिंदगी में संतुलन बनाना जरूरी होता है। अगर आप अच्छे इंसान हैं, तो सब कुछ अच्छा होता है।

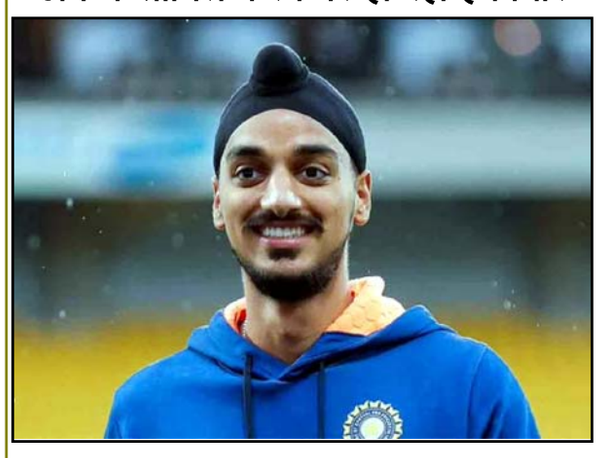

अर्शदीप सिंह की खुल सकती है किस्मत, टेस्ट टीम में शामिल करने पर हो रहा है विचार

र्शदीप भारत के लिए लगातार व्हाइट बॉल क्रिकेट खेल रहे हैं, अर्शदीप टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे थे, उन्होंने कुल 17 विकेट चटकाए थे। अब बाएं हाथ के पेसर को टेस्ट क्रिकेट में खिलाने पर विचार किया जा रहा है।

अर्शदीप सिंह टी20 वर्ल्ड कप 2024 में भारत के लिए बहुत अहम साबित हुए थे। अर्शदीप भारत के लिए लगातार व्हाइट बॉल क्रिकेट खेल रहे हैं, अर्शदीप टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे थे, उन्होंने कुल 17 विकेट चटकाए थे। अब बाएं हाथ के पेसर को टेस्ट क्रिकेट में खिलाने पर विचार किया जा रहा है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, अर्शदीप को बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के जरिए भारत की टेस्ट टीम में लाने के बारे में सोचा जा रहा है। टेस्ट क्रिकेट में जगह बनाने के लिए अर्शदीप से दिलीप ट्रॉफी के कुछ मैच खेलने के लिए कहा गया है। टाइम्स ऑफ इंडिया में एक सोर्स के हवाले बताया गया, अर्शदीप ने भारत के लिए व्हाइट बॉल क्रिकेट में गेंद को प्रभावशाली तरीके से मूव किया है। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर चयन के लिए उनके चांस बढ़ाने के लिए उन्हें 5 सितंबर से शुरू होने वाले दलीप ट्रॉफी के कुछ घरेलू रेड-बॉल गेम खेलने के लिए कहा जा सकता है। बता दें कि, अर्शदीप ने भारत के लिए 2022 का टी20 वर्ल्ड कप भी खेला था। ऑस्ट्रेलिया में खेले गए 2022 के टी20 वर्ल्ड कप में भी अर्शदीप ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 मैचों में 15.60 की औसत से 10 विकेट लिए थे। भारत के लिए अब तक ऐसा रहा करियर अर्शदीप भारत के लिए मुख्यतरू टी20 क्रिकेट खेलते हैं। हालांकि, अब उन्हें वनडे क्रिकेट में भी आगे बढ़ाया जा रहा है। श्रीलंका के खिलाफहोने वाली वनडे सीरीज के लिए अर्शदीप को भारतीय स्क्वॉड में शामिल किया गया है। अब उन्हें टेस्ट क्रिकेट के लिए भी देखा जा रहा है।

रोहित और कोहली! जानें आशीष नेहरा ने ऐसा क्यों कहा?

आशीष नेहरा के हवाले से लिखा कि कोहली और रोहित का खेलना उनकी फिटनेस पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि, फिजिकल और मेंटल दोनों का स्वस्थ होना अहम है। ऐसी चीजें इस बात पर निर्भर करती हैं कि आपके अंदर कितना जुनून और प्रेरणा है। रोहित और कोहली में इसकी कोई कमी नहीं है। उनके अंदर जुनून है उसी कराण वह यहां तक पहुंचे हैं।

टी20 वर्ल्ड कप 2024 का खिताब जीतकर भारत के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली और रोहित शर्मा टी20 फॉर्मेट को अलविदा कह दिया था। वहीं अब विराट और रोहित श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज के साथ वापसी करेंगे। इसके साथ ही सवाल उठने लगा है कि क्या ये दोनों खिलाड़ी 2027 में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप खेलेंगे या नहीं? आशीष नेहरा ने इस बारे में अपनी बात रखी। स्पोर्ट्स तक के आशीष नेहरा के हवाले से लिखा कि कोहली और रोहित का खेलना उनकी फिटनेस पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि, फिजिकल और मेंटल दोनों का स्वस्थ होना अहम है। ऐसी चीजें इस बात पर निर्भर करती हैं कि आपके अंदर कितना जुनून और प्रेरणा है। रोहित और कोहली में इसकी कोई कमी नहीं है। उनके अंदर जुनून है उसी कराण वह यहां तक पहुंचे हैं। गिल-जायसवाल ले सकते हैं जगह नेहरा ने आगे कहा कि, यहां से शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल और साई सुंदर्शन रन बनाएंगे और पुश करेंगे। इसी कारण विराट कोहली और रोहित शर्मा को अपना बढ़ाते रहना होगा और दोनों ने पहले भी ऐसा किया है। अभी दूर है 2027 वर्ल्ड कप नेहरा ने आगे बताया कि 2027 अभी दूर है लेकिन अगर कोहली और रोहित खेलते हैं को ये बहुत उत्साहित करने वाला होगा। उन्होंने कहा कि, 2027 अभी बहुत दूर है। हालांकि, अगर आप मुझसे पूछेंगे तो मैं हमेशा 18 का रहना चाहता हूं। मैं रिटायर नहीं होना चाहता। अगर आप गंभीर को मौका दें और उनसे कहेंगे कि आपका शरीर भी फिट है को वह कहेंगे कि सुदर्शन को छोड़ें, मैं तैयार हूं। चार साल में काफी समय है लेकिन ये शानदार है।

SPORTS न्यूज़

स्पेन की जीत से शुरुआत, अर्जेंटीना पहला मैच हारा

यूरोपीय चौंपियन स्पेन ने उज्बेकिस्तान को 2-1 से हराकर ओलंपिक खेलों की फुटबॉल प्रतियोगिता में अपने अभियान की सकारात्मक शुरुआत की लेकिन लियोनेल मेस्सी के बिना खेल रहे विश्व चौंपियन अर्जेंटीना को पहले मैच में हार का सामना करना पड़ा। उज्बेकिस्तान ने स्पेन को कड़ी चुनौती दी और इसलिए दर्शकों का उन्हें भरपूर समर्थन भी मिला। पेरिस ओलंपिक खेलों का पहला गोल स्पेन के राइट बैक मार्क पबिल ने 29वें मिनट में किया। एल्डोर शोमुरोदोव ने पहले हाफके आखिर में पेनल्टी के जरिए अपना 41वां अंतरराष्ट्रीय गोल करके बराबरी की, जिसका उज्बेकिस्तान के प्रशंसकों ने जमकर जश्न मनाया। स्पेन की तरफ से सर्जियो गोमेज ने 62वें मिनट में निर्णायक गोल किया। इन खेलों में मेस्सी के बिना खेल रहे कोपा अमेरिका चौंपियन अर्जेंटीना को अपने पहले मैच में मोरक्को से 2-1 से हार झेलनी पड़ी। मोरक्को की तरफसे दोनों गोल स्ट्राइकर सौफियाने रहीमी ने किए। मोरक्को की जीत जब सुनिश्चित लग रही थी तब अर्जेंटीना की तरफसे दूसरे हाथ के इंजरी टाइम मे क्रिस्टियन मदीना ने बराबरी का गोल कर दिया। मोरक्को के प्रशंसक मैदान पर उतर आए जिससे खेल खत्म होने से कुछ समय पहले मैच स्थगित कर दिया गया। इसके बाद 2 घंटे तक खेल रुका रहा और जब खेल शुरू हुआ तो उससे कुछ देर पहले वीडियो प्रणाली से अर्जेंटीना का गोल ऑफसाइड होने के कारण अमान्य करार दे दिया गया। अन्य मैचों में इजरायल ने कड़ी सुरक्षा के बीच खेले गए मैच में माली को 1-1 से बराबरी पर रोका जबकि मेजबान फ्रांस ने अमेरिका को 3-1 से हराया।

मौत को बहुत करीब से देखा... मोहम्मद शमी ने सुनाई क्लीन चिट मिलने के बाद की भयावह कहानी

मोहम्मद शमी ने भारतीय क्रिकेट में बहुत कुछ हासिल किया है। वह उस भारतीय टीम का हिस्सा थे जिसमें ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जीती और इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका को उनकी धरती पर हराया। वह वनडे वर्ल्ड कप के पिछले तीन सीजन में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। लेकिन शमी ने मैदान के अंदर और बाहर भी कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। चोट लगने के कारण से बार-बार बाहर होना, पत्नी हसीन जहां से हसीन जहां से जुड़ी निजी उलझनें, बेटी से दूर रहना ये सब उन्होंने झेला है। बता दें कि, इस दौरान उनकी पत्नी हसीन जहां ने उन पर मैच फिक्सिंग और कई अन्य आरोप लगाए। हसीन जहां ने शमी के खिलाफघरेलू हिंसा के लिए पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई। इस कारण बीसीसीआई ने कुछ समय के लिए उनके केंद्रीय अनुबंध को रोक दिया था। ये दौर शमी के करियर का सबसे बुरा दौर था, जिसने उन्हें अपनी जिंदगी खत्म करने के बारे में सोचने पर मजबूर कर दिया। हालांकि, मैच फिक्सिंग मामले में शमी को जल्द ही क्लीन चिट मिल गई। शमी को जब क्लीन चिट मिलने की सूचना मिली तो वह बहुत खुश थे। हालांकि, उसके कुछ ही दिन बाद शमी के साथ बड़ा हादसा हुआ था। उस हादसे में शमी की जान भी जा सकती थी। उस हादसे के बारे में शमी ने शुभाकर मिश्रा के पॉडकास्ट में बताया। शमी के साथ उनके दोस्त और विधायक उमेश कुमार भी मौजूद थे। शमी ने बताया कि उनकी जिंदगी में सबसे इमोशनल पल वह था, जिस रात इन्होंने आत्महत्या करने की सोची थी। उमेश ने कहा कि, वह बस एक रात थी, जिस रात शायद ये टूट गए थे। इस बीच शमी ने कहा कि, मेरी नजर में मुझे दो पॉइंट नजर आते हैं एक तो वह रात जो ये बता रहे हैं। एक वह सीन था जो मुझे नजर आता है कि हां सब कुछ खत्म हो सकता था एक बार हमारा एक्सीडेंट हुआ था। हम दोनों ही एक गाड़ी में थे। हमारा दोनों का आखिरी दिन हो सकता था, उस समय पर मुझे लगा कि शायद सबकुछ खत्म हो गया।

बाजार में गिरावट, सेंसेक्स 280 अंक गिरकर 80,148 के लेवल पर बंद

मुंबई। बजट के अगले दिन आज यानी 24 जुलाई को शेयर बाजार में गिरावट रही। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 280 अंक की गिरावट के साथ 80,148 के स्तर पर जबकि निफ्टी 65 अंक टूटा, ये 24,413 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 20 में गिरावट और 10 में तेजी देखने को मिली। निफ्टी के 50 शेयरों में से 30 में गिरावट और 20 तेजी देखने को मिली। एशियाई बाजार में आज गिरावट देखने को मिल रही है। जापान के निक्केई में 0.22ः और हॉन्गकॉन्ग के हैंगसेंग में 0.67ः की गिरावट है। चीन का शंघाई कंपोजिट 0.17ः की गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है। 23 जुलाई को अमेरिकी बाजार का डाओ जोंस 0.14ः गिरकर 40,358 पर बंद हुआ। छ।ैक् ।फ0.057ः गिरकर 17,997 के स्तर पर बंद हुआ।ै-च् 500 में 0.16ः की गिरावट रही। फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स ने 24 जुलाई को 2,975.31 करोड़ के शेयर बेचें। इस दौरान डोमेस्टिक इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (क्प्प्) ने ₹1,418.82 करोड़ के शेयर खरीदे। बजट में सरकार ने शार्ट टर्म और लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन पर टैक्स में बदलाव किया है। इससे कल सेंसेक्स कारोबार के दौरान 1,278 अंक गिरकर 79,224 पर पहुंच गया था। हालांकि, बाद में रिकवरी देखने को मिली ये 73 अंक की गिरावट के साथ 80,429 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी भी बजट स्पीच के दौरान 435 अंक गिरकर 24,074 पर पहुंच गया था। मार्केट बंद होने के पहले इसने भी रिकवरी कर ली और 30 अंक की गिरावट के साथ 24,479 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी के 50 शेयरों में से 20 में तेजी, 29 में गिरावट रही। एक में कोई बदलाव नहीं हुआ।

बजाज फिनसर्व का पहली तिमाही का मुनाफा 10ः बढ़कर 2,138 करोड़ रुपए

नयी दिल्ली। बजाज फिनसर्व लिमिटेड (बीएफएल) का चालू वित्त वर्ष 2024-25 की जून में समाप्त पहली तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 10 प्रतिशत बढ़कर 2,138 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। कंपनी ने पिछले साल की समान अवधि में 1,943 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा कमाया था। बीएफएल ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया, पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 31,480 करोड़ रुपए हो गई। पिछले साल समान तिमाही में यह 23,280 करोड़ रुपए थी। समीक्षाधीन अवधि में कंपनी का कुल व्यय बढ़कर 25,514 करोड़ रुपए हो गया। पिछले साल इसी अवधि में यह 18,157 करोड़ रुपए था। अप्रैल-जून तिमाही में बजाज फिनसर्व की अनुषंगी कंपनी बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस का मुनाफा 39 प्रतिशत बढ़कर 576 करोड़ रुपए हो गया। एक अन्य अनुषंगी इकाई बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस का मुनाफा सालाना आधार पर 94 करोड़ रुपये से बढ़कर 104 करोड़ रुपए हो गया।

केंद्रीय बजट 2024-25 भारत के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धिः एसआईसीसीआई

सिंगापुर। सिंगापुर इंडियन चौंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एसआईसीसीआई) ने बुधवार को कहा कि केंद्रीय बजट 2024-25 भारत के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिसमें कौशल विकास, उच्च शिक्षा और युवाओं तथा महिलाओं के सशक्तीकरण पर ध्यान केंद्रित किया गया है। एसआईसीसीआई के चेयरमैन नील पारेख ने कहा, ''यह भारतीय नागरिकों को भविष्य की आर्थिक चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण हैं।

पारेख ने कहा, ''एसआईसीसीआई, भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा घोषित प्रयासों की सराहना करता है। यह भारत को और अधिक ऊंचाइयों पर ले जाने के वास्ते युवा पीढ़ी को तैयार करने की दूरदर्शिता के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत भारत सरकार की सराहना करता है। उन्होंने कहा कि बजट में देश में शिक्षा, रोजगार तथा कौशल विकास पहलों के लिए 1.48 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, जो युवाओं को सशक्त बनाने तथा बेहतर रोजगार अवसरों के लिए उनके कौशल को बढ़ाने और 1,000 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों को उन्नत करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वित्त मंत्री सीतारमण द्वारा घोषित 12 औद्योगिक पार्क के विकास के प्रस्तावों को लेकर भी एसआईसीसीआई उत्साहित है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29, पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ 226001 (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर 1372/12 न्यू गुडौरा बेहसा शहीदपथ लखनऊ 226008 (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक–अनूप सिंह
आरएनआई न० UPHIN/2023/87118 मोबाइल नं. 7905289865,9839177720 Email- tvnews1979@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।